UGC : NTA NET-JRF/SET
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा
जूनियर रिसर्च फेलोशिप एवं लेक्चररशिप पात्रता हेतु

एवं

UPHESC असिस्टेंट प्रोफेसर

विधि (LAW)

परीक्षा ज्ञान कोश

व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र

प्रधान संपादक
आनन्द कुमार महाजन

संपादक
अधिवक्ता अभिषेक सिंह

लेखन सहयोग
हर्ष वर्धन सिंह (LL.M/NET), मनीष सिंह (LL.M/NET)

कम्प्यूटर ग्राफिक्स
बालकृष्ण, चरन सिंह

संपादकीय कार्यालय
12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002
मो. : 9415650134
Email : yctap12@gmail.com
website : www.yctbooks.com/www.yctfastbook.com/www.yctbooksprime.com

© All Rights Reserved with Publisher

प्रकाशन घोषणा
सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने E:Book by APP YCT BOOKS, से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सुझाव एवं सहयोग सादर अपेक्षित है।
किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

विषय-सूची

■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा पाठ्यक्रम 3-6

यूजीसी एनटीए नेट/जेआरएफ

■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि जून-2009 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 7-16
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि दिसम्बर-2009 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 17-26
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि जून-2010 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 27-36
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि दिसम्बर-2010 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 37-46
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि जून-2011 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 47-55
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि दिसम्बर-2011 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 56-63
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि जून-2012 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 64-75
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि जून-2012 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल 76-90
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि दिसम्बर-2012 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 91-100
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि दिसम्बर-2012 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल 101-115
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि जून-2013 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 116-126
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि जून-2013 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल 127-143
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि सितम्बर-2013 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 144-154
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि सितम्बर-2013 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल 155-169
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि दिसम्बर-2013 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 170-180
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि दिसम्बर-2013 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल 181-197
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि जून-2014 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 198-208
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि जून-2014 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल 209-225
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि दिसम्बर-2014 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 226-237
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि दिसम्बर-2014 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल 238-257
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि जून-2015 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 258-270
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि जून-2015 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल 271-290
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि दिसम्बर-2015 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 291-304
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि दिसम्बर-2015 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल 305-325
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि जुलाई-2016 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 326-338
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि जुलाई-2016 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल 339-358
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि सितम्बर-2016 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 359-373
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि सितम्बर-2016 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल 374-396
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि जनवरी-2017 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 397-410
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि जनवरी-2017 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल 411-434
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि नवम्बर-2017 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 435-448
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि नवम्बर-2017 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल 449-468
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि जुलाई-2018 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 469-499
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि दिसम्बर-2018 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 500-529
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि जून-2019 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 530-550
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि दिसम्बर-2019 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 551-576
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि जून-2020 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 577-606
■ उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा, 2014 607-622
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि दिसम्बर-2020/जून-2021 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 623-652
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि दिसम्बर-2021/जून-2022 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 653-681
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि दिसम्बर-2022 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 682-708
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि जून-2023 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 709-737
■ उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा, 2021 738-748
■ एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, विधि दिसम्बर-2023 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 749-772

विधि (LAW) SYLLABUS

UNIT–I – JURISPRUDENCE
इकाई-I–विधिशास्त्र

1. Nature and sources of law
   विधि के स्रोत एवं प्रकार
2. Schools of jurisprudence
   विधिशास्त्र की शाखाएँ
3. Law and morality
   विधि और नैतिकता
4. Concept of rights and duties
   अधिकार एवं कर्त्तव्य की संकल्पनाएँ
5. Legal personality
   विधिक व्यक्तित्व
6. Concepts of property, ownership and possession
   सम्पत्ति, स्वामित्व एवं कब्जे की अवधारणा
7. Concept of liability
   दायित्व की संकल्पना
8. Law, poverty and development
   विधि, गरीबी एवं विकास
9. Global justice
   वैश्विक न्याय
10. Modernism and post-modernism
    आधुनिकतावाद एवं उत्तर आधुनिकतावाद

UNIT– II : CONSTITUTIONAL AND ADMINISTRATIVE LAW
इकाई-II : संवैधानिक एवं प्रशासनिक विधि

1. Preamble, fundamental rights and duties, directive principles of state policy.
   उद्देशिका, मौलिक अधिकार तथा कर्त्तव्य, राज्य के नीति निदेशक तत्व
2. Union and State executive and their interrelationship
   संघ और राज्य कार्यपालिका तथा उनमें पारस्परिक सम्बन्ध
3. Union and State legislature and distribution of legislative powers
   संघ और राज्य विधायिकाएँ और विधायी शक्तियों का वितरण
4. Judiciary
   न्यायपालिका
5. Emergency provisions
   आपातकालीन उपबन्ध
6. Temporary, transitional and special provisions in respect of certain states
   कुछ राज्यों के सम्बन्ध में अस्थायी, संक्रमणकालीन तथा विशेष उपबन्ध
7. Election Commission of India
   भारत का निर्वाचन आयोग
8. Nature, scope and importance of administrative law
   प्रशासनिक विधि की प्रकृति, विस्तार क्षेत्र एवं महत्व
9. Principle of natural justice
   नैसर्गिक न्याय का सिद्धान्त
10. Judicial review of administrative actions – Grounds.
    प्रशासनिक कृत्य का न्यायिक पुनरीक्षण - आधार

UNIT – III : PUBLIC INTERNATIONAL LAW AND IHL
इकाई-III : लोक अन्तर्राष्ट्रीय विधि एवं अन्तर्राष्ट्रीय मानवता विधि

1. International law – Definition, nature and basis
   अन्तर्राष्ट्रीय विधि – परिभाषा, स्वरूप तथा आधार
2. Sources of International law
   अन्तर्राष्ट्रीय विधि के स्रोत
3. Recognition of states and governments
   राज्यों एवं सरकारों की मान्यता
4. Nationality, immigrants, refugees and internally displaced persons (IDPs)
   राष्ट्रीय, अप्रवासी, शरणार्थी तथा आन्तरिक रूप से विस्थापित व्यक्ति
5. Extradition and asylum
   प्रत्यर्पण और शरण
6. United Nations and its organs
   संयुक्त राष्ट्र तथा इसके अंग
7. Settlement of international disputes
   अन्तर्राष्ट्रीय विवादों का निपटारा
8. World Trade Organization (WTO)
   विश्व व्यापार संगठन
9. International humanitarian law (IHL) – Conventions and protocols
   अन्तर्राष्ट्रीय मानवता विधि (आई.एच.एल.), कंवेशन्स तथा प्रोटोकाल्स
10. Implementation of IHL – Challenges
    आई.एच.एल. का कार्यान्यवयन – चुनौतियाँ

UNIT–IV : LAW OF CRIMES
इकाई-IV–अपराध विधि

1. General principles of criminal liability – *Actus reus and mens rea,* individual and group liability and constructive liability
   आपराधिक दायित्व के सामान्य सिद्धान्त, एक्टस रियस तथा मेन्सरिया, व्यक्ति और समूह के दायित्व, रचनात्मक दायित्व
2. Stages of crime and inchoate crimes – Abetment, criminal conspiracy and attempt
   अपराध के चरण और इनकोहेट अपराध – दुष्प्रेरण, आपराधिक षड्यंत्र और प्रयत्न।
3. General exceptions
   सामान्य अपवाद
4. Offences against human body
   शरीर के विरुद्ध अपराध
5. Offences against state and terrorism
   राज्य के विरुद्ध अपराध तथा आतंकवाद
6. Offences against property
   सम्पत्ति के विरुद्ध अपराध
7. Offences against women and children
   महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराध
8. Drug trafficking and counterfeiting
   मादक औषधि व्यापार एवं कूटरचना
9. Offences against public tranquility
   लोक शान्ति के विरुद्ध अपराध
10. Theories and kinds of punishments, compensation to the victims of crime
    दण्ड के प्रकार और सिद्धान्त, अपराध पीड़ित व्यक्ति की क्षतिपूर्ति

UNIT – V : LAW OF TORTS AND CONSUMER PROTECTION
इकाई-V : अपकृत्य विधि एवं उपभोक्ता संरक्षण

1. Nature and definition of tort
   अपकृत्य का स्वरूप एवं परिभाषा
2. General principles of tortious liability
   अपकृत्य दायित्व के सामान्य सिद्धान्त
3. General defenses
   सामान्य बचाव
4. Specific torts – Negligence, nuisance, trespass and defamation
   विशेष अपकृत्य – उपेक्षा, उपताप, अतिचार, मानहानि
5. Remoteness of damages
   क्षति की दूरस्थता
6. Strict and absolute liability
   कठोर और पूर्ण दायित्व
7. Tortious liability of the State
   राज्य का अपकृत्व दायित्व
8. The Consumer Protection Act 1986 – Definitions, consumer rights and redressal mechanism
   उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986, परिभाषा, उपभोक्ता के अधिकार एवं निवारण तंत्र
9. The Motor Vehicles Act, 1988 – No fault liability, third party insurance and claims tribunal
   मोटर यान अधिनियम, 1988 - त्रुटि हीनता दायित्व, तृतीय पक्षकार बीमा एवं दावा अधिकरण
10. The Competition Act, 2002 – Prohibition of certain agreements, abuse of dominant position and regulation of combinations
    प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 – कुछ करारों का प्रतिषेध, प्रभावशाली स्थिति का दुरप्रयोग, संयोजनों का विनियमन

UNIT – VI : COMMERCIAL LAW
इकाई-VI : वाणिज्य विधि

1. Essential elements of contract and e-contract
   संविदा तथा ई-संविदा के अनिवार्य तत्व
2. Breach of contract, frustration of contract, void and voidable agreements
   संविदा-भंग, संविदा की व्यर्थता, शून्य एवं शून्यकरणीय करार
3. Standard form of contract and quasi-contract
   संविदा तथा अर्द्ध संविदा के मानक स्वरूप
4. Specific contracts – Bailment, pledge, indemnity, guarantee and agency
   विशिष्ट संविदाएँ : उपनिधान, गिरवी, क्षतिपूर्ति, गारंटी तथा एजेन्सी
5. Sale of Goods Act, 1930
   माल विक्रय अधिनियम, 1930
6. Partnership and limited liability partnership
   साझेदारी तथा सीमित दायित्व साझेदारी

7. Negotiable Instruments Act, 1881
परक्राम्य लिखित अधिनियम, 1881

8. Company law – Incorporation of a company, prospectus, shares and debentures
कम्पनी विधि – कम्पनी का गठन, प्रोस्पेक्टस, शेयर तथा डेवेंचर

9. Company law – Directors and meetings
कम्पनी विधि – निदेशक एवं मीटिंग

10. Corporate social responsibility
कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

UNIT – VII : FAMILY LAW
इकाई-VII : पारिवारिक विधि

1. Sources and schools
स्रोत एवं शाखाएँ

2. Marriage and dissolution of marriage
विवाह और विवाह विच्छेद

3. Matrimonial remedies – Divorce and theories of divorce
वैवाहिक उपचार –
विवाह विच्छेद और विवाह विच्छेद के सिद्धान्त

4. Changing dimensions of institution of marriage – *Live-in* relationship
विवाह संस्था के बदलते आयाम – लिव-इन-रिलेशनशिप

5. Recognition of foreign decrees in India on marriage and divorce
विवाह और विवाह विच्छेद से सम्बन्धित विदेशी डिक्री की भारत में मान्यता

6. Maintenance, dower and *stridhan*
भरण-पोषण, डावर, स्त्रीधन

7. Adoption, guardianship and acknowledgement
दत्तक ग्रहण, संरक्षकता और अभिस्वीकृति

8. Succession and inheritance
उत्तराधिकार एवं विरासत

9. Will, gift, and *wakf*
वसीयत, दान तथा वक्फ

10. Uniform Civil Code
समान सिविल संहिता

UNIT – VIII : ENVIRONMENT AND HUMAN RIGHTS LAW
इकाई-VIII : पर्यावरण एवं मानव अधिकार विधि

1. Meaning and concept of 'environment' and 'environmental pollution'
'पर्यावरण' तथा 'पर्यावरण प्रदूषण' का अर्थ और संकल्पना

2. International environmental law and UN Conferences
अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण विधि तथा यू.एन. कांफ्रेन्सिस

3. Constitutional and legal framework for protection of environment in India
भारत में पर्यावरण संरक्षण की संवैधानिक एवं विधिक संरचना

4. Environmental Impact Assessment and control of hazardous waste in India
भारत में पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन तथा खतरनाक अपशिष्ट पदार्थ का नियन्त्रण

5. National Green Tribunal
राष्ट्रीय हरित अधिकरण

6. Concept and development of human rights
मानव अधिकारों की संकल्पना एवं विकास

7. Universalism and cultural relativism
सार्वभौमिकतावाद एवं सांस्कृतिक सापेक्षतावाद

8. International Bill of Rights
अन्तर्राष्ट्रीय बिल ऑफ राइट्स

9. Group rights – Women, children, persons with disabilities, elderly persons, minorities and weaker sections
समूह अधिकार – महिलाएँ, बच्चे, अन्यथा योग्य व्यक्ति, वरिष्ठ व्यक्ति, अल्पसंख्यक एवं कमजोर वर्ग

10. Protection and enforcement of human rights in India – National Human Rights Commission, National Commission for Minorities, National Commission for Women, National Commission for Scheduled Castes, National Commission for Schedule Tribes and National Commission for Backward Classes
भारत में मानवाधिकारों का संरक्षण एवं प्रवर्तन – राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग, राष्ट्रीय महिला आयोग, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति, राष्ट्रीय जनजाति आयोग, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एन.सी.बी.सी.)

UNIT – IX : INTELLECTUAL PROPERTY RIGHTS AND INFORMATION TECHNOLOGY LAW

इकाई-IX : बौद्धिक सम्पदा अधिकार एवं सूचना प्रौद्योगिकी विधि

1. Concept and meaning of intellectual property
   बौद्धिक सम्पदा की अवधारणा तथा अर्थ
2. Theories of intellectual property
   बौद्धिक सम्पदा के सिद्धान्त
3. International conventions pertaining to intellectual properties
   बौद्धिक सम्पदा से सम्बन्धित अन्तर्राष्ट्रीय कन्वेंशन्स
4. Copyright and neighboring rights – Subject matters, limitations and exceptions, infringement and remedies
   प्रतिलिप्याधिकार तथा पड़ोस के अधिकार – विषय वस्तु, सीमाएँ तथा अपवाद, उल्लंघन तथा उपचार
5. Law of patent – Patentability, procedure for grant or patent, limitations and exceptions, infringement and remedies
   एकस्व (पेटेंट) की विधि – एकस्व की पात्रता, एकस्व प्रदान करने की प्रक्रिया, सीमाएँ तथा अपवाद, उल्लंघन तथा उपचार
6. Law of trademark – Registration of trademarks, kinds of trademarks, infringement and passing off remedies
   व्यापार चिह्न की विधि, व्यापार चिन्ह का पंजीकरण, व्यापार चिह्न के प्रकार, उल्लंघन तथा पासिंग ऑफ उपचार
7. Protection of Geographical Indications
   भौगोलिक उपदर्शन का संरक्षण
8. Bio-diversity and Traditional Knowledge
   जैव विविधता तथा परम्परागत ज्ञान
9. Information technology law-digital signature and electronic signature, electronic governance, electronic records and duties of subscribers
   सूचना प्रौद्योगिकी विधि – डिजिटल हस्ताक्षर तथा इलेक्ट्रानिक हस्ताक्षर, इलेक्ट्रोनिक शासन, इलैक्ट्रानिक अभिलेख, ग्राहकों के कर्त्तव्य
10. Cyber crimes, penalties and adjudication
    साईबर अपराध, शास्ति तथा न्याय निर्णयन

UNIT – X : COMPARATIVE PUBLIC LAW AND SYSTEMS OF GOVERNANCE

इकाई-X : तुलनात्मक लोक विधि एवं शासन प्रणाली

1. Comparative Law – Relevance, methodology, problems and concerns in Comparison
   तुलनात्मक विधि – प्रासंगिकता, प्रविधि, तुलना करने में आने वाली समस्याएँ और चिन्ताएँ
2. Forms of governments – Presidential and parliamentary, unitary and federal
   सरकार के रूप – अध्यक्षीय एवं संसदीय, एकात्मक तथा संघात्मक
3. Models of federalism – USA, Canada and India
   संघवाद के मॉडल – यू.एस.ए., कनाडा और भारत
4. Rule of Law – 'Formal' and 'substantive' versions
   विधि का शासन – औपचारिक तथा मौलिक संस्करण
5. Separation of powers – India, UK, USA and France
   शक्तियों का पृथक्करण – भारत, यू.के., यू.एस.ए. तथा फ्रांस
6. Independence of judiciary, judicial activism and accountability – India, UK and USA
   न्यायपालिका की स्वतंत्रता – न्यायिक सक्रियता और जवाबदेह – भारत, यू.के. व यू.एस.ए.
7. Systems of constitutional review – India, USA, Switzerland and France
   संवैधानिक समीक्षा की पद्धति – भारत, यू.एस.ए., स्विटजरलैण्ड तथा फ्रांस
8. Amendment of the Constitution – India, USA and South Africa
   संविधान का संशोधन – भारत, यू.एस.ए. तथा दक्षिणी अफ्रीका
9. *Ombudsman* – Sweden, UK and India
   ओंबुड्ज्मैन – स्वीडन, यू.के. तथा भारत
10. Open Government and Right to Information – USA, UK and India
    खुली सरकार एवं सूचना का अधिकार – यू.एस.ए., यू.के. और भारत

यू.जी.सी./एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2009
LAW (विधि)
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

नोट : इस प्रश्नपत्र में पचास (50) वस्तुनिष्ठ हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. In the appointment of the Supreme Court Judge, primary is given to opinion of :
उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश की नियुक्ति में राय को वरीयता दी जाती है।

(a) The Chief Justice of India
भारत के मुख्य न्यायाधीश की राय को

(b) Union Law Minister/संघ के विधि मंत्री की राय को

(c) Chief Justice of India and other three Senior Judges of the Supreme Court
भारत के मुख्य न्यायाधीश और उच्चतम न्यायालय के तीन वरिष्ठ न्यायाधीशों की राय को

(d) The Prime Minister/प्रधानमंत्री की राय को

Ans. (c) : सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन बनाम भारत संघ (1993 SC) के मामले में उच्चतम न्यायालय के 9 न्यायाधीशों की पीठ ने 7-2 के बहुमत से यह अभिनिर्धारित किया है कि न्यायाधीशों की नियुक्ति के मामले में उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को सर्वोच्च महत्व देना चाहिए जो वह अपने सहयोगियों से परामर्श करके राष्ट्रपति को भेजता है।

2. Article 21 of the Constitution of India incorporates the right to "Doctor's assistance". In which of the following cases this was decided?
भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 में ''डॉक्टर की सहायता'' का अधिकार सम्मिलित है। निम्नलिखित में से किस वाद में ऐसा निर्णय हुआ था?

(a) Charles Sobhraj v. Superintendent Central Jail
चार्ल्स शोभराज बनाम सुपरिन्टेन्डेण्ट ऑफ सेन्ट्रल जेल

(b) Hoskot v. State of Maharashtra
हासकोट बनाम महाराष्ट्र राज्य

(c) Sunil Batra v. Delhi Administration
सुनील बत्रा बनाम दिल्ली प्रशासन

(d) Parmanand Katara v. Union of India
परमानन्द कटारा बनाम भारत संघ

Ans. (d) : परमानन्द कटारा बनाम भारत संघ (1989SC) के ऐतिहासकि मामले में उच्चतम न्यायालय ने यह अभिनिर्धारित किया है कि अनुच्छेद 21 के अधीन सरकारी तथा प्राइवेट अस्पतालों में कार्यरत चिकित्सकों का यह कर्त्तव्य है कि वे घायल व्यक्ति का पुलिस कार्यवाही पूरी होने की प्रतीक्षा किये बिना इलाज करें।

3. In which of the following cases the doctrine of "prospective overruling was applied"?
निम्नांकित वादों में से किस वाद में 'भविष्यलक्षी विनिर्णय' का सिद्धान्त अपनाया गया है?

(a) Shankari Prasad v. Union of India
शंकरी प्रसाद बनाम भारत संघ

(b) Sajjan Singh v. State of Rajasthan
सज्जन सिंह बनाम भारत संघ

(c) I.C. Golaknath v.State of Punjab
आई.सी. गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य

(d) Keshavanande Bharati v. State of Kerala
केशवानन्द भारती बनाम केरल राज्य

Ans. (c) : आई.सी. गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य (1967 SC) के मामले में भविष्यलक्षी निर्णय के सिद्धांत को अपनाया गया। उच्चतम न्यायालय ने 6:5 के बहुमत से शंकरी प्रसाद और सज्जन सिंह के मामले में दिए गए अपने निर्णय को उलट दिया और यह अभिनिर्धारित किया कि संसद को भाग 3 में संशोधन करने की कोई शक्ति नहीं प्राप्त है, क्योंकि अनुच्छेद 13 में प्रयुक्त विधि शब्द के अंतर्गत सभी प्रकार की विधियाँ सम्मिलित है चाहे वह साधारण विधि हो या अनुच्छेद 368 के तहत संविधान संशोधन विधि।

4. Match List-I and List-II and select the correct answer using the code given below the lists.
सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिए:

सूची-I	सूची-II
A. S.R. Bommai case एस.आर. बोम्मई निर्णय	1. अनुच्छेद-21 Article-21
B. P.V. Narsimha Rao case/पी.वी. नरसिम्हाराव निर्णय	2. अनुच्छेद-356 Article-356
C. A.D.M. Jabalpur case ए.डी.एम. जबलपुर निर्णय	3. अनुच्छेद-105 Article-105
D. Lily Thomas case लिली थामस निर्णय	4. अनुच्छेद-44 Article-44

Code/कूट:

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	1	3	2	4
(c)	1	4	3	2
(d)	2	3	1	4

Ans. (d) : (A) एस.आर. बोम्बई बनाम भारत संघ (1994 S.C.) - अनुच्छेद 356
(B) पी.वी. नरसिम्हाराव बनाम राज्य (1998 S.C.)-अनुच्छेद 105
(C) ए.डी.एम. जबलपुर बनाम शिवाकान्त शुक्ला (1977 S.C.) - अनुच्छेद 21
(D) लिली थामस बनाम भारत संघ-(2000 S.C.) अनुच्छेद 44

5. Part IV-A was added to the Constitution of India by the:
भारत के संविधान में भाग IV-A को जोड़ा गया है।

(a) Twenty-Fifth Amendment Act
पचीसवाँ संशोधन अधिनियम द्वारा

(b) Forty-Second Amendment Act
बयालीसवाँ संशोधन अधिनियम द्वारा

(c) Forty-Fourth Amendment Act
चवालिसवाँ संशोधन अधिनियम द्वारा

(d) Fifty-Second Amendment Act
बावन्वाँ संशोधन अधिनियम द्वारा

Ans. (b) : मूल कर्तव्य संविधान के भाग IV-A में स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर 42वें संविधान संशोधन अधिनियम 1976 द्वारा जोड़ा गया जिसे सोवियत संघ (रूस) से लिया गया है। वर्तमान में 11 मूल कर्त्तव्य है। 11वाँ मूल कर्त्तव्य 86वें संविधान संशोधन अधिनियम 2002 द्वारा जोड़ा गया।

6. Advertisment is a "Commercial Speech" was laid down in:
विज्ञापन एक 'वाणिज्यिक वाक' है यह निर्णीत हुआ था।

(a) Humdard Dawakhana v. Union of India
हमदर्द दवाखाना बनाम भारत संघ में

(b) Express Newspapers (P) Ltd.v. Union of India/एक्सप्रेस न्यूज पेपर्स (प्र.) लि. बनाम भारत संघ में

(c) Bennet Coleman and Co.v. Union of India
बेनेट कोलमैन एण्ड कं. बनाम भारत संघ में

(d) Tata Press Ltd. v. Mahanagar Telephon Niagam Ltd./टाटा प्रेस लि. बनाम महानगर टेलीफोन निगम लि. में

Ans. (a) : हमदर्द दवाखाना बनाम भारत संघ (1960 SC) के मामले में उच्चतम न्यायालय ने कहा कि यद्यपि विज्ञापन अभिव्यक्ति का एक माध्यम है फिर भी प्रत्येक विज्ञापन वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता से सम्बन्धित नहीं होता सरकार उन पर यथोचित (युक्तियुक्त) कर व प्रतिबन्ध लगा सकती है।

7. The question of disqualificiation of the speaker of Lok Sabha on the ground of defection is determined by:
लोक सभा के अध्यक्ष के दल-बदल के आधार पर अनर्हता के प्रश्न का निर्धारण किया जाता है।

(a) The Diputy Speaker/उपाध्यक्ष के द्वारा

(b) The chairman of Rajya Sabha
राज्य सभा के सभापति द्वारा

(c) A member elected by Lok Sabha
लोकसभा द्वारा निर्वाचित सदस्य के द्वारा

(d) The president of India/भारत के राष्ट्रपति के द्वारा

Ans. (c) : भारतीय संविधान के 10वीं अनुसूची के पैरा 6 में उपबंध किया गया है कि जहां यह प्रश्न उठता है कि सदन का सभापति या अध्यक्ष निरर्हता से ग्रस्त हो गया है या नहीं वहां वह प्रश्न सदन के ऐसे सदस्य के विनिश्चय के लिए निर्देशित किया जाएगा जिसे वह सदन इस निमित्त निर्वाचित करे और उसका विनिश्चय अंतिम होगा।

8. Assrtion (A): Article 21 expressly incorporates the concept of due process of Law.
Reason (R): Due process of law is an attribute of liberty.
कथन (A): अनुच्छेद 21 विधि की सम्यक प्रक्रिया की अवधारणा को अभिव्यक्त समाहित करता है।
कथन (R): विधि की सम्यक प्रक्रिया स्वतंत्रता का लक्षण है।

(a) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है

(b) Both (A) and (R) are true, but (R) is not correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही है परन्तु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है

(c) (A) is correct, but (R) is false
(A) सही है परन्तु (R) गलत है

(d) (A) is false, but (R) is correct.
(A) गलत है। (R) सही है।

Ans. (b) : अनुच्छेद 21 यह उपबंधित करता है कि किसी व्यक्ति को उसके प्राण या दैहिक स्वाधीनता से विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अनुसार ही वंचित किया जायेगा अन्यथा नहीं।
अनुच्छेद 21 में प्रयुक्त 'विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया' पदावली को उसी अर्थ में प्रयुक्त किया गया है जिस अर्थ में अमेरिकन संविधान में 'विधि की सम्यक् प्रक्रिया' शब्दावली का प्रयोग किया गया है। विधि की सम्यक् प्रक्रिया में नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत भी आते हैं।

9. Who propounded jurisprudence as 'Science of positive Law'? /निश्चयात्मक विधि के रूप में विधिशास्त्र का प्रतिपादन किसने किया?

(a) John Austin/जॉन ऑस्टिन

(b) Ihering/इहेरिंग

(c) Hans Kelsen/हैंस केल्सेन

(d) J.S.Mill/जे.एस. मिल

Ans. (a) : जॉन ऑस्टिन (1790 - 1859) को विश्लेषणात्मक विचारधारा का जनक माना जाता है। आस्टिन बेंथम के शिष्य थे उन्होंने विधि को सम्प्रभु का समादेश तथा निश्चायक विधि के रूप में प्रतिपादित किया।

10. To which of the following concepts, the Hart-Fuller controversy relates to:
हार्ट-फुलर विवाद का सम्बंध निम्नलिखित अवधारणाओं में से किससे है?

(a) Reasonableness/युक्तियुक्तता

(b) Obligations/बाध्यताएँ

(c) Activism/कर्मण्यता वाद

(d) Morality/नैतिकता

Ans. (d) : हार्ट-फुलर विवाद विधि तथा नैतिकता के सम्बन्ध से सम्बन्धित है।
हार्ट प्रत्यक्षवादी है तथा इनका मानना है कि कानून और नैतिकता दोनों अलग-अलग है। फुलर प्रकृतिक विधि के समर्थक है तथा यह तर्क दिया कि कानून समाज की नैतिकता पर निर्भर है।

11. To which of the following the 'Fiction theory' is associated with?
फिक्शन थ्योरी (Fiction Theory) का संबंध निम्नलिखित में से किससे है?

(a) Abnormal Persons/असामान्य व्यक्तियों से

(b) Supernatural Persons/अलौकिक व्यक्तियों से

(c) Corporate personality/निगमित व्यक्तित्व से

(d) Dead persons./मृत व्यक्तियों से

Ans. (c) : फिक्शन थ्योरी का संबंध निगमित व्यक्तित्व से है। विधि के अनुसार एक निगम एक कृत्रिम व्यक्ति है। इसमें अधिकारों को आनंद लेने, अपने कर्तव्यों को पुरा करने और संपत्ति को धारण करने की क्षमता है। इसलिए कार्पोरेट व्यक्तित्व की अवधारणा कानून की एक विलक्षण रचना है।

12. Who of the following Jurists said that 'Law is a command of the sovereign?
विधि सम्प्रभु का एक समादेश है 'लॉ इज कमांड ऑफ दि सोवरेन' - यह किस विधिवेत्ता ने कहा था?

(a) Jermy Bentham/जर्मी बेंथम
(b) John Austin/जॉन ऑस्टीन
(c) Hans Kelsen/हैंस केल्सेन
(d) Roscoe Pound/रॉस्को पाउण्ड

Ans. (b) : जान आस्टिन को इंग्लिश विधिशास्त्र का जनक माना जाता है। ऑस्टिन ने विधि को संम्प्रभु का समादेश कहा है। अर्थात् यह एक राजनीतिक वरिष्ठ का अपने राजनीतिक अधीनस्थों के लिए आदेश है जिसे हम आमतौर पर संप्रभु का आदेश कहते हैं।

13. Match the following:
निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए

List-I/सूची-I	List-II/सूची-II
A. A juristic person is of two kinds, Universities bonorum and universitas personorum /विधिक व्यक्ति दो प्रकार का होता है। यूनिवर्सिटेट्स बोनोरम तथा यूनिवर्टेट्स पर्सोनोरम	**1. Custom/रूढ़ि**
B. The ground of right is hobby not will अधिकार का आधार अभिरुचि है, इच्छा नहीं	**2. Holland/हॉलैंड**
C. Obligatory force बाध्यकारी बल	**3. Prof. Tay प्रोफेसर रे**
D. Possession is the present control of a thing on one's own behalf and to exclusion of all others कब्जा का अर्थ है, किसी वस्तु पर स्वयं अपना वर्तमान नियंत्रण तथा अन्य किसी का वर्तमान नियंत्रण नहीं	**4. Hiering/इहेरिंग**

Codes/कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	1	3	2	4
(c)	1	4	3	2
(d)	2	3	1	4

Ans. (c) : (A) सूची -I का सूची-II के साथ सही मिलान निम्न है-
विधिक व्यक्ति दो प्रकार का होता है। युनिवर्सिटेट्स बोनोरम तथा यूनिवर्टेट्स पर्सोनोरम - रुढ़ि
(B) अधिकार का आधार अभिरुचि है इच्छा नहीं - इहेरिंग
(C) बाध्यकारी बल - प्रोफेसर रे
(D) कब्जा का अर्थ है किसी वस्तु पर स्वयं अपना वर्तमान नियन्त्रण तथा अन्य किसी का वर्तमान नियन्त्रण नहीं - हालैण्ड

14. 'X's so called right to wear the hat consists of the liberty to wear the hat and another liberty according to Hohfeld's analysis is:
'X' के हैट पहनने के तथाकथित अधिकार में हैट को पहनने की स्वतंत्रता, तथा हॉफेल्ड में विश्लेषण के अनुसार निम्नलिखित में से एक अन्य स्वतन्त्रता सम्मिलित है:

(a) Not to wear the hat/हैट को नहीं पहनने की स्वतंत्रता
(b) To insist Y to wear that hat/
Y को हैट पहनने के लिए हठ करने की स्वतंत्रता
(c) To wear or not to wear the hat
हैट को पहनने या न पहनने की स्वतंत्रता
(d) To remove the hat./हैट को उतारने की स्वतंत्रता

Ans. (a) : उपरोक्त समस्या में (X) को हैट नहीं पहनने की स्वतन्त्रता है। हॉफेल्ड महोदय के विधिक अधिकार सम्बन्धी विचार अधिकार, स्वतन्त्रता शक्ति तथा उन्मुक्ति की सहवर्ती है। जैसे अधिकार का सहवर्ती कर्तव्य है अधिकार का विपरीत अधिकार शून्यता होता है उसी प्रकार कोई व्यक्ति अपने हैट को पहनने या न पहनने का अधिकार रखता है।

15. Stimson doctrine is associated with:
स्टिसन सिद्धान्त का संबंध किससे है

(a) De facto Recognition/वस्तुतः मान्यता
(b) De jure Recognition/विधितः मान्यता
(c) Both A and B/ (a) तथा (b) दोनों
(d) Doctrine of Non Recognition/अमान्यता का सिद्धान्त

Ans. (d) : स्टिसन सिद्धान्त का तात्पर्य है यदि कोई राज्य किसी अन्तर्राष्ट्रीय संधि का उल्लंघन करके किसी राज्य को मान्यता प्रदान करता है तो ऐसी मान्यता वैध नहीं होगी। अतः इसे अमान्यता का सिद्धान्त कहते हैं जिसे अमेरिकी गृहमन्त्री स्टिसन ने प्रतिपादित किया था।

16. Which one of the following statements is correct:
निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है।

(a) The U.N. Charter makes for compulsory membership/संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में अनिवार्य सदस्यता का प्रावधान है
(b) The U.N. Charter grants to all States a right to membership/संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में सभी राष्ट्रों को सदस्यता के अधिकार का प्रावधान है
(c) The U.N. Membership is conditional and limited/ संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता सशर्त तथा सीमित है
(d) The U.N. Charter does not make any distinction between the original and subsequent members./संयुक्त राष्ट्र का चार्टर मूल सदस्यों तथा अनुवर्ती सदस्यों के बीच फर्क नहीं करता

Ans. (d) : संयुक्त राष्ट्र 1945 में स्थापित एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है। संयुक्त राष्ट्र में दो तरह के सदस्य हैं-
(1) मूल सदस्य (अनुच्छेद 3) - मूल सदस्य ऐसे राज्य है जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर 26 जून, 1945 को हस्ताक्षर किया। इनकी सदस्य संख्या 51 है।
(2) अनुवर्ती सदस्य (अनुच्छेद 4) - अनुवर्ती सदस्य ऐसे राज्य है जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर 26 जून 1945 के पश्चात हस्ताक्षर किया है।
संयुक्त राष्ट्र चार्टर मूल सदस्य तथा अनुवर्ती सदस्यों के बीच कोई भेदभाव नहीं करता है।

17. The international Committee of Red Cross was fonded by:/रेड क्रास की अंतर्राष्ट्रीय समिति की स्थापना किसके द्वारा की गई?

(a) Henry Dunant/हेनरी ड्यूनण्ट
(b) Gustave moyner/गुस्टेव मायनर
(c) Hugo Grotius/ह्यूगो ग्रोशियम
(d) Hars peter Gasser./हैंस पीटर गैसर

Ans. (a) : रेड क्रॉस एक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है जिसका मिशन मानवीय जिन्दगी व सेहत को बचाना है। इसकी स्थापना 1986 ई. में हेनरी ड्यूनण्ट ने जेनेवा में किया था। जिसका मुख्यालय जेनेवा (स्वीटजरलैण्ड) में है। इसे तीन बार शान्ति का नोबेल (1917, 1944, 1963) पुरस्कार मिला है।

18. The Domestic Jurisdiction Clause is found in Article------of the U.N. Charter.
संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद ..... में देशीय अधिकारिता का खण्ड दिया गया है।

(a) Article 2(3)/अनुच्छेद 2(3)
(b) Article 2(7)/अनुच्छेद 2(7)
(c) Article 2(4)/अनुच्छेद 2(4)
(d) Article 2(6)/अनुच्छेद 2(6)

Ans. (b) : संयुक्त राष्ट्र चार्टर का अनुच्छेद 2(7) घरेलू अधिकारिता से संबंधित है। अनुच्छेद 2 (7) में उपबंध किया गया है कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर उन मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगा जो अनिवार्य रूप से किसी भी राज्य के घरेलू अधिकार क्षेत्र के भीतर है।

19. The Monistic Theory is associated by:
एकात्मवाद की वकालत किसने की है।

(a) Oppenheim/ओपेनहीम (b) Brownlie/ब्राउनली
(c) Kelsen/केल्सन (d) Brierly/ब्रियरली

Ans. (c) : एकात्मवाद सिद्धांत की वकालत केल्सन ने की है। एकात्मक सिद्धांत के अनुसार राष्ट्रीय विधि तथा अंतरराष्ट्रीय विधि दोनों ही मानव समुदाय की आवश्यकताओं को पूरा करने वाली एक सार्वभौमिक विधिक प्रणाली के भाग हैं।

20. Match the following:
निम्नलिखित का मिलान कीजिए

A. Hoya De La Torre/होया डेला टोरे	**1. Article 38, I.C.J./आई.सी.जे. का अनुच्छेद 38**
B. Haile Selassie/हेली सेलासी	**2. Asylum/शरण-स्थान**
C. War to End All wars/सभी युद्धों को समाप्त करने के लिए युद्ध	**3. Recognition/मान्यता**
D. Opinion of qualified publicists/सुयोग्य अन्तर्राष्ट्रीय विधिवेत्ताओं की राय	**4. League of Nations/लीग ऑफ नेशन्स**

Codes/कूट :

	A	B	C	D
(a)	2	3	4	1
(b)	3	4	2	1
(c)	4	3	1	2
(d)	4	3	2	1

Ans. (a) : सही मिलान निम्न हैं-
(A) होया डेला टोरे - आश्रय से सम्बन्धित
(B) हेली सेलासी - राज्य मान्यता से सम्बन्धित
(C) सभी युद्धों को समाप्त करने के लिए युद्ध - लीग ऑफ नेशन्स
(D) अन्तर्राष्ट्रीय विधिवेत्ताओं की राय - अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय की सविधि का अनुच्छेद 38

21. Match List-I with List-II and indicate the correct answer using the codes given below:
प्रथम सूची का दूसरी सूची से मिलान कीजिए और नीचे दिये गये कूट का इस्तेमाल करते हुए उचित उत्तर दीजिए।

List-I/सूची-I	**List-II/सूची-II**
A. Nighawan v. Nighawan/निगवन बनाम निगवन	**1. Dessertion/अभित्यजन**
B. Ashok Hurra v. Rupa Hurra अशोक हुर्रा बनाम रूपा हुर्रा	**2. Cruelty/क्रूरता**
C. Dastane v. Dastane/ दास्ताने बनाम दास्ताने	**3. Restitution of Conjugal Rights दाम्पत्य अधिकारों का पुनर्स्थापन**
D. T.Sareetha v. State of A.P./टी. सरीथा बनाम आंध्र प्रदेश राज्य	**4. Divorce by Mutual consent/आपसी सहमति से विवाह विच्छेद**

Codes/कूट :

	A	B	C	D
(a)	2	4	1	3
(b)	1	2	3	4
(c)	1	3	2	4
(d)	2	3	4	1

Ans. (a) : सूची-I का सूची-II के साथ मिलान निम्न है-
(A) निगवन बनाम निगवन (1955 SC) - क्रूरता
(B) अशोक हुर्रा बनाम रूपा हुर्रा (1997 S.C.) - आपसी सहमति से विवाह विच्छेद
(C) दास्ताने तथा दास्ताने - अभित्यजन
(D) टी. सरीथा बनाम आन्ध प्रदेश राज्य (1983 A.P.) - दामपत्य अधिकारों का पुनर्स्थापन

22. Hindu daughter become a Coparcenary by:
हिन्दु पुत्री को सहदायिकी बनाया गया। द्वारा:

(a) Hindu Marrige (Amendment) Act, 1976 हिन्दू विवाह (संशोधन) अधिनियम, 1976
(b) Hindu Succession And (Amendment) Act, 2005/हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2005
(c) Hindu Adoption and Maintenance Act 1956/हिन्दू दत्तक एवं भरण-पोषण अधिनियम, 1956
(d) None of the above/इनमें से कोई नहीं

Ans. (b) : हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम 2005 की धारा 3 द्वारा हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 की धारा 6 को प्रतिस्थापित करके मिताक्षरा विधि द्वारा शासित संयुक्त हिन्दू परिवार में पुत्री को सहदायिकी बनाया गया।

23. In which of the following case, the Supreme Court had made that all marriages should be made compulsory registration:
निम्नलिखित किस वाद में उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि समस्त विवाहों को अनिवार्यतः पंजीकृत होना चाहिए।

(a) Ashok Hurra v. Rupa Hurra
अशोक हुर्रा बनाम रूपा हुर्रा

(b) John Valla Mattom v. Union of India
जान बल्लमतम बनाम भारत संघ

(c) Seema v. Ashwani Kumar/सीमा बनाम अश्वनी कुमार

(d) Shamim Ara v. State of U.P.
शमीम आरा बनाम उत्तर प्रदेश राज्य

Ans. (c) : सीमा बनाम अश्वनी कुमार (2006 SC) के वाद में न्यायालय ने कहा है कि सभी धर्मों के नागरिकों को अपना विवाह उस राज्य में पंजीकृत कराना होगा जहां विवाह संपन्न हुआ हो।

24. In muslim Law " Hizanat" Relate to:
मुस्लिम विधि में 'हिजानत' किस से सम्बन्धित है।

(a) Mother's custody of child
बच्चा माँ की अभिरक्षा में

(b) Brother's custody of child
बच्चा भाई की अभिरक्षा में

(c) Father's custody of child
बच्चा पिता की अभिरक्षा में

(d) Sister's custody of child
बच्चा बहन की अभिरक्षा में

Ans. (a) : अवयस्क लड़के ओर अवयस्क लड़कियों के शरीर की संरक्षकता का अधिकार हिजानत कहलाता है। मुस्लिम विधि में हिजानत का संबंध एक माँ का अपने बच्चे की अभिरक्षा से संबंधित है।
हनफी विधि के अन्तर्गत माँ तब तक हिजानत (अभिरक्षा) की हकदार होती है जब तक पुत्र 7 वर्ष का नहीं हो जाता या पुत्री यौवनावस्था की आयु प्राप्त नहीं कर लेती है।

25. Match List-I and List-II with the help of code given below:
सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिए:

List-I/सूची-I	List-II/सूची-II
A. Danial Latifi v. Union of India/ डेनियल लतीफी बनाम भारत संघ	1. Triple talaq तीन तलाक
B. Shamim Ara v. State of U.P. शमीम आरा बनाम उत्तर प्रदेश राज्य	2. Maintenance of Muslim divorced woman/मुस्लिम तलाक शुदा औरत का भरण-पोषण
C. Mukker Rathod v. State of Kerala मुक्कर राथोर बनाम केरल राज्य	3. Dower/मेहर
D. Husain Ara v. Zubaida Begum हुसेन आरा बनाम जुवेदा बेगम	4. Oral gift/मौखिक दान

Codes/कूट:

	A	B	C	D
(a)	2	1	4	3
(b)	1	2	3	4
(c)	2	3	4	1
(d)	2	4	3	1

Ans. (a) : सूची-I का सूची-II के साथ मिलान निम्न है-
(A) डेनियल लतीफी बनाम भारत संघ (2001) - मुस्लिम तलाकशुदा औरत का भरण पोषण
(B) शमीम आरा बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2002 सुप्रीम कोर्ट) - तीन तलाक
(C) मुक्कर राथोर बनाम केरल राज्य - मौखिक दान
(D) हुसैन आरा बनाम जुवेदा बेगम - मेहर

26. A muslim marriages with a non Kitabya the marriage is: /मुस्लिम स्त्री जो कि नौन-किताबिया से विवाह करती है। यह विवाह

(a) Sahih/विधिमान्य है

(b) Batil/शून्य है

(c) Fasid/शून्य करणीय है

(d) None of the above/इनमें से कोई नहीं

Ans. (c) : सुन्नी विधि के अन्तर्गत एक सुन्नी पुरुष को किसी मुस्लिम (किसी भी सम्प्रदाय की क्यों न हो) लड़की तथा किसी किताबिया लड़की से विवाह करने का पूर्ण अधिकार है। लेकिन यदि किसी सुन्नी पुरुष ने एक ऐसी लड़की से विवाह किया है जो न तो मुस्लिम है और न ही किताबिया तो वह विवाह अनियमित या फासिद माना जायेगा। अर्थात् किसी सुन्नी पुरुष द्वारा गैर-मुस्लिम और गैर-किताबिया लड़की से विवाह न तो शून्य है और न ही पूर्णतया विधिमान्य है।

27. Which of the following statement is correct?
निम्नलिखित में से कौन सा वक्तव्य सही है?

(a) An agreement made without consideration is voidable/बिना प्रतिफल के किया गया करार शून्यकरणीय है

(b) An agreement made without consideration is void/बिना प्रतिफल के किया गया करार शून्य है

(c) A contract made without consideration is valid/बिना प्रतिफल के कि गई संविदा विधिमान्य है

(d) A contract made without consideration is void/बिना प्रतिफल के कि गई संविदा शून्य है

Ans. (b) : भारतीय संविदा अधिनियम 1872 की धारा 25 में बताया गया है कि बिना प्रतिफल किया गया करार शून्य होता है प्रतिफल की परिभाषा धारा 2(d) मे दिया है। धारा 25 के तीन स्पष्टीकरण इस सामान्य नियम का अपवाद प्रस्तुत करते हैं अर्थात् जहाँ प्रतिफल के बिना करार वैध है जो संविदा होता है।

28. Find correct explanation form following Assertion and Reason form code:
Assertion (A) : Agreement by way of wager are void.
Reason (R) : Performance of the bargain must depend upon the determination of an uncertain event, in case of wager.
कूट की सहायता से निम्नलिखित अभिकथन तथा तर्क की सही व्याख्या चुनिए
अभिकथन (A): पद्यम करार शून्य होता है।

तर्क (R): पद्यम के मामले में, सौदेबाजी का पालन एक अनिश्चित घटना के अवधारण पर आधारित होना चाहिए।

कूट:

(a) Assertion and Reason are right
अभिकथन तथा तर्क सही है

(b) Assertion and Reason are wrong
अभिकथन तथा तर्क गलत है

(c) Assertion is right, Reason is wrong
अभिकथन सही है, तर्क गलत है

(d) Assertion is wrong, Reason is right
अभिकथन गलत है, तर्क सही है

Ans. (a) : भारतीय संविदा अधिनियम 1872 की धारा 30 में पद्यम करार को शून्य बताया गया है। पद्यम करार वे करार होते हैं जिसमें सौदेबाजी का पालन एक अनिश्चित घटना के अवधारण पर आधारित होना चाहिए। जिसे न्यायाधीश हाकिन्स ने कार्लिल बनाम कारबोलिक स्मोक बाल कम्पनी में परिभाषित किया।

29. In Khemchand v. Bertan, (1888) 13 Bom 150, in context, of public policy relating to a contract, it was decided that:
संविदा से सम्बन्धित जन-नीति के संदर्भ में, खेमचन्द बनाम बेरन, (1888) 13 Bom. 150 के मामले में दिया गया निर्णय

(a) Help given or promised to a dancing girl is tainted with immorality/किसी नृत्य बाला को की गई सहायता या सहायता करने का वादा अनैतिकता से दूषित होता है

(b) Help given or promised to a dancing girl is not tainted with immorality /किसी नृत्य बाला को की गई सहायता या सहायता करने का वादा अनैतिकता से दूषित नहीं होता है

(c) Help given or promised to a dancing girl does not constitute valid consideration for a contract/किसी नृत्य बाला को की गई सहायता या सहायता करने का वादा किसी संविदा के लिए विधि मान्य करार नहीं होता

(d) Help given or promisd to a dancing girl is an offer for a contract:/किसी नृत्य बाला को की गई सहायता या सहायता करने का वादा संविदा का प्रस्ताव है

Ans. (b) : खेमचन्द बनाम बेरन (1888) के वाद में यह अभिनिर्धारित किया गया कि किसी नृत्य बाला को की गई सहायता या सहायता करने का वादा अनैतिकता से दूषित नहीं होता है, क्योंकि जरूरी नहीं है कि नृत्य बाला वेश्यावृत्ति करती हो।

30. In estimating the loss or damage arising from a breach of contract:
संविदा भंग के कारण उत्पन्न हानि या नुकसान का प्राक्कलन करते समय।

(a) The means which existed of remedying the inconvenience caused by nonperformance of the contract must be taken into account/संविदा का पालन नहीं किए जाने के कारण उत्पन्न असुविधा का उपचार करने के लिए जो साधन उस समय विद्यमान था उस पर अवश्य विचार करना चाहिए

(b) The means which existed of remedying the convenience caused by performance of the contract must be taken into account /संविदा का पालन किए जाने के कारण उत्पन्न असुविधा का उपचार करने के लिए जो साधन उस समय विद्यमान था उस पर अवश्य विचार करना चाहिए

(c) The means which existed of remedying the inconvenience caused by nonperformance of the contract must not be taken into account /संविदा का पालन नहीं किए जाने के कारण उत्पन्न असुविधा का उपचार करने के लिए जो साधन उस समय विद्यमान था उस पर विचार नहीं करना चाहिए

(d) The means which did not exist of remedying the inconvenience causd by non-performance of the contract must be taken into account
संविदा का पालन नहीं किए जाने के कारण उत्पन्न असुविधा के उपचार हेतु जो साधन उस समय विद्यमान नहीं था उस पर अवश्य विचार करना चाहिए

Ans. (a) : संविदा भंग के परिणाम के विषय में भारतीय संविदा अधिनियम की धारा 73 यह प्रावधान करती है कि प्रतिकर या हानि उसी मात्रा में प्रदान की जायेगी जिससे साधारण नुकसानी हुई है न कि विशेष नुकसानी संविदा भंग की परिस्थितियों को ध्यान में रखा जायेगा (हैडले बनाम बैक्सेनडेल का मामला)।

31. The issue in paradine v. Jane, 82 ER 897, was
पैराडाइन बनाम जेन, 82 ER 897 के मामले में मुद्दा था

(a) Mistake/भूल

(b) Fraud/कपट कार्य

(c) Frustration/कुंठा

(d) Undue influence/अनूचित प्रभाव

Ans. (c) : पैराडाइन बनाम जेन का मामला कुंठा या असम्भवता (Frustration) से सम्बन्धित है अंग्रेजी विधि में पहले नियम यह था कि संविदा के निर्माण के बाद घटित होने वाली घटनाओं के आधार पर संविदा का पक्षकार संविदा के पालन से मुक्ति नहीं पा सकता। **टेलर बनाम कल्डवेल** के वाद में इसमें संविदा के बाद की भी घटना को शामिल किया गया।

32. A minor is allowed to enforce a contract:
किसी नाबालिग को ऐसी संविदा को लागू करने की अनुमति दी जाती है?

(a) Which of some benefit to him and under which he is required to bear no obligation/जो उसके लिए कुछ लाभकारी हो तथा जिसके अन्तर्गत किसी बाध्यता का वहन करना उससे अपेक्षित नहीं हो

(b) Which is beneficial to him without any expence/जो बिना कुछ खर्च किए उसके लिए कुछ लाभकारी हो

(c) Which is of some importance to him and under which he stands to gain some material gain/जो उसके लिए कुछ महत्त्व का हो तथा जिसके अंतर्गत उसे कुछ तात्विक अभिलाभ प्राप्त होता हो

(d) Which is of no benefit to him and under which he is required to bear obligation/जो उसके लिए लाभकारी नहीं हो तथा जिसके अन्तर्गत किसी बाध्यता का वहन करना उससे अपेक्षित हो

Ans. (b) : मोहरी बीबी बनाम धर्मोदास घोष (1930 पी.सी.) के मामले में निर्णय दिया कि अवयस्क संविदा करने में सक्षम नहीं अतः अवयस्क के साथ संविदा प्रारम्भतः शून्य है परन्तु यदि संविदा अवयस्क के लाभ के लिए किया गया है तो वह उसका प्रवर्तन करा सकता है। (राधवाचरियर बनाम श्रीनिवास 1916 मद्रास हाईकोर्ट का मामला)

33. The reason for the lack of tort litigation in India is due to:
भारत में अपकृत्य के मुकदमों की कमी का कारण है।

(a) Lack of consciousness about one's rights and the spirit of toleration/सहनशक्ति का मान एवं स्वयं के अधिकारों के प्रति जागरूकता की कमी
(b) The fact that court of litigation is beyond the means of an average persons/यह तथ्य की न्यायालय आम आदमी की पहुँच से बाहर है
(c) Undue delay in the final disposal of the cases मुकदमों के अन्तिम निस्तारण में होने वाली अनावश्यक देरी
(d) All of the above./उपरोक्त सभी

Ans. (d) : भारत में अभी अपकृत्य विधि का अधिक विकास नहीं हुआ है इसका कारण बहुत लोगों को अपने अधिकारों के विषय में बहुत कम जानकारी। यहाँ कर्तव्य को अधिक महत्व दिया जाता है, न्यायिक प्रणाली में विलम्ब, मँहगी न्याय व्यवस्थ, क्षमा करने की प्रवृत्ति आदि भारत में अपकृत्य विधि के अल्प विकास के मुख्य कारण है।

34. Who observed that the penal law of primitive communities was not the law of crime but the law of wrongs or torts?
किसने कहा कि ''पुरातन समुदाय की दाण्डिक विधि अपराधिक विधि नहीं थी वह तो अपकृत्य अथवा दोषों की विधि थी''?

(a) Austin/ऑस्टीन
(b) Black Stone/ब्लेक स्टोन
(c) Henery Maine/हेनरी मैन
(d) Rascoe Pound./रोस्को पाउंड

Ans. (c) : हेनरी मेन के अनुसार, ''प्राचीन समाजों में दण्ड विधि अपराध विधि नहीं है बल्कि यह दोष विधि या अपकृत्य विधि थी''।

35. 'Ubi Jus ibi remedium' means:
जहाँ अधिकार है, वहाँ उपचार भी है का अर्थ है:

(a) Every law provides for remedies
हर विधि उपचार का उपबन्ध करती है
(b) There is not remedy without a wrong
जहाँ दोष नहीं है, वहाँ उपचार भी नहीं है
(c) There is no wrong without a remedy
जहाँ उपचार नहीं है, वहाँ दोष भी नहीं है
(d) There is always a remedy for every wrong
जहाँ दोष के लिए हमेशा ही उपचार है

Ans. (c) : जहाँ अधिकार है, वहां उपचार भी है का अर्थ है जहाँ उपचार नहीं है, वह दोष भी नहीं है। वर्ष 1702 ई. में ऐशवी बनाम ह्वाइट के वाद में सर्वप्रथम इस सिद्धांत को मान्यता प्रदान की गई कि ''जहाँ अधिकार है, वह उपचार है''।

36. Match List-I with List-II and select the correct answer using the codes given below:
प्रथम सूची एवं द्वितीय सूची का मिलान करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए। इसके लिये सूचियों के नीचे दिये गये संकेतों का उपयोग करें।

List-I/सूची-I (सिद्धान्त)	List-II/सूची-II (सम्बन्धित वाद)
A. Damnum sine injuria/बिना क्षति के हानि	1. Ashby v. white/ऐशबी बनाम व्हाईट
B. Absolute liability /पूर्ण दायित्व	2. Stanely v. Powel/ स्टान्ले बनाम पोवेल
C. Injuria sine damnum/बिना हानि के क्षति	3. Ryland v. Fletcher/रायलेंड बनाम फ्लेचर
D. Inevitable accicent अपरिहार्थ दुर्घटना	4. Glaucester Grammer/ग्लोसेस्टर ग्रामर का वाद

Codes/कूट:

	A	B	C	D
(a)	3	1	2	4
(b)	4	3	1	2
(c)	2	4	1	3
(d)	4	2	3	1

Ans. (b) : सूची-I का सूची-II के साथ मिलान निम्न है-
(A) बिना क्षति के हानि - ग्लोसेस्टर ग्रामर स्कूल (1410)
(B) पूर्ण दायित्व-रायलेंड बनाम फ्लेचर (1868)
(C) बिना हानि के क्षति - ऐशबी बनाम व्हाईट (1703)
(D) अपरिहार्य दुर्घटना - स्टान्ले बनाम पावेल (1891)

37. The word 'Tort' has been derived and has its origin in:
अपकृत्य शब्द लिया गया है तथा इसका उद्गम है।

(a) Freanc Language/फ्रेन्च भाषा में
(b) Latin Language/लैटिन भाषा में
(c) Romon Language/रोमन भाषा में
(d) None of these/उपरोक्त में से कोई भी नहीं

Ans. (b) : टार्ट (Tort) शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के टार्टम (Tortum) शब्द से हुई है। यह शब्द आंग्ल भाषा में Wrong (दोष) शब्द का समानार्थी है। जिसे हम तोड़ना-मरोड़ना कह सकते हैं।

38. The propounder of Pigeon-hole theory is
कबूतर खाना सिद्धान्त के प्रतिपादक हैं।

(a) Salmond/सॉमण्ड
(b) Winfield/विनफिल्ड
(c) Clerk and Lindsell/कर्ल्क एवं लिंडसेल
(d) Austin/ऑस्टिन

Ans. (a) : कबूतर खाना सिद्धांत का प्रतिपादक सामण्ड को माना जाता है। सामण्ड की यह धारणा है कि अपकृत्य विधि जैसी कोई विधि नहीं है वरन् यह अपकृत्यों की विधि है। विधि की इस शाखा के अंतर्गत दायित्व तभी उत्पन्न होता है जब अपकार किसी भी एक या अन्य नामित अपकृत्यों के अंतर्गत आता हो।

39. Section 511 of India Penal Code does not apply in case of:/भारतीय दण्ड संहिता की धारा 511 किस मामले में लागू नहीं होती:

(a) Attempt of riot/बलवा का प्रयत्न
(b) Attempt of murder/हत्या का प्रयत्न
(c) Attempt of theft/चोरी का प्रयत्न
(d) Attempt of affray/दंगा का प्रयत्न

Ans. (b) : भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 511 ऐसे अपराधों के प्रत्यन को दण्डनीय बनाता है जो इस संहिता में पहले से ही प्रयत्न के रूप में दण्डनीय न हो।

40. For the application of section 149 of I.P.C:
भारतीय दण्ड संहिता की धारा 149 को लागू करने के लिये

(a) Active participation of each of person is necessary/हर व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है
(b) A person should be member of unlawful assembly/व्यक्ति को विधि विरुद्ध-जमाव का सदस्य होना चाहिए
(c) Both (a) and (b) are correct
उपरोक्त दोनों (a) एवं (b) सही है
(d) None of these/उपरोक्त में से कोई भी नहीं

Ans. (b) : भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 149 (सामान्य उद्देश्य) को साबित करने के लिए-
(1) विधि विरुद्ध जमाव के किसी सदस्य द्वारा कोई अपराध किया जाना चाहिए।
(2) ऐसा अपराध जमाव के सामान्य उद्देश्य को अग्रसर करने में किया जाना।
(3) जमाव के हर सदस्य को अपराध करने के सभाव्य ज्ञान का होना आवश्यक है। अपराध में प्रत्येक सदस्य की सक्रिय भागीदारी आवश्यक नहीं है।

41. If a person who is a citizen of India commits any offence out of India
भारत में एक नागरिक ने जिसने भारत के बाहर अपराध किया है को

(a) Cannot be prosecuted in India, as the act was not committed in India/भारत में अभियोजित नहीं किया जा सकता क्योंकि अपराध भारत में घटित नहीं हुआ है
(b) Can be prosecuted in the country, where the offence was committed/उस देश में अभियोजित किया जा सकता है, जहाँ उसने अपराध किया है
(c) Can be prosecuted in India in any place in which he may be found /भारत में अभियोजित किया जा सकता है, जहाँ कही भी यह व्यक्ति मिले
(d) Cannot be prosecuted neither in India nor in the country, where the crime was committed./अभियोजन न तो भारत में किया जा सकता है, और न ही उस देश में जहाँ अपराध घटित हुआ है।

Ans. (c) : भारतीय दण्ड संहित 1860 की धारा 3 भारत से परे किये गये किन्तु उसके भीतर विधि के अनुसार विचारणीय अपराध को दण्डनीय बनाया गया है। इसे राज्यक्षेत्रातीत अधिकारिता कहते हैं। दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 188 के अनुसार भारत के जिस स्थान पर वह पाया जायेगा वहाँ कार्यवाही की जायेगी।

42. Which one of the following is not a public servant?
निम्नलिखित में से कौन लोक सेवक नहीं है?

(a) Liquidator/समापक
(b) A civil judge/सिविल न्यायाधीश
(c) Member of a *panchayat* assisting a Court of Jusitce/पंचायत का सदस्य जो न्यायालय का मददगार है
(d) Secretary of a co-operative society.
सहकारी समिति का सचिव

Ans. (d) : भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 21 में लोक सेवक की परिभाषा दी गयी है जो अन्तिम नहीं है। साधारण भाषा में लोक सेवक वह है जो अधिकार एवं कर्तव्य अधिरोपड़ पर सार्वजनिक (लोगों) कार्य को करे।

43. 'A' is paramour of 'Z's wife. She gives a ring of gold which 'A' knows to belong to her husband 'Z'
'A' 'Z' की पत्नी का जार है। वह 'A' को सोने की एक अंगूठी देती है जिसे 'A' जानता है कि यह 'Z' के पति की है।

(a) 'A' commits theft of ring
'A' ने अंगूठी की चोरी का अपराध किया है
(b) 'A' does not commit theft of ring
'A' ने अंगूठी की चोरी का अपराध नहीं किया है
(c) 'Z's wife commit theft
'Z' की पत्नी ने चोरी का अपराध किया है
(d) 'Z's wife does not commit theft.
'Z' की पत्नी ने चोरी का अपराध नहीं किया है

Ans. (a) : भारतीय दण्ड संहिता (1860) की धारा 378 में चोरी की परिभाषा दिया गया है जिसका दृष्टांत (O) यह बताता है कि यदि 'A' यह जानते हुए की पत्नी को मूल्यवान सम्पत्ति देने की हकदार नहीं फिर भी लेता है तो चोरी करता है।

44. Match the following offence:
निम्न अपराधों का मिलान करो:

List-I/सूची-I	List-II/सूची-II
A. Grave and sudden provocation गम्भीर और अचानक प्रकोपन	**1. Exception II to section 300/भारतीय दण्ड संहिता की धारा 300 का अपवाद II**

B. Death caused by sudden quarrel/ अचानक लड़ाई में मृत्यु होना — **2. Exception V to section 300/भारतीय दण्ड संहिता की धारा 300 का अपवाद V**

C. Death caused by consent/सहमति से मृत्यु कारित करना — **3. Exception I to section 300/भारतीय दण्ड संहिता की धारा 300 का अपवाद I**

D. Exceeding right private defence प्राइवेट प्रति-रक्षा के अधिकार के परे — **4. Exception IV to section 300/भारतीय दण्ड संहिता की धारा 300 का अपवाद IV**

Codes/कूट:

	A	B	C	D
(a)	1	3	2	4
(b)	2	3	4	1
(c)	3	4	2	1
(d)	4	1	3	2

Ans. (c) : सही मिलान निम्न है-

(A) गम्भीर और अचानक प्रकोपन - भारतीय दण्ड संहिता की धारा 300 अपवाद I

(B) अचानक लड़ाई में मृत्यु होना - भारतीय दण्ड संहिता की धारा 300 अपवाद IV

(C) सहमति से मृत्यु कारित करना - भारतीय दण्ड संहिता की धारा 300 अपवाद V

(D) प्राइवेट प्रतिरक्षा के अधिकार के परे - भारतीय दण्ड संहिता की धारा 300 अपवाद II

45. Two statements are given in this question. One is labeled Assertion (A) and the other is labeled Reason (R) examine these statements and select the correct combination of the codes:

Assertion (A): strikes are not banned even in the public utility services.

Reason (R): Strike is a recoginised weapon of workmen for asserting their baragaining power and for tacking of their collective demands upon an unwilling employer. It is to be used as a last resort when all other avenues for settlement of industrial disputes have failed.

इस प्रश्न में दो कथन हैं एक अभिकथन (A) अंकित है, तथा दूसरा तर्क (R) अंकित है। इस कथनों को जाँचिये और कोड के सही संयोजन का चयन कीजिये।

अभिकथन (A) : लोक उपयोगी सेवा में भी हड़ताल प्रतिबंधित नहीं है।

तर्क (R) : हड़ताल और तालाबंदी का हेतु अन्य पक्षकार को अपनी मांग की न्यायोचित को देखने के लिए विवश करना है, नहीं कि पूरे समाज को कठिनाई पहुँचाकर पक्षकार की सौदा शक्ति को शक्तिशाली बनाना है। जब प्रतितोषक कोई साधन प्राप्त नहीं है, या जो भी साधन है, सब विफल रहे हैं, तब हड़ताल या तालाबंदी के आयुध को कम से कम प्रयोग में लाना चाहिये।

(a) (A) is corrct bu (R) is wrong
(A) सही है (R) गलत है

(b) Both (A) and (R) are correct
(A) और (R) दोनों सही है

(c) (A) is wrong but (R) is correct
(A) गलत है, (R) सही है

(d) Both (A) and (R) are wrong
(A) और (R) दोनों गलत है

Ans. (b) : औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 22 के तहत लोक उपयोगी सेवाओं में हड़ताल प्रतिबंधित नहीं है, बशर्ते विहित प्रक्रिया के अनुपालन के उपरांत ही ऐसी हड़ताल अनुमान्य है।

हड़ताल कर्मकारों का अपनी मांगो मनवाने का एक हथियार है। यह मान्यता प्राप्त हथियार है, परंतु इसका प्रयोग अंतिम विकल्प के रूप में किया जाना चाहिये जब विवाद के निपटारे के सभी साधन असफल हो गये हो।

हड़ताल अपनी सौदेबाजी की शक्ति का दावा करने और अनिच्छुक नियोक्त पर अपनी सामूहिक मांगों को निपटाने के लिए कर्मकारों का एक मान्यता प्राप्त हथियार है। इसका उपयोग अंतिम उपाय के रूप में किया जाना चाहिए जब औद्योगिक विवाद निपटारे के अन्य सभी रास्ते विफल हो गए हो।

46. Select the codes related to triple tests laid down by the Supreme Court in *Bangalore Water Supply v. A. Rajjappa.*

बैंग्लोर वाटर सप्लाई बनाम ए. राजप्पा के वाद में सर्वोच्च अदालत द्वारा घोषित तिहरा परीक्षण (ट्रिपल टेस्ट) से सम्बंधित सही कोड संयोजन का चयन कीजिए।

1. **Profit motive or gainful objective**
लाभ हेतु या अभिलाभ उदेश्य
2. **Systemic activity/व्यवस्थित कार्रवाई**
3. **Organised by co-opration of employer and workmen/नियोजक और कर्मकार के सहकार से आयोजित**
4. **Huge capital investment/विपुल पूंजी निवेश**
5. **For the production and / or distribution of material goods and/ or services with a view to satisfy human wansts.**
मानव आवश्यकताओं की संतृप्ति (परितृप्ति) करने के लिए भौतिक माल और सेवाओं का उत्पादन और वितरण हेतु
6. **Government departments discharging sovereign functions entirely:/सर्वतः सम्प्रभुता का कर्त्तव्य निर्वाह करने वाला सरकारी विभाग**

कोड के सही संयोजन का चयन कीजिये।

(a) (1) and (2) and (4)/1 और 2 और 4

(b) (2) and (3) and (5)/2 और 3 और 5

(c) (1) and (4) and (6)/1 और 4 और 6

(d) (1) and (3) and (4)/1 और 3 और 4

Ans. (b) : बैंगलोर वाटर सप्लाई बनाम ए. राजप्पा के लैडमार्क जजमेंट में सुप्रीम कोर्ट ने उद्योग के क्षेत्र को पूर्ण रूप से समझाया और निम्नलिखित परीक्षण टेस्ट प्रतिपादित किया जिन्हें, तिहरा परीक्षण (ट्रिपल टेस्ट) के नाम से जाना जाता है-

(1) व्यवस्थित गतिविधि (एक्टिविटी)

(2) नियोजक एवं कर्मकार के सहयोग से आयोजन

(3) मानव आवश्यकताओं की संतुष्टि के लिए भौतिक माल या सेवाओं का उत्पादन और वितरण।

47. Select correct codes combination from the following relating to instruments of collective bargaining:
निम्नलिखित कोड संयोजनों में से सामूहिक सौदेबाजी के उपकरणों का सही कोड संयोजन का चयन कीजिये।

1. **Strike/हड़ताल**
2. **Closure/बंदी**
3. **Lock out/तालाबंदी**
4. **Retrenchment/छँटनी**
5. **Lay-off/जबरन छुट्टी**

कूटः

(a) (1) and (2)/1 और 2 (b) (2) and (3)/2 और 3

(c) (3) and (4)/3 और 4 (d) (1) and (3)/1 और 3

Ans. (d) : हड़ताल का अर्थ है-किसी उद्योग में नियुक्त कार्य करने वाले कुछ व्यक्तियों के संगठन द्वारा सामूहिक रूप से कार्य का त्याग। हड़ताल का प्रयोग नियोजक से अपनी माँगों को मनवाने के लिए सामूहिक सौदेबाजी है।

तालाबन्दी (धारा 2(L)) का अर्थ है - रोजगार के स्थान को अस्थायी रूप से बंद करना अथवा कार्य को स्थगन करना।

तालाबन्दी नियोजक के हक में एक ऐसा अस्त्र है, जिसका उपयोग वह कर्मकारों के विरुद्ध अपनी शर्तों को मनवाने के लिए उपयोग में लेता है।

48. Select correct codes combination from the following relating to "retrenchment"
निम्नलिखित कोड संयोजनों में ''छँटनी'' सम्बंधी सही कोड संयोजन का चयन कीजिये।

1. **Failure, refusal or inability of employer to employ his workmen/नियोजक की अपने कर्मकार को रोजगार में लगाने से विफलता इन्कार या असमर्थता**
2. **Termination of service of workman कर्मकार की सेवाओं की समाप्ति**
3. **Breakdown of machinery यंत्रप्रणालिका ठप हो जाना**
4. **Other than punisment/दण्ड से भिन्न**
5. **Other than voluntary retirement स्वैच्छिक सेवा निवृत्त से भिन्न**
6. **Other than grounds of continued ill- health निरंतर बीमारी के कारणों से भिन्न**
7. **Rule: Last come, first-go/नियमः सबसे अंतिम में आनेवाला सबसे पहले जायेगा**

Codes/कूटः

(a) (1)-(2)-(3)-(4)-(5)/1, 2, 3, 4 और 5

(b) (2)-(4)-(5)-(6)-(7)/2, 4, 5, 6 और 7

(c) (3)-(4)-(5)-(6)-(7)/3, 4, 5, 6 और 7

(d) (2)-(3)-(4)-(5)-(6)/2, 3, 4, 5 और 6

Ans. (b) : औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 2(00) में छँटनी की परिभाषा दी गयी है। इस पद का अर्थ है - नियोजक द्वारा किसी कामगार की सेवा समाप्ति, जो किसी भी कारण से हो, किन्तु अनुशासन की कार्यवाही द्वारा दण्डित करने के लिए दण्डस्वरूप न हो, परन्तु निम्नलिखित सम्मिलित नहीं है-

(1) किसी कामगार की स्वेच्छया सेवानिवृत्ति होना

(2) वृद्धावकाश की अवस्था पर पहुँचने पर किसी कामगार की सेवानिवृत्ति (यदि नियोजक और सम्बन्धित कामगार के बीच सेवा सम्बन्धी संविदा में इस निमित्त कोई अनुबंध हो) अथवा

(3) निरंतर अस्वस्थ रहने के आधार पर किसी कामगार की सेवा समाप्ति।

कार्य के बंद किये जाने के परिणाम स्वरूप विमुक्ति को छँटनी नहीं माना जाएगा।

49. The application form registration of a trade union must-be subscribed by minimum:
आवेदन पत्र को कम से कम श्रमिक संघ के पंजीकरण हेतु

(a) Two/दो

(b) Five/पाँच

(c) Seven/सात

(d) Eleven: Members
ग्यारहः सदस्य द्वारा अभिदत्त होना चाहिए

Ans. (c) : व्यवसाय संघ अधिनियम, 1926 की धारा 4 में व्यवसाय संघ के रजिस्ट्रेशन की रीति का प्रावधान किया गया है। इसके अनुसार, कोई सात या अधिक सदस्य व्यवसाय मंच की नियमावली पर हस्ताक्षर करके और अधिनियम में पंजीयन के लिए बने अन्य प्रावधानों की पूर्ति करने के पश्चात् इस अधिनियम में व्यावसाय संघ को रजिस्ट्रेशन का आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं।

50. Subject to rules of the trade union to the contrary a person to be member of a trade union must attain the age of minimum:
श्रमिक संघ के विपरीत नियम के अधीन पंजीकृत श्रमिक संघ के सदस्य बनने के लिए व्यक्ति की आयु कम से कमः

(a) Eighteen years/अठारह वर्ष

(b) Fourteen years/चौदह वर्ष

(c) Twenty-one years/इक्कीस वर्ष

(d) Fifteen years/पंद्रहः साल की होनी चाहिये

Ans. (d) : व्यवसाय संघ अधिनियम, 1926, 15 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को पंजीकृत व्यवसाय संघ का सदस्य बनने के लिए अनुमति प्रदान करता है।

यू.जी.सी./एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2009
LAW (विधि)
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

निर्देशः इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1. Consider the following Judgements of the Supreme Court which dealt with the appointment and transfer of Judges of the Supreme Court and High Courts:
उच्चतम न्यायालय के निम्नलिखित निर्णयों पर विचार कीजिये। ये निर्णय उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की नियुक्ति एवं स्थानांतरण के विषय में हैः

1. S.P. Gupta v. Union of India/एस.पी. गुप्ता बनाम भारत संघ
2. Sakal Chand v. Union of India/सांकल चन्द बनाम भारत संघ
3. President's Special Reference No.1/राष्ट्रपति के विशेष निर्देश संख्या नं. 1
4. Supreme Court Advocate on Record Association . Union of India/सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स आन रिकॉर्ड एसोसियेशन बनाम भारत संघ

Which one of the following is correct chronological order in which the above judgements were delivered?
निम्नलिखित में से कौन-सा वह सही कालक्रम दर्शाता है, जिसमें उपर्युक्त निर्णय दिये गये थे?

(a) 1, 2, 3, 4
(b) 2, 1, 3, 4
(c) 2, 1, 4 , 3
(d) 1, 2, 4, 3

Ans. (c) : उच्च न्यायालय एवं उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति एवं स्थानान्तरण के विषय में निम्नलिखित वादों का कालक्रम है–
(i) एस.पी. गुप्ता बनाम भारत संघ (A.I.R. 1982 S.C.)
(ii) सांकल चन्द्र बनाम भारत संघ (A.I.R. 1962 S.C.)
(iii) राष्ट्रपति के विशेष निर्देश संख्या नं.-1
(iv) सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑन रिकार्ड एसोसिएशन बनाम भारत संघ (A.I.R. 1993 S.C.)

2. Which one of the following is the correct statement?
निम्नलिखित में से कौन सा एक कथन सही हैं?
"Full faith and credit" clause of the Constitution does not apply to
संविधान का ''पूर्ण विश्वास और साख'' खण्ड लागू नहीं होता हैः

(a) Public records/लोक अभिलेखों पर
(b) Judicial procedings/न्यायिक कार्यवाहियों पर
(c) Acts of Corporations/निगमों के कार्यों पर
(d) Public acts/लोक कार्यों पर

Ans. (c) : अनुच्छेद 261 यह उपबन्धित करता है भारत के राज्य क्षेत्र में सर्वत्र संघ के और प्रत्येक राज्य के सार्वजनिक कार्यों अभिलेखों और न्यायिक कार्यवाहियों को पूरा विश्वास और पूरी मान्यता दी जायेगी यह संसद द्वारा बनायी गयी विधि के अनुसार किया जायेगा। ऐसी विश्वास एवं साख निगमों के कार्यों पर लागू नहीं किया जायेगा।

3. In which of the following case the Supreme Court held that allowing medical examination of a woman to prove her virginity, amounts to violation of her right to privacy, guaranteed under Article 21 of the Constitution?
निम्नलिखित में से किस वाद में उच्चतम न्यायालय ने यह विनिश्चित किया कि एक महिला की कौमार्यता को सिद्ध करने के लिये उसका चिकित्सीय परीक्षण कराना, संविधान के अनुच्छेद 21 के अन्तर्गत प्रदत्त निजता के अधिकार का अतिक्रमण माना जायेगा?

(a) Surjeet Singh Thind v. Kanwaljit Kaur/सुरजीत सिंह थिंड बनाम कंवलजीत कौर
(b) Phillipa Anne v. State of Tamil Nadu/फिलिपा अन्ने बनाम तमिलनाडु राज्य
(c) Hameeda Sarfaraj v. M.S. Kashekar/हमीदा सरफराज बनाम एम.एस. कशेकर
(d) Kavita v. State of Maharashtra/कविता बनाम महाराष्ट्र राज्य

Ans. (a) : भारतीय संविधान का अनुच्छेद–21, जिसमें निजता का अधिकार समाहित है, तहत सुरजीत सिंह थिंड बनाम कंवलजीत कौर के वाद में पंजाब और हरियाणा के उच्च न्यायालय ने यह अभिनिर्धारित किया है कि किसी महिला के कौमार्य (Virgimity) परीक्षण के लिए अनुमति देना अनुच्छेद–21 के अन्तर्गत प्रदत्त उसके निजता के अधिकार का उल्लंघन है।

4. By which Constitutional Amendment, Article 21A providing for right to education was inserted in the Constitution of India?
किस संवैधानिक संशोधन द्वारा अनुच्छेद 21-क, जो शिक्षा का अधिकार देता है, भारत के संविधान में जोड़ा गया?

(a) The Constitution {Eighty-Third Amendment} Act/संविधान (तिरासिवाँ संशोधन) अधिनियम
(b) The Constitution {Eighty-Sixth Amendment} Act/संविधान (छियासिवाँ संशोधन) अधिनियम
(c) The Constitution {Ninetieth Amendment} Act/संविधान (नब्बेवाँ संशोधन) अधिनियम
(d) The Constitution {Ninety-Second Amendment} Act/संविधान (बानबेवाँ संशोधन) अधिनियम

Ans. (b) : संविधान 86वां संशोधन अधिनियम 2002 द्वारा संविधान के एक नया अनुच्छेद–21(क) जोड़ा गया जिसमें अधीन छः वर्ष से 14 वर्ष की आयु के बालकों के लिये शिक्षा के अधिकार

को मूल अधिकार बनाया गया। संविधान 83वां संशोधन अधिनियम 2002 में अनु0–243(ङ), संविधान 90वां संशोधन अधिनियम 2003 में अनु0–332 के खण्ड-6 में परन्तुक जोड़ा गया था। संविधान 92वां संशोधन अधिनियम 2003 में 8वीं अनुसूची में 4 अन्य भाषाओं को जोड़ा गया। इनके साथ ही अब कुल 22 भाषायें हो गयी है।

5. Joint-session of the Parliament was summoned by the President of India to pass:
भारत के राष्ट्रपति द्वारा संसद का संयुक्त-सत्र आहूत किया गया था, पास कराने के लिए-

(a) Dowry Prohibition Act/दहेज प्रतिषेध अधिनियम को
(b) Banking Service Commission Act/बैंककारी सेवा आयोग अधिनियम को
(c) POTA/पोटा को
(d) All the above Act/उपर्युक्त सभी अधिनियमों को पारित करने के लिये

Ans. (d) : अनुच्छेद–108 के अनुसार जब कोई विधेयक एक सदन द्वारा पारित होने के बाद दूसरे सदन में भेजा जाता है और दूसरा सदन-
(1) विधेयक को अस्वीकार कर देता है
(2) विधेयक में किये जाने वाले संशोधनों पर दोनों सदन असहमत है या
(3) जब दूसरे सदन को विधेयक पारित किये बिना छः से अधिक समय बीत चुका है तो राष्ट्रपति दोनों सदनों की संयुक्त बैठक आहूत कर सकता है। संयुक्त बैठक की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष करता है। अतः दिये गये प्रश्न में उपरोक्त सभी परिस्थितियों में संयुक्त बैठक बुलाया गया था।

6. Justice Verma's Committee Report relates for:
न्यायमूर्ति वर्मा कमेटी की रपट सम्बन्धित है?

(a) Effectuation of Fundamental Duties
मूल कर्त्तव्यों के प्रभावीकरण से
(b) Duty to vote in Election
चुनाव में वोट डालने के कर्त्तव्य से
(c) Freedom of Religion/धार्मिक स्वतंत्रता से
(d) National Judicial Commission
राष्ट्रीय न्यायिक आयोग से

Ans. (a) : न्यायमूर्ति J.S. वर्मा कमेटी वर्ष 1998 में भारत सरकार के द्वारा गठित की गयी थी जो भारत के नागरिकों के मूल कर्त्तव्यों के प्रवर्तन पर सुझाव देने के लिये गठित की गयी थी। इस समिति ने अक्टूबर 1999 में अपनी रिपोर्ट सब्मिट की।
सुझाव–
1. चुनाव में वोट करने का कर्त्तव्य।
2. शासन में लोकतान्त्रिक प्रक्रिया से सक्रिय भागीदारी को कर्त्तव्य में जोड़ा जाय।
3. टैक्स दिये जाने को मूल कर्त्तव्य बनाया जाय।

7. By which Constitutional Amendment Article 51A(K) (which provides for the eleventh duty of a citizen) was added?
संविधान के किस संशोधन द्वारा अनुच्छेद 51-क (ट) जो कि (नागरिकों के लिये ग्यारहवाँ कर्त्तव्य प्रावधानित करता है) जोड़ा गया?

(a) The Constitution [Ninety-Third Amendment] Act/संविधान (तिरानबेवाँ संशोधन) अधिनियम
(b) The Constitution [Nainety-First Amendment] Act/संविधान (इक्यानबेवाँ संशोधन) अधिनियम
(c) The Constitution [Eighty-Sixth Amendment] Act/संविधान (छियासिवाँ संशोधन) अधिनियम
(d) The Constitution [Eighty-Fourth Amendment] Act/संविधान (चौरासिवाँ संशोधन) अधिनियम

Ans. (c) : संविधान 86वाँ संशोधन अधिनियम 2002 इस संशोधन द्वारा अनुच्छेद-51(क) में एक नया मूल कर्त्तव्य बनाने के लिए खण्ड-(ट) जोड़ा गया जिसमें प्रावधान किया गया कि छः वर्ष से 14 वर्ष तक की आयु के माता-पिता और प्रतिपाल्य के संरक्षकों का यह कर्त्तव्य होगा कि वे बच्चों के उन्हें शिक्षा का उचित अवसर प्रदान करें।

8. Who submitted the Report of the "National Commission to review the working of the Constitution".?
''राष्ट्रीय संविधान कार्यकरण समीक्षा आयोग'' की रिर्पोट को किसने प्रस्तुत किया?

(a) Justice B.P. Jeevan Reddy/न्यायमूर्ति बी.पी. जीवन रेड्डी
(b) Justice A.S. Anand/न्यायमूर्ति ए.एस. आनन्द
(c) Justice R.S. Sarkaria/न्यायमूर्ति आर.एस. सरकारिया
(d) Justice M.N. Venkatachalliah/न्यायमूर्ति एम.एन. वेंकटचल्लैया

Ans. (d) : संविधान समीक्षा आयोग ने अपनी रिपोर्ट केन्द्र सरकार को सौप दी जिसके अध्यक्ष पूर्व मुख्य न्यायाधीश एम.एल. वेंकटचैलेया थे 22 फरवरी 2000 को गठित इस राष्ट्रीय आयोग ने विभिन्न विषयों पर विचार के लिये दस विशेषज्ञों के दल का गठन किया था। रिपोर्ट के सम्बन्ध में न्यायमूर्ति वेंकटचैलया ने बताया कि आयोग ने 230 सिफारिशे की है, जिसमें मौलिक कर्त्तव्य, चुनाव सुधार आदि शामिल है।

9. Who has first coined the term 'Legal theory"?
'लीगल थियरी' पद को गढ़ने वाले का नाम बताएँ–

(a) Kelsen/केल्सन
(b) W. Friedman/डब्ल्यू. फ्रीडमैन
(c) Bentham/बेंथम
(d) Roscoe Pound/रोस्को पाउण्ड

Ans. (b) : डब्ल्यू. फ्रीडमैन की पुस्तक लीगल थियरी है और केल्सन का विधि सम्बन्धी विशुद्ध सिद्धान्त लॉ क्वार्टरली रिव्यू में प्रकाशित हुआ था। बेंथम की पुस्तक ''द इन्ट्रोडक्शन टु प्रिंसिपल ऑफ द मोराल्स एण्ड बेजिस्लेशन है। रास्को पाउण्ड द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत सामाजिक अभियंत्रिक उनकी पुस्तक लॉ एण्ड मॉरल्स में प्रतिपादित किया था।

10. Who propounded the 'Utilitarian theory'?
'यूटिलिटेरियन थियरी' का प्रतिपादक कौन है?

(a) Kelsen/केल्सन
(b) Henry Maine/हेनरी मेन
(c) Bentham/बेंथम
(d) Julius Stone/जूलियस स्टोन

Ans. (c) : बेंथम प्राकृतिक विधि के सिद्धान्त के आलोचक थे। उन्होंने अपने विधि सम्बन्धी विचारों को उपयोगितावाद पर आधारित किया, उपयोगितावाद आचार शास्त्र का एक सिद्धान्त या नीति है

जिसमें यह बताया गया है कि जो कुछ उपयोगी है वही श्रेष्ठ है अतः सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक सिद्धान्तों तथा नीतियों को उपयोगितावाद के सिद्धान्त के आधार पर ही निर्धारित किया जाना चाहिए। केल्सन का विशुद्ध मानक का सिद्धान्त है। हेनरीमेन की पुस्तक एनसियन्ट लॉ है। जूलियस स्टोन ने विधिशास्त्र की परिभाषा में विधिशास्त्र को अधिवक्ताओं की बहिर्मुखता का स्वर्ग कहते हैं।

11. In which of the following cases the jurisprudential basis of the principle to award compensation for violating Human Rights has been laid down by the Supreme Court?
निम्नलिखित में से किस मामले में उच्चतम न्यायालय ने मानवाधिकार के उल्लंघन के लिये क्षतिपूर्ति के सिद्धान्त का विधिशास्त्रीय अधिकथन किया है?

(a) Konda Reddy v. State/कोंडा रेड्डी बनाम राज्य
(b) Ratlam Municipality v. Verdhichand/रतलाम नगरपालिका बनाम वर्धीचन्द
(c) Visakha v. State of Rajasthan/विशाखा बनाम राजस्थान राज्य
(d) Nilabhati Behra v. State of Orissa/नीलाबती बेहरा बनाम उड़ीसा राज्य

Ans. (d) : नीलाबती बेहरा बनाम उड़ीसा राज्य (1993) में उच्चतम न्यायालय द्वारा अवैध गिरफ्तारी या अवैध निरोध के शिकार हुये व्यथित व्यक्तियों को उनके वैध अधिकारों के उल्लंघन के लिये प्रतिकर के रूप में राज्य से क्षतिपूर्ति किये जाने का आदेश दिया तथा विशाखा बनाम राजस्थान राज्य का मामला कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन शोषण से सम्बन्धित है।

12. Rights and duties are:
अधिकार और कर्त्तव्य क्या है?

(a) Postulates/आधार तत्व
(b) Correlatives/सह-सम्बन्ध
(c) Opposites/परस्पर विरोधी
(d) Parallels/समानान्तर

Ans. (b) : हाफेल्ड महोदय ने अधिकार स्वतन्त्रता, शक्ति तथा उन्मुक्ति की सहवर्ती माना है और उनके विपरीत अवधारणाओं को निम्नलिखित तालिकाओं द्वारा समझाने का प्रयास किया–

अधिकार (दावा)	-	दावाहीनता
कर्त्तव्य	-	स्वतन्त्रता या विशेषाधिकार
शक्ति	-	निर्योग्यता
दायित्व	-	उन्मुक्ति

13. Match the following:
निम्नलिखित का मिलान करें–

सूची-I	**सूची-II**
A. Retributive theory प्रतिशोधात्मक सिद्धान्त	**1. Public Interest जनहित मुकदमा**
B. Immemorial Antiquity/स्मरणातीत पुरावशेष	**2. Punishment/दण्ड**
C. Ground norm/मूल सन्नियम	**3. Custom रीति-रिवाज**
D. Locus Standi/सुने जाने का अधिकार	**4. Hans Kelsen हैंस केल्सन**

Codes:/कूट:

	A	B	C	D
(a)	2	4	3	1
(b)	1	3	4	2
(c)	2	3	4	1
(d)	3	4	1	2

Ans. (c) :

(a) प्रतिशोधात्मक सिद्धान्त	–	दण्ड
(b) स्मरणातीत पुरावशेष	–	रीति-रिवाज
(c) मूल सन्नियम	–	हैंस केल्सन
(d) सुने जाने का अधिकार	–	जनहित मुकदमा

14. 'Law' must be changed in a manner to get pleasure and to avoid painful change with social circumstances' is the contribution of:
'विधि में इस रीति से परिवर्तन होना आवश्यक है जिससे सामाजिक परिस्थितयों के साथ प्रसन्नता प्राप्त करने तथा पीड़ाकारक परिवर्तन का परिहार हो।'

(a) Historical theory/ऐतिहासिक सिद्धान्त
(b) Socialogical theory/समाजशास्त्रीय सिद्धान्त
(c) Anthropological theory/नृवैज्ञानिक सिद्धान्त
(d) Analytical theory/विश्लेषणात्मक सिद्धान्त

Ans. (b) : समाजशास्त्रीय विचारधारा का उद्भव वर्तमान युग की विधि के क्षेत्र में सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसके समर्थन बेंथम, काण्ट, इहरिंग, ड्यूगिट, रास्कोपाउण्ड आदि है। समाजशास्त्री विचारधारा की मुख्य विशेषतायें–
(i) यह विचारधारा विधि के अमूर्त सिद्धान्तों की अपेक्षा विधि के कार्यों पर विशेष जोर देते हैं।
(ii) विधि सामाजिक प्रगति का साधन है।

15. The theme of the 60th Anniversary celebrations of the Universal Declaration of Human Rights, 1948 is:
मानवाधिकार के सार्वभौमिक घोषणा-पत्र 1948 की 60वीं जयन्ती की विषय-वस्तु है–

(a) Human Rights for all/सभी के लिये मानवाधिकार
(b) All Human Rights for all/सभी के लिये समस्त मानवाधिकार
(c) Justice and dignity for all/सभी के लिये न्याय तथा गरिमा
(d) Human Rights for Human dignity/मानव गरिमा के लिये मानवाधिकार

Ans. (c) : संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मानव अधिकारों से सम्बन्धित प्रावधानों को कार्यांवित करने के उद्देश्य से मानव अधिकार आयोग को मानव अधिकारों से सम्बन्धित सिद्धान्तों का प्रारूप तैयार करने को सौंपा गया। जिसे महासभा द्वारा 10 दिसम्बर 1948 को स्वीकार किया गया। इस तिथि को प्रतिवर्ष मानवाधिकार के प्रति जागरूकता हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। मानवाधिकार के सार्वभौमिक घोषणा-पत्र 1948 की 60वीं जयन्ती का विषय-वस्तु ''सभी के लिये न्याय तथा गरिमा'' था।

16. Principal modes of peaceful settlement of disputes are:
विवाद के शांतिपूर्ण निपटारे के लिये कितनी प्रधान विधियाँ है।

(a) 5 (b) 6
(c) 4 (d) None/कोई नहीं

Ans. (d) : विवादों के शान्तिपूर्ण निपटारे के लिये निम्नलिखित विधियों का उल्लेख किया गया है–
1- माध्यस्थम् 2-न्यायिक निर्णय 3-वार्ता 4-सेवाएं 5-मध्यस्थता 6-समझौता 7-संयुक्त राष्ट्र के अन्तर्गत झगड़ों का निपटारा।

17. Who said 'International Law is the vanishing point of jurisprudence"?
''अंतर्राष्ट्रीय विधि विधिशास्त्र का लोप बिन्दु है''–यह कथन किसका है?
(a) Austin/ऑस्टिन (b) Holland/हॉलैण्ड
(c) Kelsen/केल्सन (d) Bentham/बेंथम

Ans. (b) : अन्तर्राष्ट्रीय विधि विधिशास्त्र का लोपबिन्दु है। हॉलैण्ड महोदय के अनुसार, अन्तर्राष्ट्रीय विधि को विधि की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता है क्योंकि न तो ये किसी प्रभुता सम्पन्न अधिकारी द्वारा निर्मित किये जाते हैं और न ही इनके नियमों के उल्लंघन करने पर कोई अनुशास्ति है। हॉलैण्ड के इस मत को वर्तमान परिस्थिति में जब बहुत अधिक परिवर्तन हो चुका है उचित नहीं कहा जा सकता है। ऑस्टिन इग्लैण्ड के विश्लेषणात्मक विचारधारा के प्रतिपादक थे। केल्सन ने विशुद्ध विधि का सिद्धान्त तथा बेंथम ने उपयोगितावादी सिद्धान्त दिया था।

18. The era of law making treaties began with:
विधि-निर्माण ग्रंथों के युग का आरम्भ किसके साथ हुआ?
(a) Treaty of Vienna/वियेना की संधि
(b) Treaty of Versailles/वर्सेल्स की संधि
(c) Kellogg Briard Act/केलॉग ब्रियार्ड अधिनियम
(d) Treaty of Westphalia/वेस्टफेलिया की संधि

Ans. (d) : विधि-निर्माण ग्रन्थों के युग का आरम्भ सर्वप्रथम वेस्टफेलिया की सन्धि के साथ शुरू हुआ। यह मई और अक्टूबर 1648 के बीच ओस्नाब्रुक और मन्स्टर के वेस्टफेलिया शहर में हुआ। यह शान्ति सन्धि की वैश्विक शुरूआत थी। वेस्टफेलिया से यह आधुनिक अन्तर्राष्ट्रीय प्रणाली की शुरूआत थी।

19. The Atrantzazu Mendi case deals with:
अरंतजाजू मेंडी मामले का सम्बन्ध निम्न में से है–
(a) Human Rights/मानवाधिकार
(b) Recognition/मान्यता
(c) Nature of International Law
अन्तर्राष्ट्रीय विधि की प्रकृति
(d) Peaceful settlement of disputes
विवादों का शांतिपूर्ण निपटारा

Ans. (b) : अरंतजाजू मेंडी नामक वाद मान्यता से सम्बन्धित है जिसमें न्यायालय ने निर्णय दिया कि तथ्येन मान्यता तथा विधितः मान्यता में कोई अन्तर नहीं है मान्यता से राज्य का कुछ अधिकार मिलता है तथा साथ ही साथ कुछ दायित्वों का पालन भी करना पड़ता है मान्यता से सम्बन्धित दो सिद्धान्त है।
(1) निर्माणात्मक मत (2) उद्घोषणात्मक मत

20. Match the following:
निम्नलिखित का मिलान करें–

सूची-I	सूची-II
A. Pequete Habana case/पैकेट हवाना केस	**1. South West Africa case/साउथ वेस्ट अफ्रीका केस**
B. Dumparton Oaks Conference/डम्बार्टन ओक्स कांफ्रेंस	**2. United Nations पाठ्य-पुस्तक लेखन**
C. Vienna Declaration, 1993/वियेना डिक्लरेशन, 1993	**3. United Nations/संयुक्त राष्ट्र**
D. Custom/प्रथा	**4. Human Rights मानवाधिकार**

Codes:/कूट:

	A	B	C	D
(a)	2	3	4	1
(b)	3	4	2	1
(c)	4	3	1	2
(d)	4	3	2	1

Ans. (a) :
(a) पैकेट हवाना केस – पाठ्य-पुस्तक लेखन
(b) डम्बार्टन ओक्स कांफ्रेंस – संयुक्त राष्ट्र
(c) वियेना डिक्लरेशन 1993 – मानवाधिकार
(d) प्रथा – साउथ वेस्ट अफ्रीका केस

21. Where a Hindu male and a Hindu female contract their marriage under the Special Marriages Act, 1954, Hindu Personal Law:
जब एक हिन्दू पुरुष और एक हिन्दू महिला विशेष विवाह अधिनियम, 1954 के अन्तर्गत अपने विवाह की संविदा करते हैं तो हिन्दू वैयक्तिक विधि।
(a) Applies to such marriage/ऐसे विवाहों पर लागू होती है
(b) Does not apply/लागू नहीं होती है
(c) Applies with some modifications/कुछ परिवर्तनों के साथ लागू होती है
(d) Applies with the Indian Contract Act/भारतीय संविदा अधिनियम के साथ लागू होती है

Ans. (d) : हिन्दू विवाद अधिनियम 1955 में यदि दोनों पक्षकार हिन्दू है तो हिन्दू विधि ही लागू होगी। यदि दोनों पक्षकार किसी संविदा के तहत विशेष विवाह अधिनियम 1954 के अन्तर्गत अपने विवाह करता है तो वे संविदा के अधीन होते हैं और वह हिन्दू विवाह अधिनियम भारतीय संविदा अधिनियम के साथ लागू होगी।

22. Abortion of child by wife without the consent of the husband is a ground for:
अगर पति की सहमति के बगैर गर्भपात पत्नी द्वारा कराया गया है तो यह आधार होगा–
(a) Nullity of marriage/विवाह का रद्दीकरण
(b) Judicial separation/न्यायिक पृथक्करण
(c) Divorce/विवाह-विच्छेद
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (*) : सुशील कुमार बनाम ऊषा 1987 के वाद में दिल्ली उच्च न्यायालय तथा सत्या बनाम श्रीराम 1983 के वाद में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने यह निर्धारित किया कि पति की सहमति के बिना पत्नी द्वारा गर्भपात जबकि पति बच्चा चाहता भी है, क्रूरता है। क्रूरता विवाह विच्छेद का आधार है और 1976 के हिन्दू विवाह संशोधन अधिनियम के बाद अब यह न्यायिक पृथक्करण भी आधार है। अतः प्रश्न में दिये गये विकल्प (b) तथा (c) दोनों ही सही हैं।

23. 'A' marries 'B', the widow of his elder brother. The marriage is:
'अ' अपने बड़े भाई की विधवा 'ब' से विवाह करता है। यह विवाह-

(a) valid/विधि मान्य है
(b) void/शून्य है
(c) voidable/शून्यकरणीय
(d) None of the above/इनमें से कोई नहीं

Ans. (a) : हिन्दू विवाह अधिनियम 1955 की धारा 5 अधिनियम की आधार शिला है इसमें विवाह की आवश्यक शर्तों को बताया गया है जिसमें धारा 5(4) के अनुसार, प्रतिषिद्ध सम्बन्ध के उल्लंघन के आधार पर विवाह मान्य नहीं होगा। चूंकि भाई की पत्नी प्रतिषिद्ध सम्बन्ध में आती है परन्तु भाई की विधवा प्रतिषिद्ध सम्बन्ध में नहीं आती है इसलिए विवाह मान्य होगा। परन्तु यह तभी जब पक्षकारों में ऐसी रूढ़ि या प्रथा है।

24. Muslim woman observising iddat period marries with another man. The marriage is:
मुस्लिम पत्नी इद्दत के दौरान किसी दूसरे आदमी से विवाह कर लेती है। यह विवाहः
(a) Sahih/विधिमान्य है
(b) Batil/शून्य है
(c) Fasid/शून्यकरणीय है
(d) None of the above/इनमें से कोई नहीं

Ans. (b) : इद्दत किसी तलाकशुदा या विधवा स्त्री द्वारा पालन किया जाता है। इद्दत का तात्पर्य गणना करना या वैध एकान्तवाद इद्दत का उद्देश्य तलाक से पूर्व पत्नी द्वारा धारित किसी संभावित गर्भ को निश्चित करना रहता है। अतः इद्दत की अवधि तक उसके विवाह पर रोक लगी रहती है। यदि इस शर्त का उल्लंघन करके विवाह (निकाह) किया जताा है तो वह निकाह शून्य होगा।

25. In which of the following case, the Court held that "Triple divorce' is not a Valid Talaq?
निम्न में से किस वाद में न्यायालय ने प्रतिपादित किया है कि ''तीन तलाक विधि मान्य नहीं है''?
(a) Zauddin v. Anwari Begum
जियाऊद्दीन बनाम अनवरी बेगम
(b) Mohammad Ahmad Khan v. Shah Bano
मुहम्मद अहमद खाँ बनाम शाहबानो
(c) Bai Tahira v. Ali Hussain
बाई ताहिरा बनाम अली हुसैन
(d) None of the above/इनमें से कोई नहीं

Ans. (d) : रहमतुल्ला बनाम स्टेट ऑफ यू.पी. के वाद में सर्वप्रथम इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा कि तलाक-ए-बिद्दत (तीन-तलाक) अवैध है क्योंकि यह पवित्र कुरान के आदेशों के विपरीत है अतः प्रश्न में विकल्प (d), इनमें से कोई, सही है। मुहम्मद अहमद खाँ बनाम शाहबानो का वाद भरण-पोषण से सम्बन्धित है तथा ताहिरा बनाम अली हुसैन का वाद तलाक से सम्बन्धित होता है।

26. A marriage under Muslim Law between persons with fosterage relationship is:
मुस्लिम विधि के अनुसार 'धात्री' सम्बन्धियों के बीच विवाह होगा–
(a) Sahih/विधिमान्य
(b) Batil/शून्य
(c) Fasid/शून्यकरणीय
(d) None of the above/इनमें से कोई नहीं

Ans. (b) : धात्रेय-सम्बन्ध के आधार पर विवाह का निषेध मुस्लिम-विधि की विशिष्टता है यदि दो वर्ष से कम उम्र के किसी बच्चे को उसकी सगी माँ के अतिरिक्त किसी अन्य महिला ने अपना स्तनपान कराया हो तो वह महिला बच्चे की धाय-माँ कहलाती है जिस प्रकार सगी माँ और उसके अन्य सम्बन्धियों से विवाह का निषेध है ठीक उसी प्रकार धाय माँ तथा उसके सम्बन्धियों से भी विवाह वर्जित है अर्थात् धात्रेय सम्बन्धियों से किया गया विवाह शून्य माना जाता है।

27. Arrange the sequence of the following events in which they occur in a contract, using the code:
कोड का उपयोग करते हुए निम्नलिखित घटनाओं को उस क्रम में व्यवस्थित करें जिस क्रम में वे एक संविदा में घटित होता हैः
(1) Communication of offer/प्रस्ताव का संसूचना
(2) Invitation of offer/प्रस्ताव का आमंत्रण
(3) Fraud/कपट
(4) Damages/नुकसानी
Codes:/कूट:

(a)	2	1	3	4
(b)	1	2	3	4
(c)	4	2	1	3
(d)	4	3	2	1

Ans. (a) : संविदा अधिनियम 1872 की धारा 2(a) में प्रस्ताव की परिभाषा दिया गया है। किसी संविदा को बनने के लिये सर्वप्रथम प्रस्ताव का या प्रस्ताव के आमंत्रण का उसके पश्चात उस प्रस्ताव की संसूचना होनी चाहिये। किसी संविदा को पूर्ण होने के लिये संसूचना आवश्यक तत्व है। धारा 17 में कपट (डेरी बनाम पीक का मामला कपट से सम्बन्धित है) तथा धारा 73 नुकसानी से सम्बन्धित है। संविदा के चरण-
(1) प्रस्ताव का आमंत्रण
(2) प्रस्ताव की संसूचना
(3) प्रस्ताव का प्रतिग्रहण
(4) वचन
(5) प्रतिफल
(6) करार
(7) विधिमान्यता
(8) संविदा

28. Find correct explanation from following assertion and reason from code.
निम्नलिखित अभिकथन तथा तर्क के आधार पर कोड में से सही स्पष्टीकरण चुनेः
Assertion (A): Damages must be reasonable for breach of a contract.
अभिकथन (A): एक संविदा को भंग करने के लिये नुकसानी को अनिवार्यतः युक्तियुक्त होना चाहिये।
Reason (R): Because reasonable damages are agreed upon in a contract.
तर्क (R): क्योंकि संविदा में युक्तियुक्त नुकसानी के लिये सहमति व्यक्त होती है।
Cdoes:/**कोडः**
(a) Assertion (A) and Reason (R) are right/अभिकथन (A) तथा तर्क (R) सही है
(b) Assertion (A) and Reason (R) wrong/अभिकथन (A) तथा तर्क (R) गलत है
(c) Assertion (A) is right, Reason (R) is wrong/अभिकथन (A) सही है तथा तर्क (R) गलत है
(d) Assertion (A) is wrong, Reason (R) is right/अभिकथन (A) गलत है, तथा तर्क (R) सही है

Ans. (c) : संविदा अधिनियम 1872 की धारा 73-74 में नुकसानी से सम्बन्धित है यदि किसी संविदा के शर्तों का उल्लंघन करने से दूसरे पक्षकार को हानि होती है तो उस पक्षकार से जिसने ऐसा उल्लंघन किया है, उसे क्षतिपूर्ति दिलायी जायेगी, जिसे तत्पश्चात् हानि हुई हो। हैडले बनाम बैक्सेनडेल के मामले में क्षतिपूर्ति निर्धारण के दो सिद्धान्त प्रतिपादित किये गये। (1) साधारण नुकसानी (2) विशेष नुकसानी
किसी भी संविदा के पक्षकारों पर निर्भर होता है कि वह संविदा भंग पर युक्तियुक्त नुकसानी के लिये सहमत हो भी सकते है नहीं भी। अतः कोड (A) सही है तथा कथन (R) गलत है।

29. Frustration of contract is provided by which section of the Indian Contract Act?
भारतीय संविदा अधिनियम की किस धारा में संविदा की विफलता के बारे में प्रावधान है?

(a) 73 (b) 70
(c) 2 (d) 56

Ans. (d) : भारतीय संविदा अधिनियम की धारा 56 में संविदा का विफलता (नैराश्यता) Frustration का सिद्धान्त समाहित है। इसके अनुसार, संविदा-पालन की असम्भवता संविदा के उन्मोचन का एक ढंग है। जब संविदा का पालन करना असम्भव हो जाय, तो वह शून्य हो जाती है। असम्भवता दो प्रकार की होती है–
(1) प्रारम्भिक असम्भवता (जहाँ करार शून्य होता है)
(2) पश्चात्वर्ती असम्भवता (जहाँ संविदा शून्य होती है)
यह संविदा करते समय ही पक्षकार जानते है कि पालन करना असम्भव है। इसमें संविदा करते समय तो वह पालन योग्य होती है, किन्तु किसी पश्चातवर्ती घटना के कारण, जो पक्षकारों के वश में न हो, संविदा का पालन करना असम्भव हो जाता है।

30. Some, all or none of the following statements are right. Answer using the code.
निम्नलिखित कथनों में से कुछ या सारे सही हैं या कोई भी सही नहीं है। कूट का उपयोग करते हुए उत्तर दीजिये–

(1) A minor is liable for breach of a contract to which he is a party/किसी संविदा का एक पक्षकार होने पर एक नाबालिग व्यक्ति पर भी संविदा-भंग का दायित्व होता है
(2) A minor is liable to pay for necessaries for his spouse/एक नाबालिग पर अपने/अपनी पति/पत्नी की आवश्यकताओं के भारवहन का दायित्व होता है
(3) Supply of necessaries to a minor is a contract/एक नाबालिग की आवयश्कता की पूर्ति एक संविदा है
(4) Necessaries supplied to a minor need not be according to his station in life, for the suplier to claim damages/एक पूर्तिकार द्वारा नुकसानी का दावा प्रस्तुत करने के लिए, एक नाबालिग को पूर्व की कई आवश्यकताएँ अनिवार्यतः उसके जीवन-स्थानक के अनुरूप होना आवश्यक नहीं है।

Codes:/कूट:

(a) All statements are right/सारे कथन सही है
(b) All statements are wrong/सारे कथन गलत है
(c) Only statement (iii) is right/केवल कथन (3) सही है
(d) Only statement (ii) is wrong/केवल कथन (2) गलत है

Ans. (c) : भारतीय संविदा अधिनियम 1872 की धारा 11 बताती है कौन संविदा कर सकता है जिसमें अव्यस्क तथा विकृत चित्त को संविदा करने में अयोग्य बताया गया है। परंतु अवयस्क के करार की क्या प्रस्थिति होगी इस विषय पर यह धारा मौन है। परन्तु न्यायालय द्वारा मोहीरी बीबी बनाम धर्मदास घोष के वाद में अव्यस्क के करार में प्रारम्भतः शून्य माना गया और निर्णत हुआ कि अवयस्क संविदा भंग हेतु दायी नहीं है। परन्तु अधिनियम की धारा 68 यह उपबन्ध करती है कि किसी अव्यस्क या पागल व्यक्ति को यदि आवश्यक वस्तु प्रदान की जाती है जो जीवन के लिए आवश्यक है तो वह संविदा मानी जाती है जिसे संविदा कल्प कहते हैं और उसकी सम्पत्ति से धन की वसूली की जा सकती है। अतः कथन (3) सही है। कथन (4) गलत है क्योंकि धारा 68 में अवयस्क केवल उसी परिस्थिति में दायित्वधीन है, जब उसके जीवन स्थानक (प्रास्थिति) के अनुसार आवश्यक वस्तु दी गयी हो। यदि ऐसी वस्तु दिया गया है, जो अवयस्क के लिए आवश्यक नहीं थी, तो उसकी पूर्ति नहीं कराया जा सकेगा।

31. Promissory estoppel against Government agencies is decided in:
सरकारी अभिकरणों के विरुद्ध वचनात्मक-विबंध का निर्णय किसमें मिलता है?

(a) Tweedle v. Atkinson, 4 L.T. 468/ट्विडल बनाम एटकिंसन, 4LT 468
(b) Button v. Poole, 83 L.R. 523/डट्टन बनाम पूल, 83 LR 423
(c) Delhi Clothi and General Mills Ltd. v. Union of India, AIR 1987 SC 2414/दिल्ली क्लॉथ एण्ड जनरल मिल्स लिमिटेड बनाम भारत संघ, AIR 1987 SC 2414
(d) Kedar nath v. Garie Mohd. ILR (1886) 14 Col 64/केदारनाथ बनाम गोरी मुहम्मद आई.एन.आर. (1886) 14 Col. 64

Ans. (c) : दिल्ली क्लॉथ एण्ड जनरल मिल्स लिमिटेड बनाम भारत संघ, AIR 1987 SC 2414 वचनात्मक विबन्ध सरकार के विरूद्ध प्रवर्तनीय है। उच्चतम न्यायालय ने सरकार के विरूद्ध वचनात्मक विबन्ध का सिद्धान्त लागू करते हुए यह अभिनिर्धारित किया कि सरकार अपने वचन से पीछे नहीं हट सकती तथा दी गयी रियायत वापस नहीं ली जा सकती तथा ट्विडल बनाम एटकिंसन और डट्टन बनाम पूल का वाद गुप्तता के सिद्धान्त से सम्बन्धित है।

32. Which one of the following statements is right?
निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) Two or more persons are said to consent when they agree upon something in some sense/जब दो या दो से अधिक व्यक्ति किसी बात पर किसी अर्थ में सहमत होते हैं तो इसे उनकी सहमति माना जाता है।
(b) Two or more persons are said to consent when they agree upon the same thing in the same sense/जब दो या दो से अधिक व्यक्ति समान बात पर समान अर्थ में सहमत होते हैं तो इसे उनकी सहमति माना जाता है।
(c) Two or more persons are said to enter into a contract when they agree upon the same thing in the same sense/जब दो या दो से अधिक व्यक्ति समान बात पर समान अर्थ में सहमत होते हैं तो इसे उनके बीच संविदा माना जाता है।

(d) Two or more persons are said to enter a quasi contract when they agree upon the same thing in the same sense/जब दो या दो से अधिक व्यक्ति समान बात पर समान अर्थ में सहमत होते हैं तो इसे उनके बीच अर्ध संविदा माना जाता है।

Ans. (b) : भारतीय संविदा अधिनियम 1872 की धारा 13 में सहमति की परिभाषा दी गयी है। 'दो या अधिक व्यक्ति सम्मत हुए तब कहे जाते हैं जबकि वे किसी एक बात पर एक ही भाव में सहमत होते हैं।' संविदा के दोनों पक्षकारों का एक ही बात पर एक ही अर्थ में मतैक्य होना आवश्यक है। संविदा निर्माण के लिए वास्तविक सम्मति होनी चाहिये भूल के कारण वास्तविक सम्मति उत्पन्न नहीं होनी चाहिये यदि सम्मति भूल से सम्मति है तो संविदा का निर्माण नहीं होता है।

33. If a person enters voluntarily into a sports event and receives grave injury, he has:
अगर कोई व्यक्ति स्वेच्छा से खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेता है और गम्भीर चोट पहुँचती है तो वह–

(a) a claim in torts for medical expenses though not for a loss of income/अपकृत्य में चिकित्सा खर्च का दावा कर सकता है न कि आय में हुए नुकसान का
(b) a claim in torts for loss of earning capacity/कमाने की क्षमता में हुए ह्रास का अपकृत्य के तहत दावा कर सकता है
(c) no claim in torts because the injury was not intentionally caused/अपकृत्य में कोई दावा नहीं कर सकता क्योंकि चोट जानबूझकर कारित नहीं की गई थी
(d) no claim in torts because of the principle volenti non fit injuria/सहमति दिये गये कृत्यों में क्षति नहीं होने के सिद्धान्त के कारण अपकृत्य में कोई दावा नहीं कर सकता

Ans. (d) : व्यक्ति द्वारा स्वीकृति के पश्चात किये गये कृत्य से विधिक दृष्टि में होती है। किसी कार्य के लिये स्वीकृति प्रदान कर देने से अपकृत्य का दावा करने का अधिकार समाप्त हो जाता है। सम्मति अभिव्यक्ति और विवक्षित किसी प्रकार की हो सकती है। विवक्षित सहमति पर हाल बनाम बुक लैण्ड्स ऑटो रेसिंग क्लब का मामला है।

34. 'Qui facit per alium facit per se' establishes the:
'क्वी फेसिट पर एलीयम फेसिट पर से' सिद्ध करता है:

(a) Liability under the Indian Penal Code
भारतीय दण्ड संहिता के अधीन दायित्व
(b) Liability under the law of torts
अपकृत्य विधि के अधीन दायित्व
(c) Vicarious liability/प्रतिनिधिक दायित्व
(d) Liability under the Indian Contract Act
प्रतिनिधिक दायित्व

Ans. (c) : सामान्य नियम यह है कि कोई भी व्यक्ति अपने कृत्यों के लिये दायी होता है परन्तु कुछ परिस्थितियाँ होती है जब कोई व्यक्ति अन्य व्यक्ति द्वारा किये गये कृत्यों के लिये भी उत्तरदायी होता है ऐसे दायित्व को प्रतिनिधिक दायित्व कहते हैं। Qui facit per alium facit per se का तात्पर्य होता है जो दूसरों के माध्यम से कार्य करता है वह विधि की दृष्टि में स्वयं कर्त्ता समझा जाता है। स्वामी अपने सेवक के अपकृत्य के लिये इसी सिद्धान्त पर उत्तरदायी होता है।

35. The rule of Absolute Liability was first laid down by:
पूर्ण दायित्व का नियम सर्वप्रथम प्रतिपादित किया गया:

(a) Lord Atkin in 1635/1635 में लॉर्ड एटकिन द्वारा
(b) Justice Blackburn in 1868/1868 में न्यायाधीश ब्लेकबर्न द्वारा
(c) Winfield in 1765/1765 में विनफील्ड द्वारा
(d) Chief Justice Holt in 1868/1868 में मुख्य न्यायाधीश हॉल्ट द्वारा

Ans. (*) : इस प्रश्न में पूर्ण दायित्व (Absolute Liability) का सिद्धान्त भारतीय विधि में M.C. Mehta Vs Union of India के वाद में मुख्य न्यायाधीश पी.एन. भगवती ने प्रतिपादित किया था और English Law में कठोर दायित्व (Strick Liability) का सिद्धान्त रोयलैण्ड्य बनाम ज्लैचर के वाद में ब्लैकबर्न द्वारा प्रतिपादित किया गया था। प्रश्न में सही विकल्प नहीं है जो न्यायाधीश भगवती होगा।

36. Res ipsa loquitur is:
परिस्थितयाँ स्वयं बोलती हैं, है

(a) Weapon of defence/बचाव का हथियार
(b) Weapon of offence/हमले का हथियार
(c) a defence of some factor which was beyond the control of the person who caused injury/यह उस व्यक्ति का बचाव है जिसके कारण चोट पहुँची वो परिस्थितियाँ उसकी पहुँच के बाहर थी
(d) a dangerous weapon/एक घातक हथियार

Ans. (a) : उपेक्षा के मामले में 'परिस्थितियां स्वयं बोलती है' का नियम बचाव का अच्छा साधन है। उपेक्षा के अपकृत्य में सामान्य नियम यह है कि अभिकथित उपेक्षा को सिद्ध करने का भार वादी पर है, परंतु यदि परिस्थितियां स्वयं इस बात को स्पष्ट करती है कि प्रश्नगत मामले में प्रतिवादी की उपेक्षा के कारण क्षति हुई वहां का भार समाप्त हो जाता है। सदैव यह उपधारणा तभी तथ्यों से एक मात्र निष्कर्ष यही निकले की घटना तब नहीं होती। परिस्थितियों स्वयं बोलती है, का नियम एक उपेक्षा के अपकृत्य हेतु आवश्यक तत्व निम्नवत् है—
(1) प्रतिवादी वादी के प्रति सावधानी बरतने का विधिक कर्त्तव्य धारण करता है
(2) प्रतिवादी ने उस कर्त्तव्य का उल्लंघन किया
(3) प्रतिवादी के कर्त्तव्य उल्लंघन के परिणामस्वरूप वादी को क्षाति हुई हो।

37. If A gives lift in his car to B upto a certain place and on the way due to negligence of A an accident is caused. A has:
'A' ने 'B' को अपनी कार में एक स्थान के लिये मुफ्त में बिठाया और रास्ते में 'A' की लापरवाही की वजह से दुर्घटना हो गई। 'A' का–

(a) no responsibility towards B/'B' के प्रति कोई जवाबदेही नहीं है
(b) no legal duty to take care of B's safety/'B' को सुरक्षा प्रदान करना उसका विधिक दायित्व नहीं है
(c) a legal duty to take care of B also and is liable for compensation/'B' को सुरक्षा प्रदान करने का विधिक और हर्जाना अदा करने का दायित्व है
(d) All of the above/उपर्युक्त सभी

Ans. (c) : जब किसी व्यक्ति द्वारा किसी तृतीय पक्षकार को लिफ्ट दिया जाता है तो लिफ्ट देने का कार्य उसका स्वयं का कार्य माना जायेगा। अब उसका कर्तव्य है कि वह उस तृतीय व्यक्ति के प्रति सावधान बरते, जब कोई व्यक्ति स्वयं की उपेक्षा (लापरवाही) की वजह से दुर्घटना करता है, तो उस तृतीय पक्षकार को क्षतिपूर्ति करेगा। यदि उस दुर्घटना से उसे क्षति हुई है। अतः (b) को सुरक्षा प्रदान करने का विधिक दायित्व है और वह उसका उल्लंघन करता है जिससे क्षति होती है तो क्षतिपूर्ति करेगा।

38. For an action of nuisance defendant can put up the following defence.
उप-ताप की कार्यवाही में प्रतिवादी निम्नलिखित बचाव का उपयोग कर सकता है:

(1) The place is suitable for the purpose/कि स्थान प्रयोजन के लिये यथोचित है
(2) It is for the benefit of the residents of the locality/कि यह इलाके के निवासियों के फायदे के लिये है
(3) It is done udner statutory authority/कि यह विधिक अधिकार के अध्यधीन किया गया है
(4) Plaintiff has consented to the act/कि वादी ने कार्य के लिये सहमति दी थी

Of the above statement/उपर्युक्त कथन में से–

(a) I, II and III are correct/1, 2 और 3 सही है
(b) II, III and IV are correct/2, 3 और 4 सही है
(c) I, III and IV are correct/1, 3 और 4 सही है
(d) III and IV are correct/3 और 4 सही है

Ans. (c) : उप-ताप को अंग्रेजी में Nuisance कहते हैं जिसका तात्पर्य क्षति पहुँचाना या बांधा उत्पन्न करना होता है। उपताप दो प्रकार के होते हैं– (1) लोक उपताप (2) व्यक्तिगत उपताप। लोक उपताप अपराध व अपकृत्य दोनों है। व्यक्तिगत उपताप केवल अपकृत्य है। उपताप के लिए आवश्यक तत्व अचल सम्पत्ति पर या उसके उपयोग या उपभोग में अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप अविधिपूर्ण ढंग से हो। उपताप के वाद में निम्न बचाव उपलब्ध होता है (i) स्वीकृति (ii) चिरभोगाधिकार (iii) अधिनियम द्वारा प्राधिकार।

39. Which of the following is the offence which is punishable in four stages?
निम्नलिखित में से कौन-सा ऐसा अपराध है जो चार चरणों में दण्डनीय है?

(a) Robbery/लूट (b) Dacoity/डकैती
(c) Murder/हत्या (d) Rape/बलात्कार

Ans. (b) : अपराध के चार चरण होते है। ये चरण निम्नलिखित है- (1) आशय (2) तैयारी (3) प्रयास (4) अपराध की पूर्णता। सामान्यता अपराध के प्रयास तथा अपराध की पूर्णता दण्डनीय है। कुछ अवस्था में तैयारी भी दण्डनीय है, जैसे भारतीय दण्ड संहिता की धारा 122, 33, 399 आदि। आशय सामान्यता दण्डनीय नहीं है, लेकिन 402 में दण्डनीय है। अतः डकैती एक मात्र अपराध जो सभी चार चरणों में दण्डनीय है।

40. 'A', 'B' and 'C' are joint owners of some property,'a' removes the property.
'A', 'B' और 'C' सम्पत्ति के संयुक्त मालिक है। 'A' सम्पत्ति को हटा लेता है।'

(a) 'A' is not guility of theft as property belongs to him/'A' चोरी का अपराधी नहीं है क्योंकि वह सम्पत्ति का मालिक है
(b) 'A' is guility of theft as he is only a joint owner/'A' चोरी का अपराधी है क्योंकि वह सम्पत्ति का सिर्फ संयुक्त मालिक है
(c) 'A' is guilty of criminal misappropriation/'A' आपराधिक दुर्विनियोजन का अपराधी है
(d) 'A' is guility of breach of trust/'A' न्यास भंग का अपराधी है

Ans. (a) : प्रस्तुत मामले में 'A' चोरी के अपराध का दोषी नहीं है। चूंकि A भी B और C के साथ संयुक्त स्वामी है और उसने मात्र सम्पत्ति को हटाया है। यहां बेईमानीपूर्ण आशय का अभाव है। इसलिए चोरी के सभी आवश्यक तत्व पूरे नहीं हो रहे हैं। वहां आपराधिक दुर्विनियोग का अपराध भी नहीं बनता क्योंकि आपराधिक दुर्विनियोग तभी होगा जब सम्पत्ति ऐसी हो कि किसी के कब्जे में न हो और अपने लाभ के लिए प्रयोग किया हो। यहां न्यासभंग का अपराध भी नहीं होगा क्योंकि सम्पत्ति A को न्यस्त नहीं की गयी है।

41. Which of the following statement is correct?
निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) Section 34 of I.P.C. is only a rule of evidence/भारतीय दण्ड संहिता की धारा 34 सिर्फ एक साक्ष्य का नियम है
(b) Section 34 of I.P.C. does not create a substantive offence/भारतीय दण्ड संहिता की धारा 34 अपने आप में सारभूत अपराध नहीं बनाता है
(c) Both (A) and (B) are correct/उपर्युक्त और दोनों सही है
(d) None of these/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 34 सामान्य आशय को अग्रसर करने में कई व्यक्तियों द्वारा किया गया कार्य का अर्थ है ''पूर्व नियोजित योजना के अनुसार एक ही उद्देश्य के लिये किया गया कार्य।'' धारा 34 साक्ष्य का नियम है यह धारा स्वयं अपने आप में दण्डनीय नहीं है। यह किसी विशिष्ट अपराध का सृजन नहीं करता है। उपरोक्त प्रश्न में (a) और (b) दोनों सही है।

42. 'A' instigates 'B' is kidnap son of 'Z' 'B' instigates to do so and 'C'. kidnaps son of 'Z'.
'A', 'B' को 'Z' के लड़के का हरण करने के लिए उकसाता है। 'B', 'C' को ऐसा करने को उकसाता है और 'C', 'Z' के लड़के का हरण कर लेता है।

(a) Only B is guilty of abetting C/सिर्फ 'B' ही 'C' को उकसाने का अपराधी है
(b) nly A is guilty of abetment/सिर्फ 'A' ही उकसाने का अपराधी है
(c) Both A and B are guilty of abetment/'A' और 'B' दोनों उकसाने के अपराधी है
(d) None of thse/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : भारतीय दण्ड संहिता 1860 का अध्याय V (धारा 107 से 120) दुष्प्रेरण से सम्बन्धित है।
धारा 107 दुष्प्रेरण को परिभाषित करता है कि वह व्यक्ति किसी बात का दुष्प्रेरण करता है जो–
(i) उस बात को करने के लिये किसी व्यक्ति को उकसाता है अथवा
(ii) उस बात को करने के लिए किसी षड्यंत्र में एक या अधिक अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों के साथ सम्मिलित होता है, यदि उस षड्यंत्र के अनुकरण में, और उस बात करने के उद्देश्य को कोई कार्य या अवैध लोभ घटित हो जाए, अथवा

(iii) उस बात को किए जाने में किसी कार्य या कार्य रूप साशय सहायता करता है।

दुष्प्रेरण का दुष्प्रेरण भी अपराध होता है। धारा 108 का IV स्पष्टीकरण अपराध का दुष्प्रेरण अपराध होने के कारण, ऐसे दुष्प्रेरण भी अपराध है।

कार्य किया जाय या नहीं। अतः A, B दोनों दुष्प्रेरण के अपराध के दोषी है।

43. Assertion (A): X and Y had independantly entertained the idea to kill Z. Accordingly each separately inflicts wounds on Z. Z dies. X and Y can be tried jointly.

अभिकथन (A): 'X' और 'Y' ने स्वतंत्र रूप से 'Z' की हत्या कारित करने का विचार किया, अस्तु दोनों ने 'Z' पर अलग-अलग से चोटें पहुँचायी। 'Z' की मृत्यु हो गई। 'X' और 'Y' का संयुक्त विचारण हो सकता है।

Reason (R): Two or more persons can be tried jointly if the act, resulting in an offence, is done in furtherance of a common intention.

तर्क (R): दो या उसे ज्यादा व्यक्तियों का संयुक्त विचारण हो सकता है बशर्ते कि वह कार्य जो अपराध की श्रेणी में आता है सामान्य आशय की पूर्ति हेतु किया गया हो।

Select your answer using the codes given below:

निम्नलिखित कूटों का उपयोग करते हुये अपना उत्तर चुनिये–

(a) Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A)/(A) तथा (R) दोनों सही है तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है

(b) Both (A) and (R) are correct and (R) is not the correct explanation of (A)/(A) तथा (R) दोनों सही है तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है

(c) (A) is correct, but (R) is incorrect/(A) सही है, परंतु (R) गलत है

(d) (A) is incorrect, but (R) is correct/(A) गलत है, परंतु (R) सही है

Ans. (d) : दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 223 के अंतर्गत यह बताया गया है कि किन परिस्थितियों में किन्हीं व्यक्तियों पर संयुक्त आरोप लगाया जा सकता है और एक साथ विचारण हो सकेगा।

यदि स्वतंत्र रूप से दो व्यक्ति अलग-अलग विचार करके एक व्यक्ति पर हमला करके हत्या कर देते हैं, तो उनका मात्र समान आशय है इसलिए वे एक साथ विचारित नहीं किये जा सकते है। अतः कथन (A) गलत है।

संहिता के धारा 423 के खण्ड (a) के अनुसार वे व्यक्ति जिन पर एक ही संव्यवहार में किये गये अपराध का अभियोग है। एक साथ आरोप लगाया और विचारित किया जा सकेगा। कोई अपराध एक ही संव्यवहार के अनुक्रम में तभी माना जायेगा, जब वह अपराध सबके सामान्य आशय के अग्रसरण में हो। अतः कारण (R) सही है।

44. 'Y' picks 'X's pocket Next day, 'X while buying paan near his office finds 'Y' paying money from his (X's) purse. 'X' catches hold of 'Y' and tries to take back his purse. 'Y' resis. 'X twists 'Y's' arm with such force that it is broken 'X is charged with causing hurt to 'Y'. In his defence 'X' can:

'A' ने 'X' की पॉकेट मार ली। अगले दिन जब 'X' अपने कार्यालय ने नजदीक पान खरीद रहा था। ('X' को पैसे से) देते हुए देखता है। 'X', 'Y' को पकड़ लेता है अपना पर्स वापित लेने की कोशिश करता है। 'Y' प्रतिरोध करता है 'X', 'Y' की बाँह बलपूर्वक मरोड़ता है जिससे बाँह टूट जाती है। 'X' को 'Y' को चोट पहुँचाने के लिये आरोपित किया जाता है। 'X' अपने बचाव में कह सकता है कि–

(a) say that he was acting under right of private defence of property/वह सम्पत्ति की निजी सुरक्षा के अधिकार के अध्यधीन ऐसा कर सकता है

(b) not raise the plea of right of private defence since he had time to wseek the help of public authorities/वह निजी सुरक्षा के अधिकार का बचाव नहीं ले सकता क्योंकि उसे लोकसेवक की मदद प्राप्त करने का समय उपलब्ध था

(c) say that his right of private defence revived as soon as he saw Y with his purse/उसका सम्पत्ति की सुरक्षा का अधिकार उस वक्त पुनः प्राप्त हो गया जब उसने 'Y' को अपने पर्स के साथ देखा

(d) say that he did not use more force than was required/उसने आवश्यकता से ज्यादा बल का प्रयोग नहीं किया था

Ans. (b) : भारतीय दण्ड संहिता 1860 के अध्याय-4 धारा 105 से सम्बन्धित है प्राइवेट प्रतिरक्षा का अधिकार कब प्रारम्भ होता है तथा कब तक बना रहता है प्रस्तुत मामला चोरी के सम्बन्ध में है- प्राइवेट प्रतिरक्षा चोरी के विरूद्ध है–

(1) सम्पत्ति सहित अभियुक्त के उसके पहुंच से बाहर हो जाने तक या

(2) लोक पदाधिकारियों की सहायता अभिप्राप्त कर लेने तक या

(3) सम्पत्ति के प्रत्युद्धृत (Recovered) हो जाने तक बना रहता है।

अतः उपरोक्त समस्या में (A) पाकेटमार 'X' की सम्पत्ति सहित कब्जे से बाहर चला गया तो 'X' अब लोक अधिकारी की सहायता ले सकता है परन्तु प्राइवेट प्रतिरक्षा का उपयोग नहीं कर सकता है अतः (b) सही है।

45. Given below are two statements. One is labelled as Assertion (A) and other is labelled as Reason (R). Select correct code combination.

इस प्रश्न में दो कथन है। एक अभिकथन अंकित है तथा दूसरा तर्क अंकित है। इन कथनों को जाँचियें और कूट के सही संयोजन का चयन कीजिये–

Assertion (A): Physical Research Laboratory, Ahmedabad was held not to be an 'industry' by the Supreme Court.

अभिकथन (A) : सर्वोच्च न्यायालय द्वारा घोषित किया गया कि फिजिकल रिसर्व लैब अहमदाबाद 'उद्योग' नहीं है।

Reason (R): Since it is carrying on research not for the benefit of self. Moreover, it is not engaged in commercial activities.

कारण (R) : जब तक कि वह स्वयं के लाभ के लिए कार्य करता है या वाणिज्यिक गतिविधि में लिप्त न हो।

Codes:/

(a) (A) is corect, but (R) is wrong/A सही है, R गलत है

(b) Both (A) and (R) are wrong/A और R दोनों गलत है

(c) (A) is wrong, but (R) is correct
A गलत है, R सही है

(d) Both (A) and (R) are correct
A और R दोनों सही है

Ans. (d) : फिजिकल (Physical) रिसर्च लेबोरेटरी इम्पलाइज यूनियन बनाम ए.एन. राय के मामले में न्यायालय ने कहा कि– फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी, अहमदाबाद एक उद्योग नहीं है। यह व्यावसायिक गतिविधियों में सम्मिलित नहीं है। रिसर्च स्वयं के लाभ के लिए ही नहीं होता बल्कि अधिकाधिक लोगों के लाभ के लिए होता है।

46. Select correct code combination relating to "Closure".
''बन्दी'' सम्बन्धी सही कोड संयोजन का चुनाव कीजिये–

1. **Employment relationship severed/रोजगारी के सम्बन्धों का विच्छेदन**
2. **Suspension of Employment relationship/ रोजगारी के सम्बन्धों का निलम्बन**
3. **End of bargaining/सौदेबाजी का अन्त**
4. **To compel workmen to accept terms and conditions in the course of bargaining सौदेबाजी के अन्तर्गत कर्मकार को निबन्धन और शर्त मानने पर बाध्य करना है**
5. **Permanent closing down of employer's business/नियोजक के कारोबार को स्थायी रूप से बन्द करना**
6. **Deliberate temporary closing of a place of employment/सोची समझी कारोबार की जगह को अस्थायी रूप से बन्द करना**
7. **Not in consequence of an industrial dispute/औद्योगिक विवाद के परिणामस्वरूप नहीं**

Codes:/कूटः

(a) (1), (3), (5) and (7)/1, 3, 5 और 7

(b) (2), (4), (6) and (7)/2, 4, 6 और 7

(c) (3), (5), (6) and (7)/3, 5, 6 और 7

(d) (2), (3), (5) and (7)/2, 3, 5 और 7

Ans. (d) : औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 25(o) के अन्तर्गत उपक्रम को बन्द किये जाने के आशय की सूचना देने सम्बन्धी प्रावधान किये गये है–
(1) बन्दी में कर्मकारों और उनके नियोजकों के बीच नियोजन सम्बन्ध समाप्त हो जाता है।
(2) बन्दी में नियोजक सौदेबाजी को समाप्त कर देता है।
(3) बन्दी सदैव के लिए होती है फिर नियोजक को नियोजिती को काम पर रखने की कोई आवश्यकता नहीं रह जाती ।
(4) बन्दी का कारण औद्योगिक विवाद होना आवश्यक नहीं है।

47. Which one of the following is not an 'Industry'.
निम्नलिखित में से कौन उद्योग नहीं है?

(a) Forest Department of State/राज्य का वन विभाग

(b) Indian Red Cross Society/इण्डियन रेड क्रास सोसाइटी

(c) Federation of Indian Chamber of Commerce & Industries/फेडरेशन ऑफ इण्डियन चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इण्डस्ट्रीज

(d) Khadi and Village Industries Board/खादी एवं विलेज इण्डस्ट्रीज बोर्ड

Ans. (b) : इंडियन रेड क्रास सोसाइटी बनाम एडिशनल लेबर कोर्ट और अन्य के मामले में कहा गया कि– इंडियन रेड क्रास सोसाइटी उद्योग नहीं है।

48. Which of the following do not relate to "Industrial dispute"?
निम्नलिखित में से ''औद्योगिक विवाद'' सम्बन्धित कौन नहीं है?

(a) Dispute or difference connnected with employment of/रोजगारी सम्बन्धित विवाद का मतभेद या विवाद

(b) Dispute or difference connected with non-employment of/बेरोजगारी सम्बन्धित विवाद या मतभेद

(c) Dispute or difference connected with the terms of employment or with the conditions of labour/रोजगारी के निबन्धन और श्रम की शर्तें से सम्बन्धित विवाद या मतभेद

(d) Dispute or difference connected with the election of a trade union/श्रमिक संघ के निर्वाचन से सम्बन्धित विवाद या मतभेद

Ans. (d) : औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 2(K) के अनुसार– औद्योगिक विवाद का अर्थ है कोई झगड़ा या मतभेद जो नियोजकों और कामगारों के बीच में अथवा कामगारों और कामगारों के बीच में हो, जिसका सम्बन्ध नियोजन और अनियोजन से हो अथवा नियोजन की शर्तों से सम्बन्धित हो या श्रमिकों की दशा से अथवा किसी व्यक्ति से हो।
इस प्रकार इस परिभाषा से स्पष्ट है कि श्रमिक संघ के निर्वाचन से सम्बन्धित विवाद या मतभेद औद्योगिक विवाद नहीं है।

49. A certificate of registration of a trade union is:
श्रमिक संघ के पंजीकरण का प्रमाण पत्र–

(a) Rebuttable evidence/खंडनीय साक्ष्य है

(b) Irrebuttable evidence/अखंडनीय साक्ष्य है

(c) Conclusive evidence/निश्चायक साक्ष्य है

(d) None of the aboveउपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : श्रमिक संघ के पंजीकरण का प्रमाण-पत्र भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 के अन्तर्गत साक्ष्य है। यह एक निश्चायक साक्ष्य है।

50. Which of the following is not related to "settlement"?
निम्नलिखित में से कौन 'परिनिर्धारण' से सम्बन्धित नहीं है?

(a) Strike/हड़ताल (b) Lock-out/तालाबन्दी

(c) Retrenchment/छँटनी (d) Conciliation/सुलह

Ans. (c) : हड़ताल, तालाबन्दी और सुलह सेटलमेंट से सम्बन्धित है जबकि छँटनी में सेटलमेंट का प्रावधान नहीं है।

यू.जी.सी./एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2010
LAW (विधि)
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

निर्देश: इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1. Requirement of 'reasonablenss' runs like a golden thread through the entire fabric of foundamental rights is held in:
''युक्तियुक्तता की अपेक्षा, स्वर्ण धागे की तरह से मौलिक अधिकारों के सम्पूर्ण तन्तु में से जाती है'', यह निम्नलिखित में माना गया है:

(a) Keshavananda Bharthi v. State of Kerala
केशवानन्द भारती बनाम केरल राज्य

(b) Indra Sawhney v. Union of India
इन्द्रा साहनी बनाम भारत संघ

(c) Vishaka v. State of Rajasthan
विशाखा बनाम राजस्थान राज्य

(d) Moneka Gandhi v. Union of India
मेनका गाँधी बनाम भारत संघ

Ans. (d) : मेनका गाँधी बनाम भारत संघ (1978) S.C. के वाद जस्टिस पी. एन. भगवती ने कहा कि ''युक्तियुक्तता की अपेक्षा'' स्वर्ण धागे की तरह से है जो मौलिक अधिकारों के सम्पूर्ण तन्तु में से जाती है।

2. 'Right to life' does not include 'right to die' it has been held in case of:
'जीने के अधिकार' में 'मृत्यु का अधिकार' समाविष्ट नहीं है। यह निम्नलिखित वाद में माना गया है:

(a) P. Rathinam v. Union of India/पी. रतिनाम बनाम भारत संघ

(b) Bandhua Mukti Morcha v. Union of India/बन्धुआ मुक्ति मोर्चा बनाम भारत संघ

(c) A.k. Gopalan v. State of Madras/ए.के. गोपालन बनाम मद्रास राज्य

(d) Gian Kaur v. State of Punjab/ज्ञान कौर बनाम पंजाब राज्य

Ans. (d) : ज्ञान कौर बनाम पंजाब राज्य (1996 SC) के वाद में उच्चतम न्यायालय ने कहा की जीने के अधिकार में मृत्यु का अधिकार समाविष्ट नहीं है।

3. Fundamental Rights are:
मौलिक अधिकार–

(a) Unrestricted Rights/अप्रतिबन्धित अधिकार है

(b) Absolute Rights/निरपेक्ष अधिकार है

(c) Restricted Rights/प्रतिबन्धित अधिकार है

(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं है

Ans. (c) : मौलिक अधिकार भारतीय संविधान में अनु. 12 से 35 तक उल्लिखित है जिसके अनुसार मौलिक अधिकार अप्रतिबन्धित न होकर एक प्रतिबन्धित अधिकार है। जिस पर निर्बन्धन लगाया जा सकता है। जब राष्ट्रीय आपात लगा हो तथा अनु. 33 एवं 34 और अनुच्छेद 19(2) से (6) तक में आदि।

4. Right against 'Double jeopardy' is guaranteed under:
'दोहरे खतरे' के विरुद्ध अधिकार की गारण्टी निम्नलिखित के अन्तर्गत की जाती है।

(a) Article 21/अनुच्छेद 21

(b) Article 20(1)/अनुच्छेद 20(1)

(c) Article20 (2)/अनुच्छेद 20(2)

(d) Article22 (1)/अनुच्छेद 22(1)

Ans. (c) : संविधान के अनु. 20(2) में दोहरे खतरे के सिद्धान्त के विरुद्ध अधिकार का संरक्षण प्रदान किया है जिसके अनुसार किसी व्यक्ति को एक ही अपराध के लिए एक बार से अधिक अभियोजित और दण्डित नहीं किया जायेगा। इससे सम्बन्धित वाद मकवुल हसन बनाम मुम्बई राज्य (1967) s.c. का है।

5. Assertion (A): An accused person cannot be compelled to give his thumb impression, except for comparion;
Reason (R): It amounts to self-incrimination
अभिकथन (A): अभियुक्त व्यक्ति को, सिवाय तुलना के लिये, अंगूठे की छाप देने के लिये विवश नहीं किया जा सकता है।
कारण (R): इसमें आत्मा अभिशंसन होता है।
कूट:

(a) Both (A) and (R) are true and (R), is the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है

(b) Both (A) and (R) are true and (R), is not correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही है लेकिन (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है

(c) (A) is true, but (R) is false/(A) सही है लेकिन (R) गलत है

(d) (A) is false, but (R) is true/(A) गलत है लेकिन (R) सही है

Ans. (d) : भारतीय संविधान के अनु. 20(3) पर आधारित आत्मअभिशंसय (Self Incrimination) के सिद्धान्त के विरुद्ध संरक्षण का प्रावधान किया गया है- जिसकी निम्न शर्ते है-
(1) व्यक्ति पर अपराध करने का आरोप लगाया है
(2) उसे अपने विरुद्ध साक्ष्य देना हो।
(3) उसे अपने ही विरुद्ध साक्ष्य देने के लिए बाध्य किया जाय।
प्रस्तुत समस्या स्टेट आफ बाम्बे बनाम काठी कालू (1961) (S.C.) के वाद पर आधारित हैं

6. Which of the following writ can be issued against the unsupation of public Office?
लोक कार्यालय को हथियाने के विरुद्ध निम्नांकित में से कौन सा 'रिट' किया जा सकता है?

(a) Writ of Mandamus/परमादेश लेख

(b) Writ of Certiorari/उत्प्रेषण लेख
(c) Writ of Quo warranto/अधिकार पृच्छा का लेख
(d) Writ of Prohibition/प्रतिषेध लेख

Ans. (c) : क्वो वारण्टो का अर्थ होता है कि आपके 'नियुक्ति का आधार क्या है'। यह किसी स्वतन्त्र अधिष्ठायी लोकपद, विशेषाधिकार या अधिकार के अधिभोगी अथवा अनाधिकार ग्राही के विरुद्ध एक न्यायिक उपचार है। इस रिट को जारी करके सम्बन्धित व्यक्ति से न्यायालय यह बताने को कहता है कि वह किस प्राधिकार से पद विशेषाधिकार या अधिकार को धारण करता है।

7. Consider the following statements:
निम्नांकित कथनों पर विचार करें–

1. **Equitable ownership always pre-supposes the existence of a legal ownership/साम्यापूर्ण स्वमित्त्व सर्वदा विधिक स्वामित्त्व के अस्तित्व का पूर्वानुमान करता है।**
2. **When property is given by A to B for the benefit of C, B becomes the legal owner and C the equitable owner/जब A द्वारा C के हित के लिये B को सम्पत्ति दी जाती है, तो B विधिक स्वामी तथा C साम्यापूर्ण स्वामी हो जाता है।**
3. **In many cases, equity recognizes ownership whereas law does not recognize ownership owing to some flaw or defect.बहुत सी स्थितियों में, साम्या, स्वामित्व को मान्यता देती है, जबकि विधि कतिपय दोष या कमी के कारण स्वामित्व को मान्यता नहीं देती है।**
4. **Contingent ownership is spes succession/ समाश्रित स्वामित्त्व स्पेस सक्सेसनिज है।**

कूट:
(a) I, II and III are correct/1, 2 एवं 3 सही है
(b) II and III are correct/2 एवं 3 सही है
(c) I and II are correct/1 एवं 2 सही है
(d) III and IV are correct/3 एवं 4 सही है

Ans. (c) : विधिक स्वामित्व वह है जिसकी उत्पत्ति कामन लॉ के नियमों से होती है और साम्यिक स्वामित्व की उत्पत्ति साम्या के नियमों से होती है। वह स्वामित्व जिसे विधि मान्यता देती है, उसे विधिक स्वामित्व कहते है तथा जिसे साम्या मान्यता देती है उसे साम्यिक स्वामित्व कहते है। कभी-कभी ऐसा होता है कि साम्या तो स्वामित्व को मान्यता देती है, परन्तु कुछ विधिक त्रुटियों के कारण विधि स्वामित्व को मान्यता नहीं देती।

8. **Assertion (A):** Ownership is not only a juridical concept but also a social concept and an instrument of social policy.
Reason (R): The right of alienation is not a necessary incident of ownership
कथन (A): स्वामित्त्व न केवल एक विधिक संप्रत्यय है अपितु एक सामाजिक संप्रत्यय एवं सामाजिक नीति का उपकरण भी है।
कारण (R): अंतरण का अधिकार स्वामित्त्व का आवश्यक अभिलक्षण नहीं है।
Codes/कूट:
(a) Both (A) and (R) are true and (R), is the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है
(b) Both (A) and (R) are true and (R), is not correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही है लेकिन (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है
(c) (A) is true, but (R) is false/(A) सही है लेकिन (R) गलत है
(d) (A) is false, but (R) is true/(A) गलत है लेकिन (R) सही है

Ans. (b) : आस्टिन के अनुसार, स्वामित्व किसी एक निश्चित वस्तु पर एक ऐसा अधिकार है जो समुचित दुनिया के विरुद्ध उपलब्ध है और जो उपयोग की दृष्टि से अनिश्चित व्ययन की दृष्टि से अर्निबंधित और अवधि की दृष्टि से असीमित है।
स्वामित्व के संघटक -------निम्नलिखित है।
(1) कब्जे का अधिकार।
(2) सम्पत्ति के उपभोग का अधिकार।
(3) सम्पत्ति के अन्तरण का अधिकार।
(4) स्वामित्व समय के अनुसर अनिर्धारित।
(5) स्वामित्व प्रकृति में अवशिष्ट होता है।

9. **H.L.A Hart is a:**
एच.एल.ए. हार्ट है–
(a) Linguistic philosopher/भाषाविद दार्शनिक
(b) Realist philosopher/यथार्थवादी दार्शनिक
(c) Socialist philosopher/समाजवादी दार्शनिक
(d) Post-modernist philosopher
उत्तर-आधुनिकवादी दार्शनिक

Ans. (d) : एच. एल. ए. हार्ट उत्तर आधुनिकवादी दार्शनिक है इनकी प्रमुख कृति द कान्सेप्ट ऑफ लॉ है। इन्होंने अपने विधिक सिद्धान्त की व्याख्या नियमों की व्यवस्था के रूप में किया है।

10. Match List-I with List-II and select the correct answer using the codes given below:
सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिए:

List-I/सूची-I (Theories)(सिद्धान्त)	List-II/सूची-II (Jurists)(विधिवेत्ता)
A. The general will theory सामान्य इच्छा का सिद्धान्त	1. Kelsen/केल्सन
B. Justice as common good/सामान्य भलाई के रूप में न्याय	2. Ihering/इहरिंग
C. Law as a means to achieve social ends/ सामाजिक लक्ष्यों की प्राप्ति के साधन के रूप में विधि	3. Rousseau/रूसो
D. Grundnorm theory ग्रण्डनॉम का सिद्धान्त	4. Finnis/फिनिस

Codes:/कूट:

	A	B	C	D
(a)	2	4	1	3
(b)	2	3	4	1
(c)	3	2	1	4
(d)	3	4	2	1

Ans. (d**) :**

(a)	सामान्य इच्छा का सिद्धान्त	-	रूसो
(b)	सामान्य भलाई के रूप में न्याय	-	फिनिस
(c)	सामाजिक लक्ष्यों की प्राप्ति के साधन के रूप में विधि	-	इहरिग
(d)	ग्रण्ड नार्म का सिद्धान्त	-	केल्सन

11. 'X' plaintiff found a parcel of notes on the floor of 'Y' the defendant's shop. Who is in possession of notes?
'X' वादी ने, 'Y' प्रतिवादी की दुकान के फर्श पर नोटों का एक पार्सल प्राप्त किया। उन नोटों पर किसका कब्जा है?

(a) 'X'
(b) 'Y'
(c) Government/सरकार
(d) Both 'X' and 'Y'/'X' एवं 'Y' दोनों

Ans. (a**) :** प्रस्तुत समस्या ब्रिजेश बनाम हाक्सवर्थ (1851) के वाद पर आधारित है, जिसके अनुसार X वादी उन नोटो पर कब्जा पाने का अधिकारी होगा। क्योंकि प्रतिवादी का उन बैंक नोटो पर पहले से कब्जा नहीं था जो वादी के दावे पर अभिभावी हो सके।

12. Consider the names of the following natural law jurists:
प्राकृतिक विधि से सम्बन्धित विधिवेत्तओं के निम्नलिखित नामों पर विचार कीजिये–

(1) Morris/मोरिस
(2) Stammler/स्टैमलर
(3) Rawls/राल्स
(4) Jerome Hall/जेरोम हाल

The chronological order in which these jurists appeared of the scene:
सही क्रम जिसमें इन विधिवेत्ताओं का प्रादुर्भाव हुआ था, है।

(a) IV, II, I and III/4, 2, 1 एवं 3
(b) I, III, II and IV/1, 3, 2 एवं 4
(c) III, II, IV, and I/3, 2, 4 एवं 1
(d) II, III, I, and IV/2, 3, 1 एवं 4

Ans. (c**) :** विधिवेत्ताओं का प्रादुर्भाव का काल निम्न है-
(1) राल्स (2) स्टैमलर (3) जेरोम हाल (4) मोरिस

13. Which of the following is principal organ of the Unitd Nations?
संयुक्त राष्ट्र का मुख्य अंग निम्नांकित में से कौन-सा है?

(a) Human Rights Committee/मानवाधिकार समिति
(b) Economic and social Council
आर्थिक एवं सामाजिक परिषद्
(c) International Labour Organization
अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन
(d) International Law Association/अन्तर्राष्ट्रीय विधि संघ

Ans. (b**) :** संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनु. 7 के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र के मुख्य अंग निम्न है-
(1) महासभा (2) सुरक्षा परिषद (3) आर्थिक और सामाजिक परिषद (4) न्यासिता परिषद (5) अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय (6) सचिवालय

14. India is not a party to:
भारत निम्नलिखित का पक्षकार नहीं है।

(a) International Convanant on Economic, Social and Cultural Rights, 1966/अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकार प्रसंविदा, 1966
(b) International Convenant on Civil and Political Rights, 1966/अन्तर्राष्ट्रीय नागरिक एवं राजनीतिक अधिकार प्रसंविदा, 1966
(c) Optional Protocol to International Convenant on Civil and Political Rights, 1966/अन्तर्राष्ट्रीय नागरिक एवं राजनीतिक अधिकार प्रसंविदा पर स्वैच्छिक उपसंधि, 1966
(d) Convention on Elimination of Discrimination against Women (CECAW), 1979/महिला विरुद्ध भेदभाव उन्मूलन प्रसंविदा, 1979

Ans. (c**) :** भारत, अन्तर्राष्ट्रीय नागरिक एवं राजनीतिक अधिकार प्रसंविदा पर स्वैच्छिक उपसंधि, 1966 का पक्षकार नहीं है।

15. Treaty, in principle, binds the states parties to the treaty. A state becomes party to the treaty by:
सैद्धांतिक तौर पर, संधि, राष्ट्रों के पक्ष को संधि के साथ बाँधती है। निम्नलिखित के द्वारा राष्ट्र संधि का पक्षकार बन जाता है–

(a) Signing the treaty/संधि पत्र पर हस्ताक्षर करके
(b) Ratifying or acceding to the treaty/संधि को मान कर या उसे अनुसमर्थन करके
(c) Enacting domestic legislation to implement the treaty/संधि क्रियान्वित करने के लिये घरेलू कानून पारित करना
(d) Enforcing the treaty by way of conduct/आचार के जरिये संधि लागू करवाना

Ans. (a**) :** सैद्धान्तिक तौर पर सन्धि राष्ट्रों के पक्ष को सन्धि के साथ बाँधती है तथा एक राष्ट्र सन्धि का पक्षकार उस समय से बन जाता है जब वह सन्धि पत्र पर हस्ताक्षर कर देता है न कि सन्धि को मानकर या उसके अनुसमर्थन करके।

16. Which of the following can request the International Court of Justice to give an advisory opinion?
अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय को परामर्शदायी राय देने के लिये निम्नलिखित में से कौन निवेदन कर सकता है?

(a) State/राष्ट्र
(b) General Assembly/महासभा
(c) International Law Commission
अन्तर्राष्ट्रीय विधि आयोग
(d) Individual/व्यक्ति

Ans. (b) : अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय के संविधान के अनु. 65 में सलाहकारी राय को बताया गया है तथा संयुक्त राष्ट्र के चार्टर अनु. 96 के अनुसार महासभा या सुरक्षा परिषद अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय से किसी विधिक प्रश्न पर सलाहकारी राय देने का अनुरोध कर सकेगी।

17. **Assertion (A):** To promote and encourage respect for human rights is one of the purposes of the United Nations.

Reason (R): The Charter of United Nations conceptualizes, substantiates and speels out human rights which are to be promoted by the member states.

अभिकथन (A) : मानवाधिकारों के लिये सरकार को बढ़ावा देना और उस उत्साहित करना संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्यों में से एक है।

कारण (R) : संयुक्त राष्ट्र का अधिपत्र मानवाधिकारों का प्रत्ययीकरण, अभिपुष्टि करता है और जिन्हें उत्साहित करके बढ़ाना है जिन्हें सदस्य राष्ट्रों द्वारा बढ़ावा दिया जाता है।

Codes:/कूट:

(a) Both (A) and (R) are true and (R), is the correct explanation of (A) / (A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है

(b) Both (A) and (R) are true and (R), is not correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही है लेकिन (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है

(c) (A) is true, but (R) is false/(A) सही है लेकिन (R) गलत है

(d) (A) is false, but (R) is true/(A) गलत है लेकिन (R) सही है

Ans. (a) : संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के अनु. (1)3 में मानवाधिकारो के लिए सरकार को बढ़ावा देना और उसें उत्साहित करना संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्यो में से एक है। वही संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनु. 55(C) में संकल्पना की गयी है कि मानव अधिकारों का विश्वव्यापी आदर और उनके पालन की अभिवृद्धि की जायेगी।

18. **Match the statement in List-I with its author in List-II and with the help of codes given below, point out the correct answer.**

सूची-I के कथनों का सूची-II के लेखकों से मिलान करें तथा नीचे दिए गए कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिये–

List-I/सूची-I (Statement)(कथन)	List-II/सूची-II (Author)(लेखक)
A. International law is not true law but positive international morality/अंतर्राष्ट्रीय विधि यथातथ्य विधि नहीं हैं, परन्तु सकारात्मक अंतर्राष्ट्रीय नैतिकता है।	**1. John Austin जॉन ऑस्टिन**
B. International Customary law is deemed automatically to be part of common law/अंतर्राष्ट्रीय प्रथागत विधि को स्वचलित रूप से लोक विधि का भाग समझा जाता है।	**2. William Blacstone विलियम ब्लैकस्टोन**
C. Opinion juris sive necessitates is not a condition precedent for the existence of international custom अंतर्राष्ट्रीय प्रथा की मौजूदगी के लिये ''ओपिनो ज्युरिस साइव नेसेसिटेटिस'' पूर्ववर्ती शर्त नहीं है	**3. Michael Akehurst माइकल एकहर्स्ट**
D. Genral Assembly Resolutions, in general, does not create legal obligation to comply with them but a resolution recommending to an administering State a specific course of action creates some legal obligation /महासभा के प्रस्ताव, सामान्यता, उनके पालन के कानूनी दायित्व नहीं सृजित करते हैं, परन्तु वहां प्रस्ताव शासी राष्ट्र को कार्यवाही की विशिष्ट दिशा बताता है जो कुछ कानूनी दायित्व उत्पन्न करता है।	**4. Hersch Lauterpacht हर्ष लॉटेरपाश**

Codes/कूट:

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	3	1	4
(c)	3	4	1	2
(d)	4	2	3	1

Ans. (a) :

(a) अंतर्राष्ट्रीय विधि यथातथ्य विधि नहीं हैं, परन्तु सकारात्मक अन्तर्राष्ट्रीय नैतिकता है - जान आस्टिन

(b) अंतर्राष्ट्रीय प्रथागत विधि को स्वचलित रूप से लोक विधि का भाग समझा जाता है - विलियम ब्लैक स्टोन

(c) अंतर्राष्ट्रीय प्रथा कि मौजूदगी के लिए ओपिनो ज्यूरीस साइव नेसेसिटेटिस से पूर्व शर्त नहीं है। - माइकल एकहर्स्ट

(d) महासभा के प्रस्ताव, सामान्यतया, उनके पालन के कानूनी दायित्व नहीं सृजित करते, परन्तु वह प्रस्ताव जो शासी राष्ट्र को कार्यवाही की विशिष्ट दिशा बताता है वह कुछ कानूनी दायित्व उत्पन्न करता है। - हर्ष लॉटेरपाश

19. According to Muslim law, marriag is not solemnized only for the sexual enjoyment between two spouses; it is an Act of ibadat.
मुस्लिम विधि के अनुसार, वर वधू के बीच विवाह का अनुष्ठान सिर्फ यौन आनंद के लिये नहीं किया जाता है, यह इबादत का काम है।
(a) True/सत्य
(b) False/मिथ्या
(c) Partly true and partly false/आंशिक सत्य एवं आंशिक मिथ्या
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : मुस्लिम विधि के अनुसार, वर वधू के बीच विवाह का अनुष्ठान सिर्फ यौन आनंद के लिये नहीं किया जाता है, यह इबादत का काम है, यह कथन आंशिक सत्य है एवं आंशिक मिथ्या है, क्योंकि शिया समुदाय में जहाँ मुता विवाह जिसका अर्थ है 'आनन्द' (Enjoyment) प्रचलित है, वहीं इस तरह का विवाह सुन्नी समुदाय में अपवर्जित है।

20. Which of the following is not a ground for Divorce under Hindu Marriage Act?
हिन्दू विवाह अधिनियम के अन्तर्गत विवाह-विच्छेद के लिये आधार निम्नांकित में से कौन-सा नहीं है?
(a) Cruelty/निर्दयता
(b) Desertion/निर्वसन
(c) Adultery/जारकर्म
(d) Incompatible Temperamental adjustment बेमेल स्वभाव समायोजन

Ans. (d) : हिन्दू विवाह अधि 1955 की धारा 13 में विवाह विच्छेद के आधारों को वर्णित किया गया है जिसमें निर्दयता 13(1-a) निर्वसन 13(1-b), तथा जारकर्म 13(1) में उल्लखित है तथा बेमेल स्वभाव समायोजन विवाह विच्छेद का आधार नहीं है।

21. Children born out of a union which is either void of voidable under section 11 and 12 of Hindu Marriage Act, 1955 shall be:
हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 11 एवं 12 के अन्तर्गत शून्य या शून्यकरणीय घोषित विवाह से उत्पन्न बच्चे होंगे–
(a) Basterd/अधर्मज
(b) Deemed to be legitimate/वैध समझे जायेंगे
(c) Illgitimate/अवैध
(d) Legitimate/वैध

Ans. (d) : हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 16 शून्य और शून्यकरणीय विवाहो के अपत्यो की धर्मजता को बताता है जिसके अनुसार धारा 11 एवं 12 के अन्तर्गत शून्य या शून्यकरणीय विवाह से उत्पन्न बच्चे वैध माने जाते है।

22. Nikah is a regular and permanent form of marriage among Muslims.
R. Mute is contractual form of marriage and is most uncommon in India.
मुस्लिमों में निकाह नियमित और स्थायी रूप का विवाह है।
R. मुता संविदात्मक रूप का विवाह है और भारत में सर्वाधिक अप्रचलित है।
(a) A and R above are correct/A और R दोनों सही है
(b) A is correct, R is false/A सही है और R मिथ्या है
(c) R is correct, but A is false/R सही और A गलत है
(d) Neither A is correct nor R is correct/न तो A सही है और न R सही है

Ans. (a) : निकाह मुस्लिमों में सभी समुदायों के अन्तर्गत नियमित और स्थायी विवाह माना जाता है, वही मुता विवाह जिसका अर्थ 'आनन्द' है शिया समुदाय में प्रचलित है तथा यह विवाह संविदात्मक तथा अस्थायी होता है।

23. Which of the following is not a ground for divorce under the Dissolution of Muslim Marrige Act, 1939?
मुस्लिम विवाह विघटन अधिनियम, 1939 के अन्तर्गत तलाक का आधार निम्नांकित में से कौन-सा नहीं है?
(a) Trating the wife with cruelty/पत्नी के साथ निर्दयता के साथ व्यवहार करना
(b) That the whereabouts of the Husband have not been known for a period for more than four years/चार वर्षों से ज्यादा के समय के पति के बारे में कोई जानकारी नहीं है
(c) The Husband has been sentenced to imprisonment for a period of two years or upwards/पति को दो या ज्यादा वर्षों के लिये कारावास का दण्ड मिला
(d) That the husband has been insane for a period of two years or more/दो या ज्यादा वर्षों से पति पागल है

Ans. (c) : मुस्लिम विवाह विघटन अधिनियम, 1939 की धारा 2 मुस्लिम महिला को 9 अधार प्रदान करती है, जिनके आधार पर वे अपने विवह का विघटन (तलाक) करा सकती है। धारा 2 (3) के अनुसार यदि पति को सात वर्षों या अधिक के कारावास का दण्डादेश हो गया है, के आधार पर विवाह विच्छेद की डिक्री प्राप्त की जा सकती है।

24. Any Hindu Marriage which is not properly solemnized, it shall be:
कोई भी हिन्दू विवाह जिसका उचित रूप से अनुष्ठान नहीं किया गया है, होगा–
(a) Valid/वैध
(b) Vaidable/शून्यकरणीय
(c) Void *ab-initio*/प्रारम्भ से ही शून्य
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (d) : हिन्दू विवाह अधि. 1955 की धारा 5 में वैध विवाह की शर्तों का तथा धारा 7 में धार्मिक अनुष्ठान का प्रावधान किया गया है।
धारा 5 में उल्लेखित शर्तों के उल्लंघन में किया गया विवाह या तो शून्य, शून्यकरणीय या दण्डनीय होगा, लेकिन धार्मिक अनुष्ठान, जो प्रत्येक हिन्दू विवाह में किसी न किसी रूप में अनिवार्य है, के अभाव में किया गया विवाह न तो वैध विवाह होता है न ही शून्य या शून्यकरणीय। धार्मिक अनुष्ठान के अभाव में किया गया विवाह, विवाह ही नहीं (No marriage) होता है।

25. An acceptance given by post:
डाक द्वारा दी गई स्वीकृति–

(a) can be revoked at any time/किसी भी समय प्रतिसंहरित की जा सकती है

(b) cannot be revoked at all/कभी भी प्रतिसंहरण नहीं की जा सकती है

(c) can be revoked, if it does not reach to the proposer/यदि वह प्रस्तावक के पास नहीं पहुँचती है तो इसका प्रतिसंहरण किया जा सकता है

(d) can be revoked, even if it comes to the knowledge of proposer/चाहे यह प्रस्तावक की जानकारी में आ भी जाये, इसका प्रतिसंहरण किया जा सकता है

Ans. (c) : संविदा अधि. की धारा 4 संसूचना कब सम्पूर्ण हो जाती है का प्रावधान किया गया है, जिसके अनुसार प्रतिग्रहण की संसूचना प्रस्थापक के विरुद्ध तब सम्पूर्ण हो जाती है जब वह उसके प्रति इस प्रकार पारेषण के अनुक्रम में कर दी जाती है कि वह प्रति गृहिता की शक्ति के बाहर हो जाय, तथा प्रतिगृहिता के विरुद्ध सम्पूर्ण हो जाती है जब वह प्रस्ताव के ज्ञान में आ जाती है। इस प्रकार डाक द्वारा की गई स्वीकृति, प्रस्तावक के पास पहुँचने से पहले या ज्ञान में आने से पहले प्रतिसंहरण किया जा सकता है। इस विषय पर गोवर्धनदास गिरधारी लाल केडिया का महत्वपूर्ण वाद आधारित है।

26. A promise to pay time barred debt is:
कालातीत ऋण दनेने की प्रतिज्ञा–

(a) Not enforceable/प्रवर्तनीय नहीं है

(b) Enforceable at the discretion of debtor/ऋणदाता की इच्छानुसार प्रवर्तनीय है

(c) Enforceable under exception/अपवाद के अन्तर्गत प्रवर्तनीय है

(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : संविदा अधि. की धारा 25(3) के अनुसार परिसीमा विधि द्वारा वर्जित किसी ऋण के संदाय का वचन एक अपवाद है तथा ऐसी संविदा प्रर्वतनीय है।

27. Which of the following statements is correct?
निम्नांकित कथनों में से कौन-सा सही है?

(a) Thire party can always sue for breach of contract/संविदा के भंग होने पर तृतीय पक्ष सदैव वाद दायर कर सकता है

(b) Wegering agreements are illegalबाजी के करार अवैध है

(c) When consent is not free, agreement will always be voidable/जब सहमति स्वतंत्र नहीं है, तो संविदा सदैव शून्यकरणीय होती है

(d) Catalogue is an invitation to offer/सूची पत्र प्रस्ताव का आमंत्रण है

Ans. (d) : सूची पत्र प्रस्ताव का आमन्त्रण है, फर्मास्यूटिकल सोसाइटी आफ ग्रेट ब्रिटेन बनाम ब्रुटुस केस केमिस्ट लिमिटेड (1952) के वाद पर आधारित है।

* बाजी का करार अवैध नहीं शून्य होता है - धारा 30

* जब सहमति स्वतंत्र नहीं है, तो संविदा साधारणतः शून्यकरणीय होती है, लेकिन ऐसी संविदा पूर्णतया वैध संविदा मानी जायेगी, यदि उचित समय के अंदर इसका निराकरण नहीं करा दिया जाता है।

28. Two statements are given in this question One is labeled a Assertion (A) and the other is lablled as Reason (R) Examine these statements and select the correct combination of the codes.
Assertion (A): Partial acceptane is not acceptance
Reason (R): Acceptance must be absolute and unconditional
इस प्रश्न में दो कथन दिये गये है, एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है। इन कथनों की जाँच और कूटों के सही संयोग का चयन करें।
अभिकथन (A): आंशिक स्वीकृति, स्वीकृति नहीं है।
कारण (R): स्वीकृति पूर्ण और शर्तरहित होनी चाहिये।

(a) Both (A) and (R) are correct/(A) तथा (R) दोनों सही है

(b) Both (A) and (R) are wrong/(A) तथा (R) दोनों गलत है

(c) (A) is corrct, but (R) is wrong/(A) सही है तथा (R) गलत है

(d) (A) is false, but (R) is correct(R) सही है, तथा (A) गलत है

Ans. (a) : संविदा अधि. की धारा 7 के अनुसार, प्रतिग्रहण आत्यन्तिक और अविशोषित होना चाहिए, तथा युक्तियुक्त प्रकार से अभिव्यक्ति होना चाहिए।

29. A counter offer is:
प्रति प्रस्ताव–

(a) an invitation to offer/प्रस्ताव का आमंत्रण है

(b) an acceptance to offer/प्रस्ताव के लिये सहमति है

(c) a rejection of the offer/प्रस्ताव की अस्वीकृति है

(d) a conditional acceptance/सशर्त स्वीकृति है

Ans. (c) : प्रति-प्रस्ताव, मूल प्रस्ताव की अस्वीकृति मात्र है क्योंकि इसमें एक पक्षकार दूसरे पक्षकार को प्रस्ताव होता है तथा दूसरा पक्षकार उस प्रस्ताव को स्वीकार करने के बजाय एक नया प्रस्ताव देता है।

30. An agreement with minor is void, hence:
अवयस्क के साथ की गई संविदा शून्य होती है, अतः

(a) Minor is never allowed to enforce such agreement/अवयस्क कभी ऐसे करार का प्रवर्तन नहीं करवा सकता है

(b) Minor is allowed to enforce such agreement, if it was made for his benefit/अवयस्क ऐसे करार का प्रवर्तन करवा सकता है, यदि ऐसा करार उसके लाभ के लिए गया गया हो

(c) Minor is always allowd to enforce such agreement/अवयस्क सदैव ऐसे करार का प्रर्वतन कर सकता है

(d) Minor is allowed to enforce such contract when other party makes no objection/अवयस्क ऐसे करार का प्रवर्तन करवा करता है, जब दूसरा पक्षकार कोई आपत्ति नहीं करे

Ans. (d) : अवयस्क के साथ की गई संविदा शून्य होती है परन्तु ऐसे करार का प्रवर्तन अवयस्क करवा सकता है जब दूसरा पक्षकार कोई आपत्ति न करे मोहरी वीवी बनाम धर्मोदास घोष (1903) pc के वाद में यह सिद्धान्त है।

31. Tort is a violation of:
अपकृत्य निम्नलिखित का उल्लंघन है–
(a) Right in *personam*/व्यक्तिलक्षी अधिकार
(b) Right in *rem*/लोकलक्षी अधिकार
(c) Both (a) and (b)/(a) और (b) दोनों
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : अपकृत्य का उल्लघन लोकलक्षी अधिकार (Right in rem) है, जिसके अन्तर्गत ऐसी क्षति के लिए दावाकृत नुकसानी अनिर्धारित होती है तथा मात्र विधिक अधिकारों का अतिलघंन होना ही वाद लाने का आधार हो सकता है।

32. Which of the following is not correctly matched?
निम्नांकित में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है?
(a) Ubi jus ibi remedium/उबी जस ईबी रैमेडियम-where there is a right, there is a remedyजहाँ अधिकार है, वहाँ उपचार है
(b) Res ipsa loquitur/रेस इप्सा लॉक्युटर-things speak for themselves/घटनाएँ स्वयं बोलती है
(c) Damnum sine injuria/डैमनम साइन इन्ज्यूरिया-damage withour injury/बिना क्षति के हानि
(d) Injuria sine damnum/इन्ज्यूरिया साइन डैमनम-injury with damage/हानि सहित क्षति

Ans. (d) : इन्ज्यूरिया साइन डैमनम का अर्थ होता है, 'क्षति बिना हानि के'। अपकृत्य विधि का सामान्य सिद्धान्त है कि जिस व्यक्ति के विधिक अधिकारों का अतिलंघन होता है वह नुकसानी के लिए वाद ला सकता है चाहे उसे कोई वास्तविक हानि हुई हो या नही। किसी व्यक्ति के विधिक अधिकारो का अतिलंघन स्वतः अनुयोज्य है।

33. Limitations of the scope of the doctrine volenti non-fit injuria are:
वैलेन्टी नॉन फिट इन्जूरिया सिद्धान्त के परिक्षेत्र की सीमाएँ हैं–
(a) Rescue cases/बचाव के मामले
(b) Statutory authority/सांविधिक सत्ता
(c) Both (a) and (b)/(a) और (b) दोनों
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c): वालेन्टी नॉन फिट इन्जूरिया के परिक्षेत्र की सीमाएँ निम्न है- (1) सहमति से किया गया कार्य (2) दैविय कृत्य (3) सांविधिक प्राधिकार (4) तुच्छ प्रकृति के कार्य (5) बचाव के मामले आदि सम्मिलित है।

34. Injustice would manifst itself if a person is held responsible for all consequences of his Act Therefore he is responsible only for consequence not too:
अन्याय अपने को प्रकट करेगा यदि व्यक्ति अपने कार्य के समस्त परिणामों के लिये जिम्मेदार ठहराया जाता है। अतः वह सिर्फ उन परिणामों के लिये जिम्मेदार है, जो अति–
(a) Remote/दूरस्थ नहीं है
(b) Near/समीप नहीं है
(c) In and around/आसपास नहीं है
(d) Far sighted/दूरदर्शी नहीं है

Ans. (a) : अपकृत्य हो जाने के बाद प्रतिवादी के दायित्व का प्रश्न उठता है परन्तु वह केवल उन्ही परिणामों के लिए दायी होता है जो उसके आचरण से अधिक दूरस्थ नही है। कोई भी प्रतिवादी ऐसे अनन्त परिणामों के लिए उत्तरदायी नहीं हो सकता जो उसके दोषपूर्ण कृत्य से उत्पन्न होते है।

35. A. Law of torts is concerned with allocation and distribution of losses and awarding compensation to the victim
R. This is a branch of law governing actions for damages for injuries to private legal rights.
अपकृत्यों का कानून-हानियों के बंटन एवं विभाजन के साथ और पीड़ित को क्षतिपूर्ण देने से सारोकार रखता है।
R. यह उस विधि की शाखा है जो निजी कानूनी अधिकारों को क्षति की हानियों से सम्बन्धित कार्यों को शासित करती है।
कूटः
(a) (A) is correct, but (R) is wrong/(A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(b) (R) is correct, but (A) is wrong/(R) सही है, परन्तु (A) गलत है
(c) Both (A) and (R) are correct/(A) और (R) दोनों सही है
(d) Both (A) and (R) are wrong/(A) और (R) दोनों गलत है

Ans. (a) : अपकृत्यों का कानून-हानियों के बंटने एवं विभाजन के साथ और पीड़ित को क्षतिपूर्ण देने से सरोकार रखता है यह सिद्धान्त एक प्रकार से एम. सी. मेहता बनाम भारत संघ (1987) के मामले में प्रस्तावित किया गया था जिसके अनुसार न्यायालय ने कहा कि क्षतिपूर्ति का आकार कम्पनी के आकार और उसकी आर्थिक हैसियत पर निर्धारित होगा। इसको डीप पॉकेट थ्योरी का सिद्धान्त कहा जाता है।

36. A. The consequences of a wrongful act may be endless or there may be consequences of consquences.
R. The 'Test of rasonalble foresight' is followed usually in such cases which are based on the *Wagen Mound case.*
अपकारी कार्य के परिणाम अनन्त हो सकते है अथवा परिणामों के परिणाम हो सकते है।
R. ऐसे मामलों में सामान्यतः युक्तियुक्त दूरदर्शिता परीक्षण का पालन किया जाता है, जो कि बैगन माउन्ड केस पर आधारित है।
कूटः
(a) (A) is correct, but (R) is wrong/(A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(b) (R) is correct, but (A) is wrong/(R) सही है, परन्तु (A) गलत है

(c) Both (A) and (R) are correct/(A) और (R) दोनों सही है

(d) Both (A) and (R) are wrong/(A) और (R) दोनों गलत है

Ans. (c) : अपकारों कार्य के परिणाम अनन्त हो सकते है अथवा परिणमों के परिणाम हो सकते है, लेकिन अपकृत्यकर्ता सभी परिणामों के लिए दायी न होगा। अपकृत्यकर्ता के दायित्व निर्धारण के लिए वैगनमाउन्ट वाद में युक्तियुक्त दूरदर्शिता की कसौटी को स्वीकार किया गया।

क्षति की युक्तियुक्त दूरदर्शिता के सिद्धांत की कसौटी निम्नांकित दो प्रकार की है-

1. प्रत्यक्ष परिणाम
2. युक्तियुक्त पूर्वानुमान।

37. Conspiracy is an offence having mens rea without any *actus rea?*
षडयंत्र एक अपराध है जो कृत्य की अनुपस्थिति में दुराशय रखता है–

(a) Yes/हाँ

(b) No/नहीं

(c) Depends upon circumstances/परिस्थितियों पर निर्भर करता है

(d) Depends upon judicial discretion/न्यायिक संविवेक पर निर्भर करता है

Ans. (c) : I.P.C की धारा 120-A के अनुसार षड्यंत्र के निम्नलिखित आवश्यक तत्व है- (1) दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच समझौता

(a) कोई अवैध कार्य (b) कोई कार्य जो यद्यपि अवैध नही है अवैध साधनों द्वारा करने या कराने के लिए किया जाय।

षड्यंत्र एक ऐसा अपराध है जो कृत्य की अनुपस्थिति में दुराशय रखता है तथा कृत्य पर आधारित न होकर पारिस्थितियों पर निर्भर करता है।

38. The right of private defence is available to:
निजी रक्षा का अधिकार निम्नलिखित को उपलब्ध है–

(a) The aggressor/आक्रामक

(b) The person who has attacked/वो व्यक्ति जिसने प्रहार किया है

(c) The aggressor and the victim/आक्रामक और पीड़ित

(d) The Act done is defnce of a person who was attacked/जिस पर प्रहार किया गया है उस व्यक्ति की रक्षा में किये गये कार्य के विरुद्ध आक्रामक

Ans. (d) : निजी रक्षा का अधिकार I.P.C की धारा 96 से 106 तक प्रावधानित किया है तथा धारा 97 में उन परिस्थितियों की व्याख्या की गई है जिसके अधीन नीजि रक्षा का अधिकार उपलब्ध है।

धारा 97 में प्रावधान किया गया है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने शरीर और सम्पत्ति तथा अन्य व्यक्ति के शरीर और सम्पत्ति की प्रतिरक्षा का अधिकार है।

39. In abetment of an offence can be constituted by:
अपराध का दुष्प्रेरण निम्नलिखित के द्वारा संस्थापित हो सकता है:

(a) Instigation/उकसाना

(b) Conspiracy/षड्यंत्र

(c) Intentional aid/साशय सहायता

(d) all the above/उपर्युक्त सभी

Ans. (d) : I.P.C. की धारा 107 के अनुसार अपराध का दुष्प्रेरण निम्न प्रकार से किया जा सकता है-

(1) उकसाने द्वारा

(2) षड्यन्त्र द्वारा

(3) साशय सहायता द्वारा।

40. Buggery is an offence against:
लौंडेबाजी निम्नलिखित के विरुद्ध अपराध है–

(a) Having carnal knowledge with a women/स्त्री के साथ संभोग

(b) Offence committed without use of force/बल प्रयोग के बिना किया अपराध

(c) Depravity against natural oreder of sex/यौन की प्राकृतिक क्रम के विरुद्ध दुराचारिता

(d) Manipulation and movement of male organ/पुरुष अंग का हस्तप्रयोग एवं गति

Ans. (c) : I.P.C. की धारा 377 के अनुसार, लौंडेबाजी यौन की प्राकृतिक क्रम के विरुद्ध दुराचारिता का अपराध है। धारा 377 को नवतेज सिंह जौहर बनाम भारत संघ (2018) S.C. के वाद में यौन के प्राकृतिक क्रम के दुराचिता को असंवैधानिक कर दिया गया है।

41. Illicit intercourse implies:
विधि विरुद्ध संभोग का आशय है–

(a) Rape/बलात्कार

(b) Prostitution/वेश्यावृत्ति

(c) Sex between two persons not united by lawful marriage/विधिवत विवाह द्वारा न जुड़े दो व्यक्तियों के बीच यौन सम्बन्ध

(d) Sex with a sleeping woman/निद्रा में या निष्क्रिय स्त्री के साथ यौन सम्बन्ध

Ans. (c) : विधि विरुद्ध संभोग का आशय उस स्थिति से है जब विधिवत विवाह द्वारा न जुड़े दो व्यक्तियों के बीच यौन सम्बन्ध होता है।

42. A police officer arrested and detained a girl in the lock-up despite bail oreder. The police officer shall be guilty of:
पुलिस अफसर ने लड़की को गिरफ्तार किया और जमानत के आदेश के बावजूद उसे हवालात में रोके रखा। पुलिस अधिकारी निम्नलिखित का अपराधी है:

(a) Kidnapping/व्यपहरण

(b) Abduction/अपहरण

(c) Intimidation/अभित्रास

(d) Wrongful confinement/सदोष परिरोध

Ans. (d) : I.P.C. की धारा 340 में सदोष परिरोध को परिभाषित किया गया है जिसके अवयव निम्न है।
(a) किसी व्यक्ति का सदोष अवरोध ।
(b) यह अवरोध ऐसा हो जो उस व्यक्ति को किसी निश्चित परिसीमा से परे जाने से निवारित करे।

43. **Assertion (A):** Priest in a temple is a workman for the purposes of the Industrial Disputes Act.
Reason (R): He cannot be considered as a workman as he is not doing any manual or clerical services to the devotees of the temple
अभिकथन (A): एक मन्दिर का पुरोहित औद्योगिक विवाद अधिनियम के प्रयोजनों के लिए कर्मकार है।
कारण (R): उसे कर्मकार नहीं माना जा सकता, क्योंकि वह मन्दिर के भक्तगणों के लिये कोई शारीरिक या लिपिकीय कार्य नहीं करता है।
Codes:/कूट:
(a) Both (A) and (R) are true and (R), is the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है
(b) Both (A) and (R) are true and (R), is not correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही है लेकिन (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है
(c) (A) is true, but (R) is false/(A) सही है लेकिन (R) गलत है
(d) (A) is false, but (R) is true/(A) गलत है लेकिन (R) सही है

Ans. (d) : औद्योगिक विवाद अधि. की धारा 2(s) में कर्मकार को परिभाषित किया गया है जिसके अन्तर्गत-किसी उद्योग में भाड़े या इनाम के लिए कोई शारीरिक अकुशल तकनीकि संक्रियात्मक लिपिकीय या पर्यवेक्षाणिक कार्य करने के लिए नियोजित व्यक्ति को कर्मकार कहते है। अतः मंदिर का पुरोहित कर्मकार (Workman) नहीं है क्योंकि वह मंदिर के भक्तगणों के लिए कोई शारीरिक या लिपिकीय कार्य नहीं करता है।

44. **Consider the following judicial decision on the meaning of industry:**
उद्योग के अर्थ पर निम्नलिखित न्यायिक निर्णयों पर विचार कीजिए:
1. **Indian Red Cross Society v. Additional Labour Court, Chandigarh/इण्डियन रेडक्रास सोसाइटी बनाम अतिरिक्त श्रम न्यायालय, चंडीगढ़**
2. **Dhanrajgiri Hospital v. Workmen धनराजगिरि अस्पताल बनाम कर्मकार**
3. **State of Punjab v. Kuldeep singh/पंजाब राज्य बनाम कुलदीप सिंह**
4. **Prema Govinda v. Karnataka Small Scale Industries Association, Bangalore/प्रेमगोविन्द बनाम कर्नाटक स्माल इण्डस्ट्रीज एसोसियेशन, बंगलौर**

The correct order in which these judicial decisions were rendered is:
सही क्रम जिसमें से निर्णय दिये गये थे हैं:
(a) II, III, I and IV/2, 3, 1 एवं 4
(b) III, II, IV and I/3, 2, 4 एवं 1
(c) IV, III, I and II/4, 3, 1 एवं 2
(d) II, I, III and IV/2, 1, 3 एवं 4

Ans. (d) :
(1) धनराजगिरि अस्पताल बनाम कर्मकार (AIR 1975 SC)
(2) इण्डियन रेडक्रास सोसाइटी बनाम अतरिक्त श्रम न्यायालय चण्डीगढ़ (1999 PH)
(3) पंजाब राज्य बनाम कुलदीप सिंह (2019 PH)
(4) प्रेम गोविन्द बनाम कर्नाटका स्माल स्केल इड्रस्ट्रीज एसोसिएशन बंगलौर

45. **Considr the following statements on industrial dispute.**
औद्योगिक विवाद सम्बन्धी निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये–
1. **Industrial dispute will subsist inspite of closure of industry/औद्योगिक विवाद बन्दी के बावजूद अस्तित्व में बना रहेगा।**
2. **An industrial dispute can rise when a demand is made by the workman and denied by the employer/एक औद्योगिक विवाद उत्पन्न हो सकता है, जब कर्मकार के द्वारा कोई माँग की जाए और नियोजक उसका इंकार कर दे।**
3. **Once a dispute is referred for adjudication, the presumption is that it is an industrial dispute/जैसे ही किसी विवाद को न्याय-निर्णय के लिये निर्दिष्ट किया जाता है यह उपधारणा की जाती है कि यह एक औद्योगिक विवाद है।**
4. **Employer's failure to keep his verbal assurances is an industrial dispute/नियोजक द्वारा स्वयं के मौखिक आश्वासों को पूरा करने में विफलता एवं औद्योगिक विवाद है।**

Codes/कूट:
(a) I and II are correct/1 एवं 4 सही है
(b) II and III are correct/1 एवं 4 सही है
(c) III and IV are correct/3 एवं 4 सही है
(d) I, II and III are correct/1, 2 एवं 3 सही है

Ans. (d) : औद्योगिक विवाद अधि. 1947 की धारा 2(k) में औद्योगिक विवाद को परिभाषित किया गया है। जब कर्मकार द्वारा कोई मांग की जाए और नियोजक उसे इंकार कर दे तो ऐसी स्थिति में औद्योगिक विवाद उत्पन्न हो जाता है तथा ऐसा विवाद उद्योग बंद हो जाने के बाद भी चलता रहता है। धारा 10 में विवादों का बोर्डों न्यायालयों या अधिकरणों को निर्देश से सम्बन्धित है।

46. **Unfair labour practices mean any of the practices specified in the:**
अनुचित श्रम व्यवहार से अभिप्रेत है निम्नलिखित में विनिर्दिष्ट कोई गतिविधि:
(a) Fourth Schedule of the Industrial Disputes Act/औद्योगिक विवाद अधिनियम की चतुर्थ अनुसूची में

(b) Fifth Schedule of the Industrial Disputes
औद्योगिक विवाद अधिनियम की पंचम अनुसूची में

(c) Sixth Schedule of the Industrial Disputes Act/औद्योगिक विवाद अधिनियम की छठी अनुसूची में

(d) Third Schedule of the Industrial Disputes Act/औद्योगिक विवाद अधिनियम की तृतीय अनुसूची में

Ans. (d) : अनुचित श्रम व्यवहार से संबंधित प्रावधान औद्योगिक विवाद अधिनियम की धारा 25-T और 25-U में किया गया है। अनुचित श्रम व्यवहार से अभिप्रेत अनुसूची 5 में दिये गये श्रम व्यवहार।

47. Which of the following is not a leading case on immunity of trade unions form criminal proceeding?
निम्नलिखित में से कौन आपराधिक कार्यवाहियों से व्यवसाय संघों की उन्मुक्ति पर दिग्दर्शक वाद नहीं है?

(a) Jay Engineering Works Ltd v. Stat of West Bengal/जय इंजीनियरिंग वर्क्स लि. बनाम पश्चिमी बंगाल राज्य

(b) Standard Chartered Grindlays Bank Ltd v. Grindlays Bank Employees/स्टैन्डर्ड चार्टर्ड ग्रिन्डलेज बैंक लि. बनाम ग्रिन्डलेज बैंक इम्प्लॉइज

(c) Onkarnath Tiwari v. Chief Engineer, Minor Irrigation Department/ओंकारनाथ तिवारी बनाम मुख्य इंजीनियर माइनर एरिगेशन डिपार्टमेंट

(d) Piperaich Sugar Mills Ltd./पिपराइच सुगर मिल्स लिमिटेड

Ans. (c) : ओकार नाथ तिवारी बनाम मुख्य इन्जिनियर माइनर एरिगेशन डिपार्टमेन्ट (1971) रजिस्टर्ड ट्रेड यूनियन के पदाधिकारी को स्थानान्तरण तथा आपराधिक कार्यवाही से व्यापार संघ की उन्मुक्ति से संबंधित वाद है।

48. Which of the following pairs are not matched?
निम्नलिखित में से कौन युग्म सही सुमेलित नहीं है?

(a) Individual dispute whether industrial dispute v. Industrial tribunal/व्यक्तिगत विवाद औद्योगिक विवाद है। - Newspaprs Ltd. Allahabad v./न्यू पेपर्स लिमिटेड इलाहाबाद बनाम औद्योगिक अधिकरण

(b) Meaning of Employer v. Industrial tribunal/ नियोजक का अर्थ - Western Automobile Association v.वेस्टर्न ऑटोमोबाइल्स एसोसियेशन बनाम औद्योगिक अधिकरण

(c) Solicitor' profession not an industry/सॉलिसिटर की वृत्ति, उद्योग नहीं है - National Union of Commercial Employes v. Industrial Tribunal/नेशलन यूनियन ऑफ कॉमर्शियल इम्पलॉइज बनाम औद्योगिक अधिकरण

(d) Go-Slow as a serious case of misconduct/गो स्लो (धीमी गति से काम करना) गम्भीर दुराचरण है। - Bijay Cotton Mills v. Workmen.विजय कॉटन मिल्स बनाम कर्मकार

Ans. (d) : विजय काटन मिल्स बनाम कर्मकार का वाद न्यूनतम मजदूरी अधिनियम से सम्बन्धित वाद है न कि दुर्व्यवहार से।

Read the following paragraph and answer the Question Nos. 49 and 50.

Protection of society and stamping out criminal proclivity must be the object of law, which must be achieved by imposing appropriate sentence. Therefore, law as a cornerstone of the edifice of "order" should meet the challenges confronting the society. In Operating the sentencing system law should adopt the corrective machinery or the deterrence based on factual matrix. By deft modulation sentencing process be stern where it should be and tempered with mercy where it warrants to be. The facts and given circumstance in each case, the nature of crime, the manner in which it was planned and committed, the motive for the commission of crime, the conduct of the accused, the nature of weapons used and all other attending circumstance are revelant facts which whould enter into the area of consideration.

49. What is the object of law?
विधि का उद्देश्य क्या है?

(a) Safeguarding individual interests/व्यक्तिगत हितों की रक्षा करना

(b) Permitting the individual to earn and become rich/व्यक्ति को कमाने और धनी बनने देना

(c) Protection of society and stamping our criminal proclivity/समाज का संरक्षण और आपराधिक प्रवणता को समूल नष्ट करना

(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : विधि का उद्देश्य समाज का संरक्षण और अपराधिक प्रवणता को समूल नष्ट करना।

50. While imposing sentence what are the relevant considerations?
दण्डादेश अधिरोपित करते समय किन प्रासंगिक बातों का ध्यान रखना चाहिये?

(a) The nature of crime only/सिर्फ अपराध की प्रकृति

(b) The manner in which it was planned and committed only/जिस ढंग से अपराध की योजना बनाई गई और उसे किया गया

(c) The motive for the commission of crime only/सिर्फ अपराध करने का प्रयोजन

(d) All the above are relevant considerations
उपर्युक्त सभी ध्यान देने योग्य प्रासंगिक बातें है

Ans. (d) : दण्डादेश अधिरोपण करते समय निम्न बातो को ध्यान रखना चाहिए।

(1) अपराध की प्रकृति कैसी है

(2) किसी ढंग से अपराध की योजना बनायी गई और की गई और अपराध करने का प्रयोजन।

यू.जी.सी./एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2010
LAW (विधि)
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

निर्देशः इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1. The term 'secularism' implies that:
'धर्मनिरपेक्षतावाद' शब्द का तात्पर्य है कि–

(a) Parliament should support religious/संसद को धर्मों को समर्थन देना चाहिए

(b) State and religion are inseparable/राज्य और धर्म अपृथक्कणीय है

(c) State does not recognise any religion as a State religion/राज्य किसी भी धर्म को राजकीय धर्म के रूप में मान्यता नहीं देता है

(d) People are free to worship State recognised religion/राज्य-मानित धर्म की पूजा करने के लिये लोग स्वतंत्र है

Ans. (c) : धर्मनिरपेक्षतावाद' शब्द को 42वें संविधान संशोधन अधिनियम 1976 में जोड़ा गया है। धर्म निरपेक्षता से तात्पर्य यह है कि राज्य का कोई धर्म नहीं होगा, राज्य तटस्थ होता है। एस. आर. वोम्बई बनाम भारत संघ (1994) एस. सी. के वाद में न्यायालय ने कहा कि पन्थनिरपेक्षता संविधान का आधारभूत ढाँचा है।

2. In which of the following case the Supreme Court held that, 'if a body is an agency or instrumentality of Government it may be an authority under Article 12"?
सर्वोच्च न्यायालय ने निम्नांकित में से किस वाद में यह अवधारित किया है कि, यदि कोई सरकार का अभिकरण या साधनत्व है तो यह अनुच्छेद 12 के अंतर्गत प्राधिकारी हो सकता है–

(a) Ujjambai v. State of Uttar Pradesh/उज्जमबाई बनाम उत्तर प्रदेश राज्य

(b) Ramana Dayaram Shetty v. The International Airport Authority of India/रमण दयाराम शेट्टी बनाम भारत का अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन अधिकरण

(c) Electricity Board Rajasthan v. Mohanlal/विद्युत बोर्ड, राजस्थान बनाम वी. मोहनलाल

(d) P.O. Shamdasaru v. Central Bank of India/पी.डी. शामदेसरू बनाम सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया

Ans. (b) : रमण दयाराम शेट्ठी बनाम भारत का अंतर्राष्ट्रीय विमान पत्तन अधिकरण के वाद में उच्चतम न्यायालय ने यह अवधारित किया है कि यदि कोई सरकार का अधिकरण या साधनत्व है तो यह अनुच्छेद 12 के अन्तर्गत प्राधिकारी हो सकता है।

3. The Supreme Court of India for the first time struck down the 'Carry forward Rule' as unconstitutional in the following case:
भारत में सर्वोच्च न्यायालय ने 'अग्रनयन नियम' को पहली बार निम्नांकित वाद में असंवैधानिक मान त्याग दिया–

(a) Balaji v. State of Mysore/बालाजी बनाम मैसूर राज्य

(b) Rangachari v. General Manager, Southern Railway/रंगाचारी बनाम जनरल मैनेजरी, दक्षिणी रेलवे

(c) Ashok Kumar Thakur v. State of Bihar/अशोक कुमार ठाकुर बनाम बिहार राज्य

(d) Devadasan v. Union of India/देवदासन बनाम भारत संघ

Ans. (d) : देवदासन बनाम भारत संघ (1964) के वाद में उच्चतम न्यायालय ने अग्रनयन नियम को प्रथम बार असंवैधानिक करार दिया।

4. A Judge of a Supreme Court or High Court may be removed from his service by:
सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय ने न्यायाधीश को निम्नलिखित के द्वारा अपने सेवापद से बर्खास्त किया जा सकता है–

(a) The President of India/भारत के राष्ट्रपति

(b) The Chief Justice of the Supreme Court/सर्वोच्च न्यायालय के प्रमुख न्यायाधीश

(c) Parliament through impeachment motion/महाभियोग प्रस्ताव के जरिये संसद द्वारा

(d) National Judicial Academy/राष्ट्रीय न्यायिक एकेडमी

Ans. (c) : संविधान के अनु. 124 (4) एवं अनु. 218 के अनुसार उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के न्यायधीशों को उनकी सेवा पद से महाभियोग प्रस्ताव के जरिये संसद द्वारा बर्खास्त किया जा सकता है।

5. Which of the following case is popularly known as 'the Fundamental Rights' case?
निम्नांकित में से किस वाद को लोक प्रचलित रूप से 'मौलिक अधिकारों का वाद' कहा जाता है?

(a) M.C. Mehta v. Union of India/एस.सी. मेहता बनाम भारत संघ

(b) Keshavanand Bharati v. State of Kerala केशवानन्द भारती बनाम केरल राज्य

(c) S.P. Gupta v. Union of India/एम.पी. गुप्ता बनाम भारत संघ

(d) Champakam Darairajan v. State of Madras/चंपाकम दोरायराजन बनाम मद्रास राज्य

Ans. (b) : केशवानन्द भारती बनाम केरल राज्य (1973) सुप्रीम कोर्ट के वाद को मौलिक अधिकारों का वाद कहा जाता है।

6. Match List-I with List-II and select the correct answer using the codes given below the lists:
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये और नीचे दिये गये कूटों का उपयोग करते हुये सही उत्तर का चयन कीजिये–

सूची-I	सूची-II
A. Right to go abroad विदेश जाने का अधिकार	1. Olga Tellis's case ओल्गा टेलिस केस
B. Right to livelihood जीवनयापन का अधिकार	2. Mohini Jain'scase मोहिनी जैन का केस
C. Right against sexual barassment/यौन उत्पीड़न विरुद्ध अधिकार	3. Menaka Gandhi's case मेनका गांधी का केस
D. Right to education शिक्षा का अधिकार	4. Vishakas' case विशाखा का केस

Cdoes:/कूट:

	A	B	C	D
(a)	4	2	1	3
(b)	2	3	4	1
(c)	3	1	4	2
(d)	2	1	3	4

Ans. (c) :
(a) विदेश जाने का अधिकार - मेनका गॉधी का वाद
(b) जीवन यापन का अधिकार - ओल्गा टेलिस वाद
(c) यौन उत्पीड़न के विरुद्ध अधिकार - विशाखा वाद
(d) शिक्षा का अधिकार - मोहिनी जैन

7. Consider the following statements relating to Kelsen's pure theory of law:
केल्सन के विधि सम्बन्धी शुद्ध सिद्धान्त सम्बन्धी निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. **Law if a coecive order/विधि एक अवपीड़क व्यवस्था है**
2. **Law are ought propositions/विधि 'होना चाहिए' प्रतिपादनायें है**
3. **Law is a system of social rules/विधि सामाजिक नियमों की व्यवस्था है**
4. **There is a hierarchy of norms, each norm being valid on the presupposed validity of some other/मानकों की श्रेणीबद्धता है, प्रत्येक मानक की वैधता किसी अन्य की पूर्वानुमानिक वैधता पर आधारित है**

Codes:/कूट:
(a) I, II and IV are correct/1, 2 एवं 4 सही है
(b) II, III and IV are correct/2, 3 एवं 4 सही है
(c) I and II are correct/1 एवं 3 सही है
(d) II and IV are correct/2 एवं 4 सही है

Ans. (a) : केल्सन के विशुद्ध विधि सिद्धान्त का केन्द्र बिन्दू मानको की व्युत्पत्ति है। उन्होंने विधिक क्रम को मानकों का स्तूप माना है। केल्सन के अनुसार सभी मानक, मूल मानक से अपनी वैद्यता प्राप्त करते है, केल्सन ने मूल मानक को प्रारम्भिक कल्पना मान लिया है।

8. Assertion (A): Ownership subject to condition subsequent is vested ownership:
कथन (A): पश्चावर्ती शर्त के अधीन स्वामित्व हितबद्ध स्वामित्व है।
Reason (R): Possession and ownership do not differ in their mode of acquisition.
कारण (R): अर्जन की दृष्टि से कब्जा एवं स्वामित्व में कोई अंतर नहीं है।

Codes:/कूट:
(a) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है
(b) Both (A) and (R) are true, but (R) is not the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही है लेकिन (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है
(c) (A) is true, but (R) is false/(A) सही है लेकिन (R) गलत है
(d) (A) is false, but (R) is true/(A) गलत है लेकिन (R) सही है

Ans. (c) : स्वामित्व या तो निहित होता है या समाश्रित होता है। यह निहित तब होता है जब स्वामी का स्वत्व पूर्ण होता है, यह समाश्रित तब होता है जब स्वामी का स्वत्व अपूर्ण होता है। निहित स्वामित्व की स्थिति में स्वामित्व प्राप्त करने सम्बन्धी सभी शर्तें या आवश्यकताएँ पूर्ण हो जाती है तथा अर्जन की दृष्टि से कब्जा एवं स्वामित्व में कोई अन्तर नहीं है तथा इसका अर्जन दो प्रकार से होता है।
(i) विधि के प्रवर्तन द्वारा
(ii) किसी कृत्य या घटना के फलस्वरूप

9. Law according to Joseph Raz is a:
जोसेफ राज के अनुसार विधि है–
(a) Social engineering/सामाजिक अभियांत्रिकी
(b) Social fact/सामाजिक तथ्य
(c) Political principle/राजनीतिक सिद्धान्त
(d) Normative science/मानकीय विज्ञान

Ans. (b) : जोसेफ राज के अनुसार विधि सामाजिक तथ्य है।

10. Match List-I with List-II and select the correct answer using the codes given below:
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये और सूचियों के नीचे दिये गये कूटों का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिये–

सूची-I (Concepts/अवधारणायें)	सूची-II (Jurists/ विधिवेत्तागण)
A. Minimum content of law/विधि की न्यूनतम अन्तर्वस्तु	1. Fuller/फुलर
B. Inner Morality of law/विधि की आंतरिक नैतिकता	2. Hart/हार्ट
C. Law with a variable content/परिवर्तनशील अंतर्वस्तु सहित विधि	3. Koher/कोहलर
D. Law is a phenomenon of civilization/सभ्यता के प्रत्यक्ष ज्ञान, विषय के रूप में विधि	4. Stammler स्टैम्लर

Codes:/कूट:

	A	B	C	D
(a)	3	1	2	4
(b)	2	3	4	1
(c)	2	1	4	3
(d)	1	2	3	4

Ans. (c) :

(A)	विधि की न्यूनतम अर्न्तवस्तु	-	हार्ट
(B)	विधि का आन्तरिक नैतिकता	-	फूलर
(C)	परिवर्तनशील अर्न्तवस्तु सहित विधि	-	स्टेमलर
(D)	सभ्यता का प्रत्यक्ष ज्ञान विषय के रूप में विधि	-	कोहलर

11. X, an accused drove off amongst his own lambs, without knowing it, a lamb belonging to Y. After X discovered the error, he sold the lamb belonging to Y with his own lambs. X is guilty of:
'X' एक अभियुक्त ने अज्ञानतावश अपनी भेड़ों के साथ 'Y' की एक भेड़ को हाँक दिया। जब 'X' को भूल की जानकारी हुई तो अपनी भेड़ों के साथ 'Y' की भेड़ को भी बेच दिया। 'X' दोषी है–

(a) theft/चोरी
(b) theift and continuing trespass
चोरी तथा निरंतर अतिचार
(c) continuing trespass/निरंतर अतिचार
(d) none of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : प्रस्तुत समस्या I.P.C. की धारा 378 पर आधारित चोरी का अपराध है- धारा 378 के निम्न आवश्यक तत्व है - (1) सम्पत्ति को बेइमानी से लेने का आशय (2) सम्पत्ति चल हो (3) सम्पत्ति को दूसरे व्यक्ति के कब्जे से ले लिया जाय (4) बिना सहमति के लिया जाय (5) सम्पत्ति को लेने के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान पर हटाया जाय।

12. Consider the names of the following jurists associated with sociology of law and sociological jurisprudence:
विधि के समाजशास्त्र एवं समाजशास्त्रीय विधि शास्त्र से जुड़े निम्नांकित विधि वेत्ताओं के नामों पर विचार कीजिए–

1. Max Weber/मैक्स वेबर
2. Leon Duguit/लियोन ड्यूगिट
3. Ehrlich/एहरलिच
4. Ihering/इहनिरंग

The correct chronological order in which these jurists apeared on the science is:
सही क्रम जिसमें इन विधिवेत्ताओं का प्रादुर्भाव हुआ–

(a) II, IV, I and III/2, 4, 1 एवं 3
(b) IV, I, III and II/4, 1, 3 एवं 2
(c) I, III, IV and II/1, 3, 4 एवं 2
(d) III, IV, II and I/3, 4, 2 एवं 1

Ans. (b) : विधि के समाजशास्त्रीय एवं समाजशास्त्र विधि शास्त्र से जुड़े विधिवेत्ताओ का कालक्रम इस प्रकार है।

(i) इहरिंग (ii) मैक्स वेबर
(iii) इहर्लिच (iv) डयूरिट

13. The Charter of the United Nations requires that the organization and its members shall act in accordance with the principles enumerated in the Charter. Which of the following is not one of such principles?
संयुक्त राष्ट्र चार्टर में यह अपेक्षित है कि संगठन और उसके सदस्य चार्टर में बताये गये सिद्धान्तों के अनुसार कार्यवाही करें। ऐसा सिद्धान्त निम्नलिखित में से कौन सा नहीं है–

(a) Sovereign equality/संप्रभु समानता
(b) Settlement of international disputes by peaceful means/अंतर्राष्ट्रीय विवादों का शांतिपूर्ण साधनों द्वारा निबटारा
(c) Promotion of human rights/मानवाधिकारों को बढ़ावा देना
(d) Prohibition of threat or use of force/धमकी या बल प्रयोग का निषेध

Ans. (c) : संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनु. 2 के अनुसार निम्न सिद्धान्त है-

(1) सम्प्रभु समानता
(2) बाध्यताओं का सद्भावपूर्वक पूरा करना
(3) अंतर्राष्ट्रीय विवादों का शान्तिपूर्ण साधनो से समाधान
(4) क्षेत्रीय अखण्डता के विरुद्ध बल का प्रयोग न करना
(5) संयुक्त राष्ट्र को चार्टर के अनुसार सहायता देना
(6) जो राज्य संयुक्त राष्ट्र के सदस्य नहीं है इन सिद्धान्तों का पालन करेंगे
(7) किसी राज्य की आन्तरिक अधिकारिता में संयुक्त राष्ट्र हस्तक्षेप नहीं करेगा।

14. Human Rights Commission has been discarded in 2006 and its successor its:
मानवाधिकार आयोग को 2006 में त्याग दिया गया है और उसका उत्तराधिकारी है।

(a) Human Rights Committee/मानवाधिकार समिति
(b) Human Rights Council/मानवाधिकार परिषद्
(c) International Committee of Red Cross
अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस समिति
(d) Amnesty International/एमनेस्टी इन्टरनेशनल

Ans. (b) : 2006 में मानवाधिकार आयोग को त्यागकर मानवाधिकार परिषद की स्थापना की गई है।

15. Read Assertion (A) and Reason (R) and with the help of codes given below, point out the correct answer:
अभिकथन (A) तथा कारण (R) पढ़े और नीचे दिये गये कूटों की सहायता से सही उत्तर का चयन करें–

Assertion (A): The jurisdiction of International Court of Justice is based on the consent of the parties to the dispute.
अभिकथन (A): अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय को क्षेत्राधिकार विवाद के पक्षों की सहमति पर आधारित है।

Reason (R): Principle of reciprocity underlies the jurisdiction of International Court of Justice.
कारण (R): अन्योन्यता का सिद्धान्त अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय का अधिकार क्षेत्र का आधार है।

Codes:/कूट:

(a) Both (A) and (R) are true and (R) is good explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है

(b) Both (A) and (R) are true, but (R) is not correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही है लेकिन (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है

(c) (A) is true, but (R) is false/(A) सही है लेकिन (R) गलत है

(d) (A) is false, but (R) is true/(A) गलत है लेकिन (R) सही है

Ans. (a) : रोजन के अनुसार, अधिकारिता से हमारा तात्पर्य न्यायालय की उस शक्ति से है जिससे वह किसी वाद में बन्धनकारी निर्णय देता है, अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय को यह शक्ति राज्यों द्वारा प्राप्त होती है। अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय के संविधि के अनु. 34 के अनुसार केवल राज्य ही अपनी समस्याएँ इसके प्रमुख ला सकते है। न्यायालय को क्षेत्राधिकार प्रदान करने का ढ़ंग दो या दो जोड़ो से अधिक राज्य विशेष करारो द्वारा किसी मामले में न्यायालय को अधिकारिता प्रदान की जा सकती है।

16. Arrange the following international instruments in order in which they were adopted. Use the codes given below:
निम्नांकित अंतर्राष्ट्रीय लिखतों (या यंत्रों) को उन्हें अपनाने के अनुक्रम में व्यवस्थित कीजिये तथा नीचे दिये गये कूट की सहायता से सही उत्तर बताइये:

1. **The Charter of United Nations**
   संयुक्त राष्ट्र चार्टर
2. **Univeral Declaration of Human Rights**
   मानवाधिकारों का सार्वभौमिक घोषणपत्र
3. **International Covenant for the Protection of Civil and Political Rights/अंतर्राष्ट्रीय सिविल एवं राजनीतिक अधिकार सुरक्षा प्रसंविदा**
4. **International Convention on Elimination of All Forms of Racial Discrimination**
   अंतर्राष्ट्रीय सर्वरूप नस्लीय भेदभाव उन्मूलन अभिसमय

Codes:/कूट:

(a) 1, 4, 2, 3 (b) 2, 4, 1, 3

(c) 1, 2, 4, 3 (d) 1, 3, 4, 2

Ans. (c) : निम्न क्रमानुसार-

(a) संयुक्त राष्ट्र चार्टर - 24 अक्टूबर 1945

(b) मानवाधिकारो की सार्वभौमिक घोषणा पत्र - 10 दिसम्बर 1948

(c) अंतर्राष्ट्रीय सर्वरूप नस्लीय भेदभाव उन्मूलन अभिसमय - सन् 1965

(d) अन्तर्राष्ट्रीय सिविल एवं राजनीतिक अधिकार सुरक्षा प्रसंविदा - सन् 1966

17. Match the case decided by International Court of Justice mentioned in List-I with the year of decision mentioned in List-II and with the help of codes given below, point out the correct-answer:
सूची-I में अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय द्वारा निर्णय मामले को सूची-II में उल्लेख किये गये निर्णय के वर्ष के साथ सुमेलित करे और नीचे दिये गये कूटों की सहायता से सही उत्तर बताइये–

सूची-I	सूची-II
A. North Sea Continental Shelf cases/उत्तर सामुद्रिक महाद्वीपीय शेल्फ केस	**1. 1969**
B. Corfu Channel case कॉर्फ्यू चैनल केस	**2. 1949**
C. South West Africa case दक्षिण पश्चिम अफ्रीका केस	**3. 1955**
D. Right of Passage Over Indian Territories/भारतीय प्रदेशों पर से यात्रा का अधिकार	**4. 1960**

Codes:/कूट:

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	3	1	4
(c)	3	4	1	2
(d)	4	3	1	2

Ans. (a) :

(a) उत्तर सामुद्रिक महाद्वीपीय शेल्फ केस - 1969

(b) कॉर्फ्यू चैनल केस - 1949

(c) दक्षिण पश्चिमी अफ्रीका केस - 1955

(d) भारतीय प्रदेशों पर से यात्रा का अधिकार - 1960

18. In India, treaty-making is:
भारत में, संधि करना–

(a) Legislative Act/विधायी कार्य है

(b) Executive-Act/कार्यकारी कर्म है

(c) Judicial Act/न्यायिक कार्य है

(d) Legislative and Judicial Act/विधायी और न्यायिक कार्य है

Ans. (b) : भारत में, संधि करना कार्यकारी कर्म है

19. Which section of the Hindu Marriage Act, 1955 provides the remedy of "Restitution of Conjugal Rights?
हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 की कौन सी धारा में ''दांपत्य अधिकारों के प्रस्थापन'' का प्रावधान है?

(a) Section 5/धारा 5 (b) Section 9/धारा 9

(c) Section 11/धारा 11 (d) Section 13/धारा 13

Ans. (b) : हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 9 दाम्पत्य अधिकारों के प्रत्यास्थापन का प्रावधान करती है।
सरोज रानी बनाम सुर्दशन कुमार (1984) के वाद में धारा 9 (दाम्पत्य अधिकारों का पुर्नस्थापन) को संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 का उल्लंघनकारी नहीं माना गया।

20. Which of the following refers to the irrevocable form of Talaq?
तलाक का अप्रतिसंहरणीय रूप निम्नांकित में से कौन-सा हैं?

(a) Talaq-ul-Ahsan/तलाक-उल-एहसान
(b) Talaq-ul-Hasan/तलाक-उस-हसन
(c) Talaq-ul-Biddat/तलाक-उल-बिद्दत
(d) Talaq-i-Tafweez/तलाक-इ-तफवीज़

Ans. (c) : मुस्लिम विधि के अन्तर्गत तलाक-उल-बिद्दत सुन्नी समुदाय में 'प्रचलित है, तथा यह एक प्रकार का अप्रतिसंहरणीय तलाक है। इस तलाक की विशेषता यह है कि एक ही बार उच्चरित कर दिये जाने पर तलाक पूर्ण हो जाता है ।
सायराबानो बनाम भारत संघ (2017) के मामले में उच्चतम न्यायालय ने तलाक-उल-बिद्दत असंवैधानिक घोषित कर दिया गया था।

21. The Special Marriage Act was enacted in the year:
विशेष विवाह अधिनियम किस वर्ष में पारित हुआ?

(a) 1932 (b) 1947
(c) 1954 (d) 1956

Ans. (c) : विशेष विवाह अधिनियम 1954 वर्ष में पारित हुआ तथा 1 जनवरी, 1955 को प्रवर्तन में आया।

22. Assertion (A): Break down of marriage as such is not a ground for divorce.
अभिकथन (A): विवाह का भंग हो जाना विवाह विच्छेद के लिये आधार नहीं है।

Reason (R): It may result into an easy way of dissolution of marriage and shall result into instability in the society.
कारण (R): यह विवाह के विघटन का आसान तरीका बन सकता है और इसका परिणाम समाज में अस्थिरता का होगा।

Codes:/कूट:

(a) Both (A) and (R) are correct/(A) और (R) दोनों सही है
(b) (A) is correct, but (R) is incorrect/(A) सही है (R) गलत है
(c) Both (A) and (R) are wrong/(A) और (R) दोनों गलत है
(d) (R) is correct, but (A) is wrong/(R) सही है लेकिन (A) गलत है

Ans. (b) : हिन्दू विवाह अधि. की धारा 13(1-A) Break down of marriage सिद्धान्त पर आधारित है जिसके अनुसार निम्न परिस्थितियों में विवाह विच्छेद हो से सकता है।
(1) यदि न्यायिक पृथक्करण की आज्ञाप्ति के पश्चात 1 वर्ष तक सहवास प्रारम्भ नहीं हुआ है ।
(2) दाम्पत्य अधिकारों की प्रस्थापना की आज्ञप्ति के पश्चात 1 वर्ष या उससे अधिक समय तक दाम्पत्य अधिकारो का प्रस्थापन न हुआ हो।
यह कहना सही नहीं होगा कि 'विवाह का भंग हो जाना' विवाह विघटन का आसान तरीका है। इस आधार पर विवाह का विघटन न्यायालय द्वारा तभी किया जाता है, जब वैवाहिक संबंध को स्थापित करना दोनों पक्षकारों के लिए असंभव हो जाता है। जब विवाह के पक्षकारों का एक साथ रहने की सभी संभावना समाप्त हो जाती है, तो यह न्यायसंगत होगा कि ऐसे विवाह को समाप्त कर दिया जाये।

23. The main sources of Muslim law are, Holy Quran, Sunna & Ahadhis and Ijmaa.
मुस्लिम विधि के मुख्य स्त्रोत पवित्र कुरान, सुन्ना, अहदीस और इज्मा हैं–

(a) True/सत्य
(b) False/मिथ्या
(c) Partly true and partly false/आंशिक रूप से सत्य और आंशिक रूप से मिथ्या
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : मुस्लिम विधि के स्त्रोतों को दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है-
1. प्राथमिक स्त्रोत-
(A) कुरान (B) सुन्ना/अहादिस (C) इज्मा (D) कयास
2. द्वितीय स्त्रोत-
(A) प्रथाएं (B) न्यायिक-निर्णय (D) विधान

24. The Supereme Court of India gave direction to the fact that the marriages of all persons, citizen of India, belonging to various religions should be made compulsorily registerable in those respective States where marriage is solemnized. These directions were issued in which of the following cases?
भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने निदेश दिये है कि विभिन्न धर्मों के भारतीय नागरिकों और समस्त व्यक्तियों के विवाह को, उन राज्यों में, जहाँ विवाह संस्कार पूरे किये गये हैं, अनिवार्य रूप से पंजीकरण कर देने चाहिए। निम्नांकित वादों में से किसमें यह निदेश जारी किये गये थे?

(a) R.D. Upadhyay v. State of A.P./आर.डी. उपाध्याय बनाम आन्ध्र प्रदेश राज्य
(b) Shastri v. Muldas/शास्त्री बनाम मलदास
(c) Seema v. Ashwani Kumar/सीमा बनाम अश्विनी कुमार
(d) Kailash Sarkar v. Maya Devi/कैलाश सरकार बनाम माया देवी

Ans. (c) : सीमा बनाम अश्विनी कुमार के बाद में उच्चतम न्यायालय ने निर्देश दिया है कि विभिन्न धर्मों के भारतीय नागरिकों एवं समस्त व्यक्तियों के विवाह को उन राज्यों में जहाँ विवाह संस्कार पूरे किये गये है, अनिवार्य रूप से पंजीकरण करना चाहिए।

25. Consensus ad idem means:
''कॉन्सेन्सस एड् आइडेम'' का तात्पर्य है–

(a) Common Intention/सामान्य आशय
(b) Meeting of Minds/मस्तिष्कों का मिलन
(c) Common Object/सामान्य उद्देश्य
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : संविदा अधि. की धारा 13 में दो या अधिक व्यक्ति सम्मति हुए तब कहे जाते है जबकि वे किसी एक बात पर एक ही भाव में सहमत होते है। इस Consensus-ad-idem कहते है।

26. When consent is given by mistake, agreement will be:
जब भूल से स्वीकृति दी जाती है, तो करार होगा–

(a) Voidable/शून्यकरणीय (b) Void/शून्य
(c) Illegal/अवैध (d) Valid/वैध

Ans. (b) : संविदा अधि. की धारा 20 के अनुसार जब दोनो पक्षकार तथ्य की बात सम्बन्धी भूल की हो तब करार शून्य होता है।

27. Two statements are given in this question. One is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R). Examine these statements and select the correct combination of the codes.
इस प्रश्न में दो कथन दिये गये है एक को अभिकथन और दूसरे को कारण का नाम दिया गया है। इन कथनों की जाँच करें और कूटों का सही मिश्रण चयन करें–

Assertion (A): Collateral transaction to wagering agreement is enforceable by law.
अभिकथन (A): बाज़ी के करार का संपार्श्विक संव्यवहार विधि द्वारा प्रवर्तनीय होता है।

Reason (R): Wagering agreement is not illegal.
कारण (R): बाजी के करार अवैध नहीं होता है।

Cdoes:/कूट:

(a) Both Assertion (A) and Reason (R) are correct/(A) और (R) दोनों सही है
(b) Assertion (A) is correct, but Reason (R) is wrong/(A) सही है (R) गलत है
(c) Both Assertion (A) and Reason (R) are wrong/(A) और (R) दोनों गलत है
(d) Reason (R) is correct, but Assertion (A) is wrong/(R) सही है लेकिन (A) गलत है

Ans. (a) : भारतीय संविदा अधि. की धारा द्वारा 30 के अनुसार बाजी करार शून्य होता है, अवैध नहीं। जैसा कि धारा 30 से स्पष्ट है बाजी करार शून्य तथा अप्रर्वतनीय होता है, लेकिन विधि द्वारा निषिद्ध नहीं होता, अतः बाजी करार का प्रर्वतन नहीं हो सकता लेकिन बाजी करार के सम्पार्श्विक संव्यवहार विधि द्वारा प्रवर्तनीय होता है।

28. Match List-I with List-II and select and correct answer using the codes given below:
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये और सूचियों के नीचे दिये गये कूटों का चयन करते हुये सही उत्तर दीजिये–

सूची-I	**सूची-II**
A. General offer सामान्य प्रस्ताव	**1. Bhagwandas v. Girdharilal/ भगवानदास बनाम गिरधारी लाल**
B. Contract by telephonic communication टेलीफोन संचार द्वारा संविदा	**2. Lalman v. Gauridatt /लालमान शुक्ला बनाम गौरीदत्त**
C. Acceptance given in ignorance of proposal/प्रस्ताव की अनभिज्ञता में स्वीकृति देना	**3. Carlil v. Carbolic Smoke Ball Co. कारलिल बनाम कारबोलिक**
D. Remoteness of damages/हर्जाने की दूरस्थता	**4. Hadley v. Baxendale हैडले बनाम बैक्सेडेल**

Codes:/कूट:

	A	**B**	**C**	**D**
(a)	1	2	3	4
(b)	3	1	2	4
(c)	2	4	1	3
(d)	1	4	3	2

Ans. (b) :

(a)	सामान्य प्रस्ताव	- कार्लिल बनाम कार्वोलिक स्मोक बाल कं.
(b)	टेलीफोन संचार द्वारा संविदा	- भगवादनदास बनाम गिरधारीलाल
(c)	प्रस्ताव की अनभिज्ञता स्वीकृति देना	- लालमन शुक्ला बनाम में गौरी दत्त
(d)	हर्जाने की दुरस्थता	- हेडले बनाम वेक्सेन्डल

29. When the parties to the contract agree to substitute the existing contract with new contract, it is called:
जब संविदा के पक्षकार की गई संविदा को नयी संविदा द्वारा प्रतिस्थापित करने के लिए सहमत होते हैं, तो यह कहलाता है–

(a) Alteration in Contract/संविदा में परिवर्तन
(b) Rescission of Contract/संविदा का विखण्डन
(c) Novation of Contract/संविदा का नवीनीकरण
(d) All of the above/उपर्युक्त सभी

Ans. (c) : संविदा अधिनियम की धारा 62 में संविदा नवीनीकरण, विखण्डन और परिवर्तन का प्रभाव प्रावधानित है, जिसके अनुसार जब संविदा के पक्षकार की गई संविदा को नई संविदा द्वारा प्रतिस्थापित होने के लिए सहमत होते है तो यह संविदा का नवीनीकरण कहलाता है।

30. Where a contract contains a stipulation by weay of penalty on breach of contract, the aggrieved party is entitled for compensation:
जहाँ संविदा में, संविदा भंग होने पर शास्ति के रूप में राशि का प्रावधान है, तो पीड़ित पक्षकार निम्नलिखित क्षतिपूर्ण का हकदार होता है:

(a) Stipulated amount, if actual loss is proved/यदि वास्तविक हानि सिद्ध हो जाती है, तो तय की गई राशि
(b) Stipulated amount, even actual loss is not proved/यदि वास्तविक हानि सिद्ध नहीं भी हुई हो, तो भी तय की गई राशि
(c) Reasonable amount but not more than stipulated amount/उचित राशि परन्तु तय की गई राशि से अधिक नहीं हो
(d) Reasonable amount, even more than stipulated amount it loss is proved/उचित राशि परन्तु यदि वास्तविक हानि सिद्ध हो जाती है तो तय की गई राशि से अधिक भी

Ans. (c) : संविदा अधि. की धारा 74 में प्रावधान किया गया है कि जहाँ शास्ति का अनुबन्ध है वहाँ संविदा भंग होने पर परिवाद करने वाला पक्षकार उस पक्षकार से जिसने संविदा भंग किया है, ऐसी नामित रकम से युक्तियुक्त प्रतिकर पाने का हकदार होगा।

31. Torts is defined as a civil wrong for which remedy is an action for:
अपकृत्यों को सिविल प्रकृति के अनुचित कार्य के रूप परिभाषित किया गया है जिसके लिये उपचार निम्नलिखित के लिये कार्यवाही है:

(a) Unliquidated damages/अनिश्चित हर्जाना
(b) Liquidated damages/निश्चित हर्जाना
(c) Damages of all kinds/सब प्रकार के हर्जाना
(d) No damages/कोई हर्जाना नहीं

Ans. (a) : अपकृत्य की विशेषता यह है कि
(1) इसमें हानिकारित होना आवश्यक नहीं है।
(2) मात्र विधिक अधिकारों का अतिलंघन होना पर्याप्त है।
(3) ऐसी क्षति के दावाकृत नुकसानी अपरिनिर्धारित होती है।

32. The exercise of ordinary rights for a lawful purpose and in a lawful manner is no wrong even if it causes damage. This is known as:
विधिक उद्देश्य के लिये साधारण अधिकार का विधिपूर्ण ढंग से प्रयोग अनुचित कार्य नहीं है चाहे इससे क्षति होती है। इसे निम्नलिखित के रूप में जाना जाता है?

(a) Volenti non fit injuria/वैलेन्टी नॉन फिट इनज्यूरिया
(b) Injuria sine damnum/इनज्यूरिया साइन डैमनम
(c) Damnum sine injuria/डैमनम साइन इनज्यूरिया
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : बिना क्षति के हानि का सूत्र बिना हानि के क्षति के ठीक विपरीत है, इस सूत्र के अनुसार जहाँ किसी व्यक्ति को बिना किसी क्षति हानि होती है वहाँ वह अपकृत्य विधि के अन्तर्गत अनुयोज्य नहीं होगा क्योंकि इसमें किसी व्यक्ति के विधिक अधिकारों का अतिलंघन नहीं होता है।

33. 'Respondent superior' means:
'श्रेष्ठ उत्तरदाता' का तात्पर्य है:

(a) respondent is superior than plaintiff/वादी की तुलना में प्रतिवादी श्रेष्ठ है
(b) master is superior/स्वामी श्रेष्ठ है
(c) servant is not liable/नौकर जवाबदेह नहीं है
(d) master is vicariously liable/स्वामी प्रतिनिधि रूप से जवाबदेह है

Ans. (d) : साधारणतः कोई भी व्यक्ति केवल अपने ही दोषपूर्ण कृत्यों के लिए दायी होता है अन्य व्यक्तियों के कार्यो के लिए नहीं किन्तु कतिपय परिस्थितियो में एक व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति के दोषपूर्ण कार्यो के लिए उत्तरदायी हो सकता है। सामान्यतः स्वामी एवं सेवक के कार्य ऐसे ही होते है तथा यह माना जाता है कि यह कार्य ऐसे उत्तरदायी होने वाले व्यक्ति द्वारा ही किया गया हो विधिक भाषा में इसे प्रतिनिधिक दायित्व कहा जाता है जो Respondent सुपीरियर के सिद्धान्त पर आधारित है।

34. In remoteness of damages the main tests to determine whether damage is remote or not are:
क्षति की दूरस्थता में क्षति दूरस्थ है या नहीं के निर्धारित की प्रमुख कसौटी है:

1. **Test of reasonable Foresight/युक्तियुक्त पूर्वानुमान का परीक्षण**
2. **Test of Remoteness/दूरस्थता का परीक्षण**
3. **Test of Directness/प्रत्यक्षता का परीक्षण**
4. **Test of Foresightedness/पूर्वानुमान का परीक्षण**

(a) II, III/1, 3 (b) II, IV/2, 4
(c) III, IV/3, 4 (d) I/1

Ans. (d) : अपकृत्य विधि के अन्तर्गत क्षति की दुरवर्तिता का सिद्धान्त दो महत्वपूर्ण कसौटियो पर आधारित हैं
(1) प्रत्यक्ष परिणाम (2) युक्तियुक्त पूर्वानुमान
वैगन माउन्ट का मामला 1961 में युक्तियुक्त पूर्वानुमान की कसौटी को स्वीकार करते हुए रि पोलिमिस के वाद में प्रतिपादित विपरीत मत को अस्वीकार कर दिया था।

35. Assertion (A): For an 'Act of God' to be an exception, there is to be working of the natural forces so unexpected that no human force or skill could reasonably be expected to anticipate it.
कथन (A): 'दैवकृत्य' को अपवाद होने के लिये प्राकृतिक शक्तियों की कार्यकारिता इतनी अनापेक्षित हो कि किसी भी मानवीय शक्ति या कौशल द्वारा इसका युक्तियुक्त ढंग से अनुमान लगा पाना अपेक्षित न हो।

Reason (R): It is not an absolute exception and can be overlooked.
कारण (R): यह पूर्ण अपवाद नहीं है और इसे नजर अंदाज किया जा सकता है।

Codes:/कूट:

(a) (A) is correct, but (R) is wrong/(A) सही है (R) गलत है
(b) (R) is correct, but (A) is wrong/(R) सही है लेकिन (A) गलत है
(c) Both (A) and (R) are correct/(A) और (R) दोनों सही है
(d) Both (A) and (R) are wrong/(A) और (R) दोनों गलत है

Ans. (c) : अपकृत्य विधि के अंतर्गत 'दैवकृत्य' को बचाव माना गया है। 'दैवकृत्य' को अपवाद होने के लिये प्राकृतिक शक्तियों की कार्यकारिता इतनी अनापेक्षित हो कि किसी भी मानवीय शक्ति या कौशल द्वारा इसका युक्तियुक्त ढंग से अनुमान लगा पाना अपेक्षित न हो।
वर्तमान समय में प्राकृतिक आपदाओं को पूर्ण अपवाद नही माना जा सकता क्योंकि अब ऐसी आपदाओं का साधारणतः पूर्वानुमान लगाया जा सकता है।

36. Assertion (A): If a dangerous thing is brought on one's land, its use is non-natural and if it escapes, the person can plead lack of 'mens rea' as a please.
कथन (A): यदि खतरनाक चीज किसी के भूस्थान में लाई जाती है, उसका उपयोग अ-प्राकृतिक है और यदि वो साफ निकल जाती है, तो व्यक्ति प्रतिवाद के रूप में 'दुराशय के अभाव' की दलील पेश कर सकता है।

Reason (R): The rule of strict liability cannot be applied to every such situation.
कारण (R): कठोर दायित्व का नियम प्रत्येक ऐसी स्थिति में लागू नहीं किया जा सकता है।

Codes:/कूट:

(a) (A) is correct, but (R) is wrong/(A) सही है (R) गलत है

(b) (R) is correct, but (A) is wrong/(R) सही है लेकिन (A) गलत है

(c) Both (A) and (R) are correct/(A) और (R) दोनों सही है

(d) Both (A) and (R) are wrong/(A) और (R) दोनों गलत है

Ans. (b) : रायलैण्ड बनाम फ्लैचर (1860) के मामले में कठोर दायित्व का सिद्धान्त प्रतिपादित किया गया था। जिसके पूर्ण होने की निम्नांकित शर्त है।

(1) किसी व्यक्ति द्वारा अपनी भूमि पर ऐसा कोई चीज लाना या रखना जिसके बच निकलने या पलायन करने पर रिष्टी कारित करने की सम्भावना हो।

(2) जिसका बच निकलना या पलायन कर जाना अपनी भूमि का अप्राकृतिक उपयोग हो।

उपरोक्त दोनों शर्त पूर्ण होने पर प्रतिवादी दात्विाधिन होगा तथा ऐसे मामलें (कठोर दायित्व) में दुराशय के अभाव की दलील पेश नहीं किया जा सकता है।

37. The demarcating line between intention and knowledge is:
आशय और ज्ञान के बीच सीमांकन रेखा–

(a) Non-existing/अविद्यमान है

(b) Existing/विद्यमान है

(c) Thin/पतली है

(d) Wide/चौड़ी है

Ans. (c) : आशय एवं ज्ञान के बीच सीमांकन रेखा अत्यन्त पतली है यह सिद्धान्त I. P. C. की धारा 299 एवं 300 के मध्य विभेद करने का आधार है जिसे बच्चन सिंह बनाम पंजाब राज्य में उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया है।

38. The feeling of hatredness exciting an individual is an offence of:
व्यक्ति जो उत्तेजित करने वाली घृणा की भावना निम्नलिखित का अपराध है–

(a) Conspiracy/षड्यंत्र

(b) Abetment/दुष्प्रेरणा

(c) Defamation/मानहानि

(d) None of above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : I. P. C. की धारा 499 में मानहानि को परिभाषित किया गया है जब किसी व्यक्ति को घृणा की भावना से प्रेरित किया जाता है तो मानहानि का अपराध करता है।

39. Sex with a girl with fraudulent consent amounts to:
छलपूर्ण रजामन्दी से लड़की के साथ यौन सम्बन्ध निम्नलिखित कहलाता है–

(a) Simple physical assault/सादा शारीरिक प्रहार

(b) Molestation/छेड़छाड़

(c) Outraging of modesty/शालीनता भंग करना

(d) Rape/बलात्कार

Ans. (d) : I. P. C. की धारा 375 के अनुसार छलपूर्ण रजामन्दी से लकड़ी के साथ यौन सम्बन्ध बलात्कार के अपराध के अन्तर्गत आता है।

* शारीरिक प्रहार भारतीय दण्ड संहिता की धारा 352 में दण्डनीय है।

* स्त्री की शालीनता भंग करना भारतीय दण्ड संहिता की धारा 354 में दण्डनीय है।

* स्त्री से छेड़छाड़ करना भारतीय दण्ड संहिता की धारा 509 के तहत दण्डनीय है।

40. The requirement for fixing joint liability lies particularly on the confederation of parties because of:
संयुक्त दायित्व निश्चित करने के लिये अपेक्षा निम्नलिखित की वजह से पक्षों के संगठन पर रहती है:

(a) Common object/सामान्य उद्देश्य

(b) Common intention/सामान्य आशय

(c) Vicarious liability/प्रतिनिधिक दायित्व

(d) Deemed to be guilty/कसूरवार समझ लेना

Ans. (b) : I. P. C. की धारा 34 के अनुसार-जबकि कोई अपराधिक कार्य कई व्यक्तियों द्वारा अपने सब के सामान्य आशय के अग्रसर करने में किया जाता है तब ऐसे व्यक्तियों में से हर व्यक्ति उस कार्य के लिए उसी प्रकार दायित्व के अधीन है मानो वह कार्य स्वयं ने किया है।

सामान्य आशय का अर्थ - जिसमें पूर्व निर्धारित योजना निहित है, विचारो का पूर्व मिलन सभी व्यक्तियों जो एक गुट को निर्मित करते है के बीच विचार विमर्श।

41. An aggravated form of wrongful confinement of a girl amounts to:
लड़की के सदोष परिरोध का अपरिवर्तित रूप कहलाता है–

(a) Kidnaping/अपहरण

(b) Abduction/व्यपहरण

(c) Enticing/प्रलोभित करना

(d) Taking away/ले जाना

Ans. (b) : I. P. C. की धारा 362 के अनुसार व्यपहरण के निम्न तत्व है-

(1) बलपूर्वक बाध्यता अथवा प्रबंचना पूर्ण उपायो द्वारा उत्प्रेरण

(2) ऐसी बाध्यता तथा उत्प्रेरण का उद्देश्य किसी व्यक्ति की किसी स्थान से लाने का हो।

सदोष परिरोध (धारा 340) का अपरिवर्तित रूप व्यपहरण कहलाता है।

42. In order to prove the offence of dowry related act the law prescribes that:
दहेज सम्बन्धित अधिनियम का अपराध सिद्ध करने के लिये कानून ने विहित किया है कि–

(a) The demand of dowry should have been made within seven years of marriage/विवाह के सात वर्षों के अन्दर दहेज की माँग की गई हो

(b) There must be cruelty against the woman to inter dowry demand/दहेज की माँग के निर्णय पर पहुँचने के लिये स्त्री के विरुद्ध निर्दयता की गई हो

(c) There must be a conduct of harasment only for such demand/सिर्फ ऐसी माँग के लिये तंग किया गया हो

(d) All of them/उपर्युक्त सभी

Ans. (d) : I. P. C. की धारा 304-B के अनुसार-जहाँ किसी स्त्री की मृत्यु किसी डाह या शारीरिक क्षति द्वारा कारित की जाती है या उसके विवाह के 7 वर्ष के भीतर सामान्य परिस्थितियो से अन्यथा हो जाती है और यह दर्शित हो जाता है कि उसके पति या पति के नातेदार ने दहेज के किसी माँग के लिए या उसके सम्बन्ध में उसके साथ क्रुरता की थी, तो ऐसे मृत्यु को दहेज मृत्यु कहा जायेगा।

43. Permanent closing down of a part of place of work is called:
कार्यस्थल के किसी भाग को स्थायी रूप से बन्द करना कहलाता है–

(a) Lay-off/जबरी-छुट्टी (b) Retrenchment/छँटनी
(c) Closure/बंदी (d) Lockout/तालाबन्दी

Ans. (c) : औद्योगिक विवाद अधि की धारा 2(cc) में बन्दी को परिभाषित किया गया है जिसके अनुसार बन्दी से किसी नियोजन का स्थान या उसके किसी भाग का स्थायी रूप से बन्द किया जाना अभिप्रेत है।

44. Match List-I with List-II and select the correct answer using the codes given below:
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये और सूचियों के नीचे दिये गये कूटों का करते हुये सही उत्तर का चयन कीजिये–

सूची-I (Subject/ विषय)	सूची-II (Judicial Decisions/न्यायिक निर्णय)
A. Lockout तालाबन्दी	1. Lalit Hari Ayurvedi College Pharmacy v. Workers and Hospital Union/ललितहरि आयुर्वेदिक कॉलेज फार्मेसी बनाम कर्मकारगण एवं अस्पताल संघ
B. Lay-off जबरी-छुट्टी	2. A.P. Dairy Development Co-op. Federation Ltd. v. Presiding Officer, Labour Court Guntur/ए.पी. डेयरी डेवलमेंट कॉपरेटिव फेडरेशन लि. बनाम पीठासीन अधिकारी श्रमिक न्यायालय, गुण्टुर
C. Industrial Dispute/ औद्योगिक विवाद	3. Workman v. Firestone Tyre & Rubber Co. कर्मकारगण बनाम फायर-स्टोन टायर एवं रबर कम्पनी
D. Industry/ उद्योग	4. Kairbeta Estate v. Rajmanickam/कैरबेता इस्टेट बनाम राजमणिकम

Codes:/कूट:

	A	B	C	D
(a)	1	2	4	3
(b)	3	4	1	2
(c)	2	1	3	4
(d)	4	3	2	1

Ans. (d) :
(a) तालाबन्दी - कैरबेता स्टेट बनाम राजमनिकम
(b) छुट्टी - कर्मकारगण बनाम फायर स्टोन टायर एवं स्वर कम्पनी
(c) औद्योगिक विवाद - ए.पी.डेयरी डेवलपमेन्ट कापरेटिव फेडरेशन लि. बनाम पीठाशीन अधि. श्रमिक न्यायालय गुन्टूर
(d) उद्योग - ललित हरि आर्युवेदिक कालेज फार्मेसी बनाम कर्मकारगण एवं अस्पताल संघ

45. Consider the following judicial decisions:
निम्नलिखित न्यायिक निर्णयों पर विचार कीजिए:

1. **Hindustan Steel Ltd. v. Presiding Officer हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड बनाम पीठासीन अधिकारी**
2. **Management of KSRT Corpn., Bangalore v. M. Boraih/मैनेजमेंट, के.एस.आर.टी. कॉरपोरेशन बंगलौर बनाम एम. बोराइट**
3. **Pipraich Sugar Mills v. Mazdoor Union पिपराइच शुगर मिल्स बनाम मजदूर यूनियन**
4. **Management of W.B. India Ltd. v. Jaganath/मैनेजमेंट ऑफ वेस्ट बंगाल इण्डिया लि. बनाम जगन्नाथ**

Codes:/कूट:

(a) I, IV, II and III/1, 4, 2 एवं 3
(b) IV, II, III and I/4, 2, 3 एवं 1
(c) II, III, I and IV/2, 3, 1 एवं 4
(d) III, II, IV and I/3, 2, 4 एवं 1

Ans. (d) : सही क्रम निम्न है-
(1) पिपराइच सुगर मिल बनाम मजदूर संघ (1956)
(2) मैनेजमेन्ट के. एस. आर. टी. बनाम एम. वोराइट कारपोरेशन वैगलौर (1983)
(3) मैनेजमेन्ट आफ वेस्ट बंगाल इण्डिया लिमिटेड बनाम जगन्नाथ (1967)
(4) हिन्दूस्तान स्टील लिमिटेड बनाम पीठासीन अधिकारी (1977)।

46. Assertion (A): Definition of lay-off as given under the Industrial Disputes Act does not confer any power on the management to lay-off.
कथन (A): औद्योगिक विवाद अधिनियम के अंतर्गत दी गई जबरी-छुट्टी की परिभाषा प्रबन्धन को जबरी-छुट्टी करने की शक्ति प्रदान नहीं करती है।
Reason (R): Financial stringency cannot constitute ground for lay-off.
कारण (R): वित्तीय कठिनाइयाँ जबरी-छुट्टी का आधार नहीं होती है।

Codes:/कूट:

(a) Bpth (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है

(b) Both (A) and (R) are true, but (R) is not the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही है लेकिन (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है

(c) (A) is true, but (R) is false/(A) सही है लेकिन (R) गलत है

(d) (A) is false, but (R) is true/(A) गलत है लेकिन (R) सही है

Ans. (b**) :** औद्योगिक विवाद अधि. की धारा 2(KKK) में काम बन्दी को परिभाषित किया गया है । जिसके अनुसार वित्तीय कठिनाईयाँ जवरी छुट्टी का आधार नहीं होती तथा प्रबन्धन को जवरी छुट्टी की शक्ति प्रदान नहीं करती है।
उपरोक्त धारा के अनुसार, कोयला, विद्युत या कच्चे माल की कमी या मशीनरी का खराब होना या प्राकृतिक आपदा इत्यादि जबरन छुट्टी का आधार हो सकती है।

47. Consider the following statements:
निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. **Lock-out indicates the closure of the place of business/तालाबन्दी का अभिप्राय कारोबार के स्थान की बन्दी से है।**
2. **Lock-out indicates the closure of the business itself/तालाबन्दी स्वतः कारोबार की बन्दी है।**
3. **Suspension of work due to trade reasons constitute lock-out/व्यापार-कारणों से कार्य-स्थगन तालाबन्दी है।**
4. **Lock-out does not include discharge तालाबन्दी में उन्मोचन सम्मिलित नहीं है।**

Codes:/कूटः

(a) I, II and III are correct/1, 2 एवं 3 सही है

(b) II and III are correct/2 एवं 3 सही है

(c) I and IV are correct/1 एवं 4 सही है

(d) II and III are correct/2 एवं 3 सही है

Ans. (c**) :** औद्योगिक विवाद अधि. की धारा **(**2**)(**c**)** में तालाबन्दी को परिभाषित किया गया है जिसके अनुसार तालाबन्दी से नियोजन स्थान का अस्थायी रूप से बन्द किया जाना या काम का निलम्बन या नियोजक का अपने द्वारा नियोजित व्यक्तियों में से कितने ही व्यक्तियों का नियोजन में लगाये जाने से इन्कार करना है।

48. A union leader or an oficebearer of the trade union has immunity from:
संघ के नेता अथवा व्यवसाय संघ के अधिकारी को उन्मुक्ति है–

(a) transfer/स्थानान्तरण

(b) misconduct/दुराचरण

(c) civil proceedings/दीवानी कार्यवाहियों

(d) deliberate trespass/जानबूझकर किये गये अतिचार से

Ans. (c**) :** व्यवसाय संघ अधि. 1956 की धारा 18 कतिपय दशाओं में सिविल वाद से उन्मुक्ति का अधार प्रदान करती है, जिसके अनुसार संघ के नेता अथवा व्यवसाय संघ के अधिकारी को दीवानी कार्यवाही से उन्मुक्ति प्राप्त है।

49. The maxim res ipsa loquitur is a rule of:
सूत्र घटनाएं स्वयं बोलती हैं, है–

(a) evidence/साक्ष्य का नियम

(b) criminal law/आपराधिक विधि का नियम

(c) refutal of evidence/साक्ष्य के विखंडन का नियम

(d) vicarious liability/प्रतिनिधिक दायित्व का नियम

Ans. (a**) :** सूक्ति घटना स्वयं बोलती है साक्ष्य का नियम है। जिसे Res- Ipsa-loquitur कहते है।
प्रमुख वाद-सुभागवंती बनाम म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन, दिल्ली।

50. Which of the following pairs is snot correctly matched?
निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

(a)	Distinction between de facto and de jure recognition is politicial/तथ्यतः एवं विधितः मानयता में अंतर राजनीति है	The Arantaju Mendi's case/अंरातराजू मेन्डी का वाद
(b)	Status of customary international law in England/ इंग्लैण्ड में प्रथागत अन्तर्राष्ट्रीय विधि की प्रास्थिति	Maclane Watson's case/ मैक्लेन वाटसन का वाद
(c)	Treaty making power of the central executive/ केन्द्रीय कार्यपालिका की संधि करने की शक्ति	Shrikrishna Sharma v. State of West Bengal/ श्रीकृष्ण शर्मा बनाम पश्चिमी बंगाल राज्य
(d)	Binding character of an arbitral award/ विवाचन पंचाट की बाध्यकारी प्रकृति	Maganbhai Ishwarbhai v. Union of India/ मगनभाई ईश्वरभाई बनाम भारत संघ

Ans. (b**) :** मैक्लेन वाटसन का वाद राज्य की उन्मुक्ति (State Immunity) से संबंधित है।

यू.जी.सी./एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2011
LAW (विधि)
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

नोटः इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1. The Supreme Court of India has adopted new approach for the interpretation of the concept 'Equality' in which of the following case:
भारत के उच्चतम न्यायालय ने समानता की अवधारणा की व्याख्या के लिए निम्नलिखित में से, किसमें नया दृष्टिकोण अपनाया है?

(a) State of West Bengal v. Anwar-ali Sarkar
पश्चिम बंगाल राज्य बनाम अनवर अली सरकार

(b) E.P. Royappa v. State of Tamil Nadu
ई.पी. रोयप्पा बनाम तमिलनाडु राज्य

(c) Keshavanand Bharati v. State of Kerala
केशवानन्द भारती बनाम केरल राज्य

(d) State of karnataka v. Appa Balu Ingale
कर्नाटक राज्य बनाम अप्पाबालू इंगले

Ans. (b) : इ.पी. रोयप्पा बनाम तमिलनाडु राज्य, (1974) S.C. के मामले में उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पीएन भगवती ने समता की पारम्परिक धारणा को जो युक्तियुक्त वर्गीकरण' के सिद्धान्त पर आधारित है, मानने से अस्वीकार कर दिया और एक नया दृष्टिकोण अपनाया- मनमानेपन के विरुद्ध संरक्षण **पश्चिम बंगाल राज्य बनाम अनवर अली सरकार** (1952) S.C. के मामले में मुख्य न्यायाधिपति पातंजलि शास्त्री ने 'विधि का समान संरक्षण' को, 'विधि के समक्ष समता' का ही उपसिद्धान्त माना है।
केशवानन्द भारती बनाम केरल राज्य (1973) S.C. के बाद में मूल ढाँचे का सिद्धान्त प्रतिपादित किया गया।

2. In which of the following case the Supreme Court said 'Right to life does not include Right to Die'?
निम्नलिखित वादों में से कि वाद में उच्चतम न्यायालय ने कहा 'जीवन के अधिकार में मृत्यु का अधिकार सम्मिलित नहीं है'।

(a) P.Rathinam v. Union of India
रतिनाम बनाम भारत सरकार

(b) M.C. Mehta v. Union of India
एम.सी. मेहता बनाम भारत सरकार

(c) Gyan Kaur v. State of Punjab
ज्ञान कौर बनाम पंजाब राज्य

(d) Sunil Batra v. Superintendent, Delhi Administration/सुनील बत्रा बनाम अधीक्षक, दिल्ली प्रशासन

Ans. (c) : ज्ञान कौर बनाम पंजाब राज्य (1996) S.C. में उच्चतम न्यायालय ने कहा 'जीवन के अधिकार' में मरने का अधिकार सम्मिलित नहीं है। **पी0 रतीनाम बनाम भारत संघ** (1994) के बाद में उच्चतम न्यायालय ने कहा था जीवन के अधिकार के अन्तर्गत मरने का अधिकार सम्मिलित होता है।
सुनील बत्रा बनाम दिल्ली प्रशासन (1978) S.C. के वाद एकान्त कारावास के विरुद्ध संरक्षण से सम्बन्धित है।

3. Which one of the following privileges is guaranted to the President of India under Article 361 of the Constitution?
निम्न में से कौन सा विशेषाधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 361 के अन्तर्गत भारत के राष्ट्रपति को दिया गया है?

(a) Not to participate in the Parliamentary proceedings/संसदीय प्रक्रिया में भाग नहीं लेना

(b) He is answerable to the Chief Justice of India/वह भारत के मुख्य न्यायाधीश को जवाब देने के लिए उत्तरदायी है

(c) He is not to be answerable to any Court during the term of his office/अपने पद पर रहते हुए किसी भी न्यायालय के प्रति उत्तरदायी नहीं है

(d) Can address both the Houses of Parliament at the time of joint session/संयुक्त अधिवेशन में संसद के दोनों सदनों में बोल सकता है।

Ans. (c) : भारतीय संविधान के अनु.361 राष्ट्रपति एवं राज्यपाल के विशेषाधिकार से संबंधित प्रावधान किया गया है। अनुच्छेद 361(1) के अनुसार– राष्ट्रपति अथवा राज्य का राज्यपाल अपने पद की शक्तियों का प्रयोग एवं कर्तव्यों के पालन के लिए या उन शक्तियों का प्रयोग एवं कार्यों का निष्पादन के लिए किसी भी न्यायालय के प्रति उत्तरदायी नहीं है।

4. Money Bills can be introduced only:
धन विधेयक को केवल पेश किया जा सकता है

(a) in Rajya Sabha/राज्य सभा में

(b) in both Houses of Parliament/संसद के दोनों सदन में

(c) in Lok Sabha only/केवल लोक सभा में

(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : धन विधेयक केवल लोक सभा में पेश किया जाता है। धन विधेयक के सम्बन्ध में राज्य सभा को कोई शक्ति नहीं प्राप्त है।
अनुच्छेद- 109 (भारतीय संविधान)

5. Who has the power to dissolve the House of the People?
लोक सभा को भंग करने का अधिकार किसको है?

(a) The Council of Ministers/मंत्रि परिषद

(b) The Prime Minister/प्रधानमंत्री

(c) The Speaker of the Lok Sabha/लोकसभा का अध्यक्ष (स्पीकर)

(d) The President/राष्ट्रपति

Ans. (d) : भारतीय संविधान का अनुच्छेद 85 राष्ट्रपति को यह शक्ति प्रदान करती है कि– वह समय-समय पर-
1. संसद के प्रत्येक सदन को अधिवेशन के लिए आहुत करेगा (किन्तु एक सत्र के प्रथम बैठक आगामी सत्र की अंतिम बैठक के नियत तारीख के 6 माह के बीच)
2. सदनों का या किसी सदन का सत्रवसान कर सकेगा।
3. लोक सभा का विघटन कर सकेगा।

6. Judicial review in the Indian Constitution is based on:
भारतीय संविधान में न्यायिक पुनर्विलोकन आधारित है।

(a) Procedure established by Law/विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया
(b) Due process of Law/विधि की यथोचित प्रक्रिया
(c) Rule of Law/विधि शासन
(d) Precedents and Conventions/पूर्व निर्णयों एवं रूढ़ियों पर

Ans. (a) : भारतीय संविधान में न्यायिक पुनर्विलोकन विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया पर आधारित है। यह न्यायालय को निर्वचन की शक्ति प्रदान करती है। यदि विधानमण्डल द्वारा कोई आदेश, निर्देश संविधान के उपबन्धों से असंगत हो तो इसे समीक्षा करके शून्य घोषित कर सकता है। अमेरिकी संविधान में यह विधि की यथोचित प्रक्रिया पर आधारित है।

7. 'Limits of jurisprudence Defined' written by:
'लिमिट्स ऑफ जूरिसप्रडेंस डिफाइन्ड किस लेखक की रचना है?

(a) Jeremy Bentham/जेरेमी बैंथम
(b) John Austin/जॉन ऑस्टिन
(c) T.E. Holland/टी.ई. हालैण्ड
(d) H.L.A. Hart/एच.एल.ए.हार्ट

Ans. (a) : 'लिमिट्स ऑफ जूरिसप्रूडेन्स डिफाइन्ड' पुस्तक जेरेमी बेंथम की रचना है।
जॉन ऑस्टिन की रचना-'दि प्राविन्स ऑफ जूरिसप्रूडेन्स डिटरमिन' है।
हालैण्ड की रचना - ' एलिमेंट्स ऑफ जूरिसप्रुडेन्स' है।
एच0एल0ए0 हार्ट की रचना - 'रूल ऑफ रिकॉगनिशन' है।

8. H.L.A. Hart remarks that Law is a:
एच.एल.ए.हार्ट का कथन है कि विधि है

(a) Union of primary and secondary rules/प्राथमिक एवं गौण विधियों का सम्मेलन
(b) Union of Public and Private law/सरकारी और निजी नियमों का सम्मेलन
(c) Union of Central and State law/केंद्रीय और राज्य विधियों का सम्मेलन
(d) Union of effective rules/प्रभावी नियमों का सम्मेलन

Ans. (a) : एच0एल0ए0 हार्ट विधि को प्राथमिक तथा द्वितीयक नियमों (गौण) का सम्मेलन मानते हैं। हार्ट ने ऑस्टिन के आदेशात्मक विधि सिद्धान्त की अपने पुस्तक 'कन्सेप्ट ऑफ लॉ' में कटु आलोचना की है।

9. The term 'Legal theory' has been first time coined by:
पद 'विधिक सिद्धान्त' सर्वप्रथम किसके द्वारा गढ़ा गया?

(a) Hans Kelsen/हेन्स किल्सन
(b) W. Friedman/डब्ल्यू फ्राइडमैन
(c) Salmond/सामण्ड
(d) Ronald Dworkin/रोनाल्ड डबोर्किन

Ans. (b) : पद 'विधिक सिद्धान्त' **डब्ल्यू फ्रीडमैन** द्वारा गढ़ा गया। उन्होंने यह पद पहली बार 1945 में अपनी कृति 'लीगल थ्योरी' में प्रयोग किया था।

10. There are _____ theories of punishment.
दण्ड के सिद्धान्त कितने है?

(a) Two/दो (b) Three/तीन
(c) Four/चार (d) Five/पाँच

Ans. (d) : दण्ड के पाँच सिद्धान्त है-
(1) प्रतिरोधात्मक सिद्धान्त (Deterrent theory)
(2) प्रतिशोधात्मक सिद्धान्त (Retributive theory)
(3) प्रायश्चित्तात्मक सिद्धान्त (Expiratory theory)
(4) निरोधात्मक सिद्धान्त (Preventive theory)
(5) सुधारात्मक सिद्धान्त (Reformative theory)

11. Which one of the following statements is true?
निम्नलिखित कथनों में से कौन सा कथन सही है?

(a) Animus is necessary for the acquisition or commencement of possession/अधिग्रहण अथवा कब्जे के प्रारम्भ के लिए आशय आवश्यक है
(b) Corpus is necessary for the acquisition or commencement of possession/अधिग्रहण अथवा कब्जे के प्रारम्भ के लिए भौतिक नियंत्रण आवश्यक है
(c) Animus and corpus are not necessary for the acquisition or commencement of possession/अधिग्रहण अथवा कब्जे के प्रारम्भ के लिए आशय और भौतिक नियंत्रण आवश्यक नहीं है
(d) Animus and corpus are necessary for the acquisition or commencement of possession/अधिग्रहण अथवा कब्जे के प्रारम्भ के लिए आशय और भौतिक नियंत्रण आवश्यक है

Ans. (d) : अधिग्रहण अथवा कब्जे के प्रारम्भ के लिए आशय (Animus) तथा भौतिक नियन्त्रण (Corpus) दोनों आवश्यक है।

12. The 'Will Theory' was criticised by:
निम्नलिखित में से इच्छा सिद्धान्त (विल थ्योरी) की आलोचना किसने की?

(a) Locke/लॉक (b) Holmes/होम्स
(c) Puchta/पुच्टा (d) Duguit/ड्यूगित

Ans. (d) : डूयूगिट ने इच्छा सिद्धान्त की आलोचना करते हुए सामाजिक-समेकता को ही अधिकार का मूल स्रोत माना है। जबकि लॉक, होम्स, पुंच्छता 'इच्छा सिद्धान्त' का समर्थन करते हैं।

13. Boundary delimitation treaties are binding even on non-party States because they are valid ergo omnes. The International Court of justice held so in:
सीमा निर्धारण संधियाँ गैर-पक्षकार राज्यों पर भी बन्धनकारी हैं क्योंकि ये सम्पूर्ण विश्व के लिए वैध है। अन्तर्राष्ट्रीय न्यायिक अदालत ने किस वाद में ऐसा निर्णय दिया?

(a) The Asylum case/शरण (असाईलम) का वाद
(b) The case concerning Kasikili/Sedudu Island (Botswana v. Namibia)/कसिकिली/सेडुरु द्वीप वाद में (बोत्सवाना बनाम नमीबिया वाद)
(c) The case concerning the Gabcikobo-Nagymaros Project (Hangrey v. Slovakia) गब्सीकोवो-नागिमरोस परियोजना से सम्बन्धित वाद (हंगरी बनाम स्लोवाकिया)
(d) The Anglo-Narwegian Fisheries case/एंग्लो-नारवजियन मत्स्य वाद

Ans. (b) : कसिकिली/सेडुरु द्वीप वाद में (बोत्सवाना बनाम नामिबिया वाद) में अन्तर्राष्ट्रीय न्यायिक अदालत ने निर्णय दिया कि सीमा निर्धारण संधियाँ गैर-पक्षकार राज्यों पर भी बन्धनकारी है क्योंकि ये सम्पूर्ण विश्व के लिए वैध है।

शरण (असाईलम) का वाद - विदेशी दूतावास में आश्रय देने से सम्बन्धित है।

14. 'A treaty is a contract between the Governments of two or more sovereign States.' Lord Templeman said so in:
'दो अथवा अधिक प्रभुता-सम्पन्न राज्यों के बीच हुई संधि उनके बीच हुई संविदा है।' यह टैंपलमैन ने किस वाद में कहा?

(a) The S.S. Lotus case/एस.एस. लोटस वाद
(b) The Gulf of Maine case/मेन खाड़ी वाद
(c) James Buchanan & Co. v. Babco Forwarding and Shipping/जेम्स बुकानन एण्ड कम्पनी बनाम बाबी फार्वर्डिंग एण्ड शिपिंग
(d) Maclaine Watson v. Deptt. of Trade and Industry/मैक्लेन वाटसन बनाम वाणिज्य एवं व्यापार विभाग

Ans. (d) : मैक्लेन वाटसन बनाम वाणिज्य एवं व्यापार विभाग के बाद में लार्ड टैंपलमैन ने यह कहा कि- दो अथवा अधिक प्रभुता-सम्पन्न राज्यों के बीच हुई संधि उनके बीच हुई संविदा है।

एस.एस. लोटस वाद में यह निर्णय दिया गया कि वे देश जो अन्तर्राष्ट्रीय विधि में अपराध के क्षेत्राधिकार के प्रादेशिकता के सिद्धान्त को स्वीकार करते हैं, इस बात को भी स्वीकार करते हैं कि अपराध उन्हीं के प्रदेश में हुआ माना जाएगा, यदि अपराध का प्रभाव उनके प्रदेश पर पड़ता है।

15. Assertion (A): International Law is generally not enforceable.
अभिकथन (A): अंतर्राष्ट्रीय विधि प्रायः प्रवर्तनीय नहीं है।

Reason (R): International Law is generally observed by States in practice.
कारण (R): अंतर्राष्ट्रीय विधि को राज्यों द्वारा प्रायः व्यवहृत किया जाता है।

Codes:/कूट:

(a) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है
(b) Both (A) and (R) are true, but (R) is not the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही है लेकिन (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है
(c) (A) is true, but (R) is false/(A) सही है लेकिन (R) गलत है
(d) (A) is false, but (R) is true/(A) गलत है लेकिन (R) सही है

Ans. (b) : अन्तर्राष्ट्रीय विधि प्रायः प्रवर्तनीय नहीं है। अन्तर्राष्ट्रीय विधि, विधि नहीं है, मानने वाले विद्वान अपने समर्थन में कहते हैं कि - अन्तर्राष्ट्रीय विधि में अनुशास्ति का अभाव है तथा अन्तर्राष्ट्रीय विधि में एक सक्षम - न्यायालय का अभाव है।

परन्तु यह भी सत्य है कि अन्तर्राष्ट्रीय विधि को राज्यों द्वारा प्रायः व्यवहार में लाया जाता है।

16. Match List-I with List-II and select the correct answer using the codes given below:
सूची-I की मदों को सूची-II की मदों से सुमेलित कीजिये और अधोलिखित कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए–

List-I/सूची-I (Themes)	List-II/सूची-II (Decisions)
A. Unilateral statements can become legally binding/एक पक्षीय कथन विधि के अन्तर्गत बन्धनकारी बन सकते है	1. Island of Palmas case/पामास द्वीपवाद
B. Arbitration माध्यस्थम	2. Nuclear Test cases न्युक्लियर टेस्ट केस
C. International Organizations as a subject of International Law अन्तर्राष्ट्रीय विधि के विषय के रूप में अन्तर्राष्ट्रीय संगठन	3. Mavrommatis Palestine Concessions case मैवरोम्माटिस पैल्सटाइन कंसैशन केस
D. Concept of subrogation प्रत्यासन की अवधारणा	4. Advisory opinion on the legality of the threat or use of Nuclear Weapons नाभिकीय हथियारों के प्रयोग या प्रयोग की धमकी की वैधता पर परामर्शत्मक मत

Codes/कूट:

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	3	4	1
(c)	2	1	4	3
(d)	3	2	1	4

Ans. (c) :

निर्णय	वार्ता
पामास द्वीपवाद	माध्यस्थम
न्युक्लियर टेस्ट केस	एक पक्षीय कथन विधि के अन्तर्गत बन्धनकारी बन सकते हैं।
मैवरोम्माटिस पैल्सटाइन कंसेशन केश	प्रत्यासन की अवधारणा
नाभिकीय हथियारों के प्रयोग या प्रयोग की धमकी की वैधता पर परामर्शत्मक मत	अन्तर्राष्ट्रीय विधि के विषय के रूप में अन्तर्राष्ट्रीय संगठन

17. According to proponents of dualism both international law and municipal law differ:
द्वैतवाद के समर्थकों के अनुसार अन्तर्राष्ट्रीय विधि एवं राष्ट्रीय विधि में अंतर है

1. terms of their subjects/उनके विषयों के संदर्भ में
2. terms of their basis/उनके आधारों के संदर्भ में

3. **terms of binding nature/उनके आबद्धकारी प्रकृति के संदर्भ में**
4. **terms of their existence/उनके अस्तित्त्व के संदर्भ में**

Codes/कूटः

(a) 1, 2 and 3 are correct/1, 2 एवं 3 सही है
(b) 2, 3 and 4 are correct/2, 3 एवं 4 सही है
(c) 1 and 2 are correct/1 एवं 2 सही है
(d) 2 and 4 are correct/2 एवं 4 सही है

Ans. (c) : द्वैतवाद के समर्थकों के अनुसार अन्तर्राष्ट्रीय विधि तथा राष्ट्रीय विधि में अन्तर है-
(1) उनके विषयों के सन्दर्भ में
(2) उनके आधारों के सन्दर्भ में
द्वैतवाद को मानने वाले विधिशास्त्री है- ट्रीपिल तथा ऐंजीलाटी।

18. An interim Government of Lomalia seeks control over certain funds belonging to the Republic of Lomalia. Lomalia is at present in a State of civil war, with no function in effective control of the State. The Court asks the foreign office to give its opinion on status of the interim Government and the foreign office informs the Court that the U.K. no longer recognized the Government and that the attitude of the government is to be inferred from the nature of its dealings with the regime concerned on a Government to Government basis. In this circumstance the Court can decide the case by relying on:
लोमालिया की एक अन्तरिम सरकार लोमालिया गणराज्य के कतिपय फण्ड पर नियन्त्रण करना चाहती है। लोमालिया में इस समय गृह-युद्ध की स्थिति है। किसी भी धड़े का राज्य पर प्रभावी नियन्त्रण नहीं है। न्यायालय ने विदेश कार्यालय से अन्तरिम सरकार की हैंसियत के बारे में अपना विचार बतलाने के लिए कहा और विदेश कार्यालय ने न्यायालय को यह भी सूचित किया कि युनाइटेड किंगडम सरकार को मान्यता नहीं दी है और सरकार के दृष्टिकोण को एक सरकार के दूसरी सरकार के निहित व्यवहार के आधार पर जाना जा सकता है। इस स्थिति में न्यायालय इस वाद पर निर्णय को किस पर आधारित कर सकती है?

(a) the doctrine of de facto recognition/तथ्यतः मान्यता सिद्धान्त
(b) the doctrine of de jure recognition/विधितः मान्यता सिद्धान्त
(c) the doctrine of rebus sic stantibus/मौलिक परिवर्तन के सिद्धान्त
(d) the doctrine of legality, effectiveness and in marginal cases, recognition/वैधता, प्रभावकारिता और हाशियाई मामलों में मान्यता का सिद्धान्त

Ans. (a) : उपरोक्त तथ्य की स्थिति में न्यायालय निर्णय को तथ्यतः मान्यता सिद्धान्त पर आधारित कर सकती है। मान्यता दो प्रकार का होता है-तथ्यतः मान्यता तथा विधितः मान्यता। तथ्यतः मान्यता अन्तरिम प्रकृति की हो सकती है जबकि विधितः मान्यता अन्तिम मान्यता होती है।

19. Consider the following Propositions
निम्नलिखित प्रस्थापनाओं पर विचार कीजिएः

1. **A void marriage remains valid until a decree annulling it has been passed by a competent court/एक शून्य विवाह तब तक वैध रहता है जब तक कोई सक्षम अदालत उसे रद्द करने का आदेश नहीं देती।**
2. **A void marriage is never a valid marriage and there is no necessity of any decree annulling it/शून्य विवाह कभी भी वैध नहीं होता इसलिए इसे रद्द करने के लिए किसी आदेश की आवश्यकता नहीं है।**
3. **A voidable marriage is regarded as a valid marriage until a decree annulling it has been passed by a competent court/एक शून्यकरणीय विवाह तब तक वैध माना जाता है जब तक कोई सक्षम अदालत उसे रद्द नहीं करती।**

Codes:/कूटः

(a) I, II and III are correct/1, 2 और 3 सही है
(b) I and II are correct/1 और 2 सही है
(c) II and III are correct/2 और 3 सही है
(d) I and III are correct/1 और 3 सही है

Ans. (c) : हिन्दू विवाह अधिनियम 1953 की धारा 11 एवं 12 में उपबन्धित प्रावधानों के अनुसार एक शून्य विवाह प्रारम्भतः शून्य होता है यह कभी भी वैध नहीं रहता है, इसलिए इसे रद्द कराने के लिए किसी न्यायालय के आदेश की आवश्यकता नहीं होती जबकि शून्यकरणीय विवाह तब तक वैध माना जाता है जब तक कोई सक्षम अदालत उसे रद्द नहीं करती है।

20. Where the marriage has not been consummated, Iddat has to be observed in case of:
जहाँ विवाह की संसिद्धि न की गई हो ऐसे किस मामले में इद्दत को अपनाना पड़ता है?

(a) Death/मृत्यु
(b) Divorce/तलाक
(c) Both death and divorce/मृत्यु और तलाक दोनों में
(d) Neither death nor divorce/मृत्यु और तलाक दोनों में ही नहीं

Ans. (a) : इद्दत का शब्दिक अर्थ है 'गणना करना'। मुस्लिम विधि के अंतर्गत 'इद्दत' उस अवधि को कहते है। जिसमें विवाह-विच्छेद के पश्चात् किसी विधवा या तलाकशुदा महिला का पुनर्विवाह करने पर प्रतिबंध रहता है।
1. यदि विवाह पश्चात पति-पत्नी के मध्य सम्भोग नहीं हुआ हो तथा विवाह-विच्छेद पति की मृत्यु द्वारा होता है तो विधवा स्त्री के लिए चार माह दस दिन का इद्दत अनिवार्य है।
2. यदि विवाह विच्छेद तलाक द्वारा हुआ है तो-
(a) यदि पति-पत्नी के बीच सम्भोग हो चुका है तो इद्दत तीन मासिक धर्म।
(b) यदि पति-पत्नी के बीच सम्भोग नहीं हुआ है तो इद्दत पालन नहीं करना पड़ता।
(c) यदि विवाह-विच्छेद के समय पत्नी गर्भवती हो तो इद्दत की अवधि गर्भपात या बच्चे के जन्म तक रहती है।